प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

स्वयं पर विजय प्राप्त करना, सबसे बड़ी विजय है।

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

www.purvanchalsurya.com

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 18 | अंक 278 | दैनिक | रांची | गुरुवार 22 मई 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

सुप्रीम कोर्ट ने खत्म की 20 साल पुरानी व्यवस्था

- जज बनने के लिए अब 3 साल का वकालत का अनुभव जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में न्यायिक सेवाओं में प्रवेश की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए लॉ ग्रेजुएट्स को एंट्री-लेवल जज की परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की 20 साल पुरानी परंपरा को समाप्त कर दिया है। अब केवल वही उम्मीदवार प्रथम श्रेणी न्यायिक अधिकारी पदों के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने कम से कम तीन

वर्षों के लिए वकालत की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति एजी मसीह और के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस निर्णय में कहा, न्यायिक अधिकारी नियुक्ति के पहले दिन से ही नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति और प्रतिष्ठा से जुड़े गंभीर मामलों से निपटते हैं। केवल किताबों से प्राप्त ज्ञान या नौकरी से पूर्व की ट्रेनिंग कोर्ट में मिलने वाले प्रत्यक्ष अनुभव की जगह नहीं ले सकते। पीठ ने माना कि पिछले दो दशकों में सीधे स्नातक छात्रों की भर्ती से कई व्यवहारिक और प्रशासनिक समस्याएं पैदा हुई हैं। इन नए नियुक्त अफसरों में अनुशासन और व्यवहार की समस्याएं देखी गईं।

भारत की बानू मुश्ताक को मिला इंटरनेशनल बुकर प्राइज

नई दिल्ली/लंदन (एजेंसी)। भारतीय लेखिका, वकील और एक्टिविस्ट बानू मुश्ताक ने अपनी किताब हार्ट लैंप के लिए इंटरनेशनल बुकर प्राइज जीता है। हार्ट लैंप कन्नड़ भाषा में लिखी पहली किताब है, जिसे बुकर प्राइज मिला है। दीपा भष्टी ने इसे अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया है। बुकर प्राइज के लिए हार्ट लैंप को दुनियाभर की छह किताबों में से चुना गया। यह अवॉर्ड पाने वाला पहला लघु कथा संग्रह (शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन) है। दीपा भष्टी इस किताब के लिए अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय ट्रांसलेटर हैं। बानू मुश्ताक और दीपा भष्टी ने मंगलवार को लंदन के टेट मॉडर्न में हुए कार्यक्रम में अवॉर्ड रिसीव किया। दोनों को 50,000 पाउंड (52.95 लाख रुपए) की पुरस्कार राशि भी मिली है, जो लेखक और ट्रांसलेटर के बीच बराबर-बराबर बांटी जाती है। हार्ट लैंप में दक्षिण भारतीय महिलाओं की मुश्किल जिंदगी की कहानियां बानू मुश्ताक ने हार्ट लैंप किताब में मुस्लिम महिलाओं की कठिनाइयों को मार्मिक ढंग से दर्शाया है।

फरीदकोट में खालिस्तानी आतंकी डल्ला के 2 साथी को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फरीदकोट में जिला पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने संयुक्त अभियान के दौरान खालिस्तानी आतंकवादी अर्श डल्ला के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने साझा की है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा- आरोपियों के पास से दो .30 बोर की पिस्तौल और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने कहा- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पंजाब ने फरीदकोट पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में विदेशी गैंगस्टर अर्श डल्ला के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान फरीदकोट निवासी विशाल सिंह और ओंकार सिंह के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पंजाब के विभिन्न थानों में कई एफआईआर दर्ज हैं। डीजीपी यादव ने आगे कहा- प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विशाल सिंह हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। आरोपी अपने प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य को खत्म करने की सक्रिय रूप से योजना बना रहा है। वह अपने विदेशी संचालकों के साथ लगातार संपर्क में थे। पंजाब में एक सनसनीखेज अपराध को अंजाम देने के लिए निर्देशों का इंतजार कर रहा है। इससे पहले ही पंजाब पुलिस की टीमों ने गुप्त सूचना के आधार पर उक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों को बरामद कर लिया गया। अन्य सहयोगियों की पहचान करने और बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

गंगा नदी को इंटरनेशनल मार्गों से जोड़ेगा मोदी का है यह प्रोजेक्ट

- बिहार में जल्द शुरू होगी वॉटर मेट्रो, राजधानी पटना से शुरुआत
- किराया भी होगा कम, गंगा के साथ अन्य जलमार्गों को भी जोड़ेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार में जल्द ही वॉटर मेट्रो शुरू होने वाली है। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक खास ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो बिहार में गंगा नदी को नेशनल और इंटरनेशनल जलमार्गों से जोड़ने वाला है। इस प्रोजेक्ट से बिहार के लोगों को सड़क पर ट्रैफिक की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। इस साल अगस्त में पटना मेट्रो के पहले चरण का संचालन शुरू होगा। उसके बाद वॉटर मेट्रो चलाने की तैयारी होगी। ये वॉटर मेट्रो उत्तर बिहार को पटना मेट्रो के स्टेशन से जोड़ने वाली है। इससे न केवल रोजाना सफर करने वाले लोगों के लिए आसान होगी, बल्कि पर्यटकों को भी काफी फायदा होगा। इसके लिए केरल की कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की तीन अधिकारी पटना आए थे। उन्होंने चार दिन तक इस योजना पर काम किया और गंगा नदी के कई हिस्सों का सर्वे किया। चलिए आपको बताते हैं

आखिर क्या रहेगा वॉटर मेट्रो का किराया।

सरकारी टीम ने कई जगहों का अध्ययन किया है, जिनमें उत्तर भारत के गंडक, सोनपुर, हाजीपुर, कोनहरा, दानापुर, दीघा, बिदुपुर, गायघाट और पहलेजा घाट जैसे जल क्षेत्र शामिल हैं। ये जानकारी इंडियन इनलैंड वाटरवेज अथॉरिटी के डायरेक्टर अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि केरल सरकार की मदद से केरल के कोच्चि शहर में लोगों के लिए सस्ती कीमत पर पानी से यात्रा करने की सुविधा उपलब्ध करा रही है। वॉटर मेट्रो की योजना की शुरुआत गंडक से चलाकर होगी, यही नहीं बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी वॉटर मेट्रो की शुरुआत होगी। इन राज्यों के कुछ शहर प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गांधी नगर, श्रीनगर, जम्मू कश्मीर, बंगाल, गोवा, असम के ढुबरी व गुवाहाटी, मंगलुरु, कर्नाटक, महाराष्ट्र के मुंबई व वसई, अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप भी शामिल हैं। गंगा के साथ ब्रह्मपुत्र नदी, डल झील, अंडमान और लक्षद्वीप में द्वीपों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। वॉटर मेट्रो के किराए को लेकर बताया गया है कि मेट्रो का किराया 20 से 40 रुपए रहेगा। ऐसे में वॉटर मेट्रो का किराया दिल्ली मेट्रो से कम रहेगा। दिल्ली मेट्रो का अधिकतम किराया 60 रुपए है, लेकिन वॉटर मेट्रो का अधिकतम किराया ही 40 रुपए होगा। इस वॉटर मेट्रो में 50 यात्री के बैठने की क्षमता होगा और उनके साथ 50 यात्री खड़े होकर सफर कर पाएंगे। यानी 100 यात्रियों के सफर करने की व्यवस्था यहां है।

निषिद्ध मादक पदार्थों का दुरुपयोग रोकने हेतु मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच 'नशामुक्त झारखंड हो अपना'

युवाओं को नशे की गिरफ्त से निकालना उद्देश्य – राहुल पुरवार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच है कि झारखंड को नशामुक्त करना है और इस दिशा में तेजी से कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। इसी के मद्देनजर ये प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। विभिन्न विभागों के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि कैसे वे अपने - अपने जिले में जाकर समन्वय स्थापित करते हुए लोगों को जागरूक करेंगे और बताएंगे कि नशा के दुष्प्रभाव क्या-क्या हैं। हमें झारखंड के युवाओं को नशा के गिरफ़्त से उन्हें बाहर निकालना होगा। उक्त बातें राहुल पुरवार ने डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में चल रहे निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन बुधवार को ड्रग एब्यूज अवेयरनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कही। दूसरे दिन उत्तरी छोटानगपुर प्रमंडल के विभिन्न विभागों के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें पुलिस विभाग के भी अधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को ड्रग्स के दुष्प्रभाव से करना होगा जागरूक-नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,रांची के इंटेलिजेंस ऑफिसर श्री कुमार मनोहर मंजुल ने कहा कि यूथ अफीम , कोकीन , हेरोइन ,गांजा ,कफ सिरप ,व्हाइटनर ,डेंड्राइट आदि अन्य मादक पदार्थों के सेवन से वे अपनी जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं। हमें अपने रोल को समझना होगा । लोगों में ,युवाओं में ड्रग्स के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्हें जागरूक करना होगा । न्यू ट्रेंड ऑफ़ ड्रग्स को समझना होगा कि आख़िर युवा किन माध्यमों और विभिन्न दवाओं के मिश्रण कर उसे ड्रग्स (नशा) के रूप में उपयोग में लाते हैं और उन्हें उनके इस्तेमाल से होने वाले नुक़सान के बारे में बताना होगा । श्री कुमार मनोहर मंजुल ने बताया कि ड्रग्स एडिक्शन की रोकथाम के लिए हमें इनोवेटिव मेथड अपनाने होंगे । राज्य के शहरी क्षेत्रों में सिंथेटिक ड्रग्स (कफ सिरप ,नेल पेंट की स्मेल ,डेंड्राइट,व्हाइटनर) आदि का चलन ज़्यादा है। उन्होंने खूँटी जिला का जिक्र करते हुए कहा कि खूँटी में अफ़ीम की खेती के हानिकारक तत्व के बारे जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी जा रही है और अफ़ीम की खेती की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाए गए गए हैं । उन्हें जानकारी दी जा रही है कि अफ़ीम की खेती गैरकानूनी है,खेती के अन्य विकल्प को तलाशें और दूसरी फसलों की खेती करें। प्रशासन द्वारा लोगों को सरसों ,दाल के बीज मुफ्त में दिए जा रहे हैं, जो जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय कदम है । हमें इसी तरह के इन्शिएटिव लेने होंगे । उन्होंने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से ड्रग्स के दुष्प्रभाव ,ड्रग्स लेने के कारण , टाइप्स ऑफ़ ड्रग्स के बारे में विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला ।

रिनपास में मुफ्त में किया जाता नशा के आदी का इलाज,नशा छुड़ाने में की जाती है मदद- रिनपास के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सजल आशीष नाग ने बताया कि कैसे और किन कारणों से युवा ड्रग्स की शुरुआत करते हैं । माहौल और ग़लत संगत के कारण ,तनाव के कारण ,आसानी से उपलब्धता के कारण , इसके नुकसान के प्रति जानकारी नहीं होने के कारण भी ड्रग्स के आदी हो जाते हैं । उन्होंने बताया कि नशा लेने के कारण उनके व्यवहार में बदलाव आ जाता है ।पढ़ाई में मन नहीं लगता है ,एकांतप्रिय हो जाते हैं। सुसाइडल टेंडेंसी आ जाती है । फ्रेंड्स सर्किल चेंज हो जाते है । उन्होंने नशा से बचने के उपायों के बारे में भी जानकारी दी । उन्होंने कहा कि रिनपास में नशा के आदी लोगों का इलाज कर नशा छुड़ाने में मदद की जाती है । रिनपास में इसका मुफ्त इलाज किया जाता है ।

सीआईपी के डॉ अनिरुद्ध मुखर्जी ने ड्रग्स की रोकथाम के उपायों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी । नशीली दवाओं के माध्यम से नशा करने के कारणों और उससे कैसे बचें,इस बारे में जानकारी दी ।

कलेक्टिव सपोर्ट से निकल कर आते हैं बेहतर परिणाम- यूनिसेफ के मृत्युंजय नायक ने नशे की रोकथाम में संचार और समुदायगत सक्रियता की भूमिका के बारे में प्रेजेंटेशन दिया । उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे कलेक्टिव सपोर्ट से बेहतर परिणाम निकल कर आ सकता है । इसलिए आज हमलोग सभी संबंधित विभागों के सहयोग से मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दे रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की सोच नशामुक्त झारखंड हो । युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि बच्चे खुल कर बात करें इस तरह का मैकेनिज्म क्रिएट करना पड़ेगा, उन्हें बताना होगा कि प्रशासन आपकी मदद के लिए है । हमें हर वर्ग के लोगों को टारगेट करना होगा ,उनसे ड्रग्स के दुष्प्रभाव के बारे में बात करना होगा ।

अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर करना होगा जागरूकता कार्यक्रम का प्लान- सिनी के सुभादीप अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु जागरूकता कार्यक्रम को कैसे सफल बनायें इसके आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी । जिसमें विभिन्न विभागों का सहयोग रहेगा । जिसमें स्कूली ,शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ,उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग,महिला ,बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ,स्वास्थ्य ,चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ,पर्यटन ,कला संस्कृति ,खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग ,झारखंड पुलिस ,झारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसाइटी एवं वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग हैं । अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर प्लान तैयार करना होगा कि कैसे निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु लोगों को जागरूक करें ,इस पर काम करना होगा । साथ ही विधिक कार्रवाई से भी उन्हें अवगत कराना होगा । गुरुवार (22 मई) को संथाल परगना और 23 मई को कोल्हान एवं पलामू प्रमंडल के मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में 27 नक्सलियों का एनकाउंटर

- डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सली ढेर, 20 शव और हथियार बरामद, 1 जवान शहीद

जगदलपुर (एजेंसी)। नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़ के बोटेर

पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ी कामयाबी बताया है। पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कर्रेगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित कर्रेगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं। इस भीषण गोलीबारी में जवानों ने एक कुख्यात माओवादी को भी मार गिराया

है, जिसके ऊपर 1.5 करोड़ रुपये का ईनाम था। इस माओवादी नेता का नाम बसवराजू था, जो 1970 के दशक से देश में चलाए गए माओवादी आंदोलन को सक्रिए बनाए हुए था। नक्सलियों के चीफ डेढ़ करोड़ का इनामी नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू उर्फगगन्ना को डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों ने मार गिराया है। पुलिस फोर्स ने इसके करीब 30 नक्सलियों को मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक एंटी नक्सल ऑपरेशन अभी भी जारी है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मलेशिया के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

विशेष संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। एलआइएमए- 2025 के अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मलेशिया के रक्षा मंत्री याब दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से मुलाकात की। उन्होंने चल रहे रक्षा सहयोग और हमारे देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत संबंधों को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। श्री सेठ ने आतंकवाद पर भारत की शून्य-सहिष्णुता नीति को दोहराया और मलेशिया का समर्थन मांगा। मलेशिया ने सभी मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

रक्षा राज्य मंत्री ने मलेशिया के उप रक्षा मंत्री का किया स्वागत

विशेष संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मलेशिया में आयोजित लीमा-2025 में इंडियन नेवी के जहाज कवरत्ती पर मलेशिया के उप रक्षा मंत्री वाईबी अदली बिन ज़हारी का स्वागत किया। कवरत्ती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में स्वदेशी निर्माण, कौशल और रक्षा उद्योग की बढ़ती क्षमताओं का प्रतिबिंब है।

श्री सेठ ने कहा कि हमने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग के अवसरों पर और बेहतर कार्य और शोध करने पर सकारात्मक चर्चा की।

अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार एनएसए, परिवार हाईकोर्ट जाएगा

- कहा-लोकप्रियता से राजनीतिक दल डर गए,अप्रैल 2023 से डिब्रूगढ़ जेल में बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इसके लिए परिवार की ओर से तैयारियां कर ली गई हैं। परिवार का तर्क है कि साजिश के तहत अमृतपाल सिंह को जेल से बाहर नहीं आने दिया जा रहा है। अमृतपाल सिंह की बढ़ती लोकप्रियता से सभी पार्टियां चिंतित हैं। उनके सभी साथियों से एनएसए हटा लिया गया है। इन सभी को पिछले महीने ही पंजाब लाया गया था। साथ ही अब उन पर कानूनी मामले भी चल रहे हैं। परिवार का कहना है कि एक बार आपने अमृतपाल को जेल में डाल दिया। अब जेल के अंदर बैठे व्यक्ति पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं।

स्व.राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर सुबोधकांत सहाय ने किया श्रद्धासुमन अर्पित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, रांची/नई दिल्ली। स्व.राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय (24, अकबर रोड) में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

मौके पर श्री सहाय ने कहा कि स्व.गांधी के विचारों को आत्मसात कर हम सब भारतवासी राष्ट्र के नवनिर्माण की ओर अग्रसर हैं। आधुनिक भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में स्वर्गीय राजीव गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी सकारात्मक और दूरदर्शी सोच अनुकरणीय है।

टंडवा रोड में दांगी फ्यूल सेंटर का उद्घाटन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, बड़कागांव। बड़कागांव-टंडवा रोड स्थित हरदरा बादी में नई पेट्रोल पंप दांगी फ्यूल सेंटर (इंडियन ऑयल) का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इंडियन ऑयल के डिवीजनल रिटेल हेड पंकज कुमार ने उद्घाटन किया। इसके पूर्व प्रोपराइटर जुगेश्वर दांगी द्वारा पत्नी पूर्व मुखिया अनीता देवी के साथ विधिवत पूजा-अर्चना किया गया। इस दौरान उद्घाटन में शामिल झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य ,झामुमो जिला अध्यक्ष सह केंद्रीय कार्य कारणी सदस्य संजीव कुमार बेदिया ने प्रोपराइटर को बेहतर करने की शुभकामनाएं दी ।मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी, झामुमो जिला झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य अध्यक्ष संजीव बेदिया,पुरोहित के अलावा दर्जनों लोग शामिल थे।

चौबीस घंटे के अंदर विष्णुगढ़ पुलिस ने लूटकांड का किया उद्भेदन

लूट की समाग्री के साथ युवक गिरफ्तार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र से सोमवार की रात विडियो ग्राफी कर घर लौट रहे दो युवकों को बंधक बनाकर लूटे गए मोबाइल सहित अन्य समाग्री को विष्णुगढ़ पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर मामले का उद्भेदन कर लूटे गए समान के साथ चलकरी कला निवासी विक्की कुमार नामक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि मंगलवार की रात को मुन्ना कुमार, मुकेश कुमार तिरला थाना बगोदर गिरिडीह एक शादी समारोह में विडीयो ग्राफी कर चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम मंगरो से अपने घर ग्राम गोपालडीह (बगोदर) लौट रहे थे। इसी क्रम में विष्णुगढ़ बगोदर रोड (एनएच-522) पर ग्राम चलनिया सतगढ़ा पुल के समीप चार अपराधियों ने दोनो युवकों को बंधक बनाकर इनके फोनपे के माध्यम से बीयर खरीदवाया। बेड़ा हरियारा जंगल के पास ले गए। जहां अपराधियों ने दोनों युवकों को दो घंटे तक बंधक बना कर रखा। अपराधियों ने जान मारने की धमकी देकर दोनों युवकों के पास से तीन मोबाईल एवं एक बीडियो कैमरा लुटकर भाग गए। इस संबंध में पीड़ित युवक मुन्ना कुमार ने गोपालडीह थाना बगोदर जिला गिरिडीह के बुधवार को विष्णुगढ़ थाना में शिकायत दर्ज कराई है। विष्णुगढ़ पुलिस ने थाना कांड संख्या 95/25 दिनांक 20.05.25 धारा 309/127(2) भा न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। कांड के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। कांड के गहन अनुसंधान आसूचना संकलन विशेष छापामारी एवं तकनीकी सहायता से कांड दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर कांड का उद्देदन करते हुए एक अपराधी को गिरफ्तार एवं एक विधि विरुद्ध किशोर को निरुद्ध किया गया। इनके निशानदेही पर लूटे गए तीन मोबाईल एवं कांड में प्रयुक्त किए गए बाइक को बरामद किया गया है। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सघन छापामारी की जा रही है। छापामारी दल में थाना प्रभारी सपन कुमार महथा, पुअनि आशिष कुमार सिंह, सागेन मुर्मू, दशरथ महतो, पंकज सिन्दुरिया, रणविजय सिंह, प्रियरंजन कुमार, मसोमात सुधा,थाना रिजर्व गार्ड शामिल हैं। चलकरी कला निवासी बिक्की कुमार को एक सिल्वर रंग का सैमसंग गलेक्सी नोट 10 स्क्रीन टच मोबाईल, एक सफेद रंग का फोल्ट फाईण्ड एन तीन मोबाईल फ्लिप ओप्पो कंपनी का स्क्रीन टच मोबाईल,

एक सिल्वर रंग का वीवो कंपनी का वै 29 स्क्रीन टच मोचाईल,

एक हिरो ग्लैमर मोटरसाईकिल जेएच 02अट 0577 बरामद किया गया है।

अपर पुलिस महानिदेशक सुमन गुप्ता ने नये आपराधिक कानूनों के परिप्रेक्ष्य में की समीक्षा बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण, झारखंड सुमन गुप्ता की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय सभागार में सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक (रेल सहित) के साथ नये आपराधिक कानूनों के तहत कांडों के अनुसंधान में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग, कांडों का स-समय निष्पादन एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थिति की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में उपरोक्त पदाधिकारी ऑनलाईन माध्यम से एवं कार्तिक एस. पुलिस उप-महानिरीक्षक, झासपु सह नोडल पदाधिकारी, सीसीटीएनएस, संध्या रानी मेहता, पुलिस उप महानिरीक्षक, अप.अनु.वि., ऋषभ झा, पुलिस अधीक्षक, एटीएस एवं पुलिस मुख्यालय की संबंधित टीम भौतिक रुप से उपस्थित रहे।

समीक्षा में अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा उक्त तथ्यों पर जिलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत शत-प्रतिशत कांडों के अनुसंधान में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से साक्ष्य संकलन यथा- घटनास्थल / अपराध दृश्य की विडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी, सर्च एवं सीजर की विडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी, वादी/पीड़ित / अन्य संबंधित व्यक्तियों के बयान की इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डिंग के लिए ई-साक्ष्य मोबाईल ऐप का उपयोग करने का निर्देश सभी जिलों को दिया गया। इसके साथ ही वैसे कांडों जिसमें सात वर्ष या उससे अधिक की सजा प्रावधानित हो. उसमे अनिवार्य रुप से घटनास्थल के निरीक्षण एवं वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन के लिए फोरेंसिक टीम को अविलंब घटनास्थल पर बुलाने, बीएनएसएस में प्रावधानित निर्धारित समय सीमा 60 एवं 90 दिन के भीतर कांडों का अनुसंधान पूर्ण करने का निर्देश भी सभी जिलों को दिया गया। उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन जिला स्तर पर सुनिश्चित कराने की जिम्मेवारी क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षकों को निर्धारित करते हुए इन बिन्दुओं पर नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा समीक्षा के क्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि सीसीटीएनएस में रियल टाईम एवं गुणवत्तापूर्ण डाटा की प्रविष्टि सुनिश्चित की जाय। सीसीटीएनएस में डाटा की गुणवत्ता के महत्व के संबंध में माह मई-जून 2025 में राज्य स्तर पर अभियान के रुप में पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के लिए प्रशिक्षण प्रस्तावित होने की बात भी अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा बताई गई।

शिव परिवार एवं हनुमंतलाल प्राण प्रतिष्ठा कलश यात्रा के साथ महायज्ञ शुरू

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नयाटांड के ग्राम पिपराडीह में श्री श्री वैदिक 1008 शिव परिवार एवं हनुमंत लाल प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ । जिसमें अखिल भारतीय धर्म स्तर अनेक प्रतिष्ठित वैदिक विद्वानों एवं धर्माचार्यों एवं पंडितों के द्वारा विधिवत कथा प्रवचन किया जाएगा।महायज्ञ के आचार्य देवानंद मिश्रा व बनारस के पंडितों व पुरोहित अर्जुन पाण्डेय वेद पूजन किया जाएगा ।

महायज्ञ कार्यक्रम प्रातः काल 20 मई मंगलवार को कलश यात्रा ,पंचांग पूजन गंगा भरन पूजन व आरती, 21 मई बुधवार को मंडप प्रवेश,अग्नि स्थापना,घृतधिवास पूजा पुष्पांजलि , हवन आरती एंव रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक अनिल महाराज द्वारा प्रवचन व महिला कीर्तन मंडली द्वारा हरि कीर्तन गायन,प्रातः काल 22 मई गुरुवार को वेद पाठ समस्त देवी देवता पूजन अग्नि स्थापना व आरती वहीं रात्रि में प्रवचन व महिला कीर्तन मंडली द्वारा हरि कीर्तन गायन ,23 मई शुक्रवार को वेद पाठ, देवी पूजन,ग्राम भ्रमण,एंव प्राण प्रतिष्ठा ,हवन आरती, रात्रि में श्री अनिल जी महाराज द्वारा प्रवचन व महिला कीर्तन मंडली द्वारा हरि कीर्तन गायन ,24 मई शनिवार को नित्यपाठ पूजन,वेदी पूजन,नगर भ्रमण,सामुहिक हवन महायज्ञ की पुर्णाहुति,प्रसाद वितरण, कलश विसर्जन वहीं रात्रि में लोकप्रिय कलाकारों द्वारा झांकी के साथ जागरण कार्यक्रम के साथ यज्ञ का समापन होगा।वहीं महायज्ञ को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर वैदिक श्री श्री 1008 शिव परिवार एंव हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के अध्यक्ष जागेश्वर प्रजापति,सचिव दिनेश्वर प्रजापति कोषाध्यक्ष चंदन प्रजापति के साथ महायज्ञ सेवा समिति एंव पिपराडीह के ग्रामिण सेवा भाव से जुटे हैं ।

इस कलश यात्रा में मुख्य रूप से विधायक रौशनलाल चौधरी,पुर्व विधायक अंबा प्रसाद,मुखिया लीलावती देवी मुखिया प्रतिनिधि अजीत महतो , पंसस प्रभु राम खेमलाल महतो, गौतम वर्मा व गणमान्य लोगों सहित अन्य शामिल थे।

हज यात्रियों की रवानगी का सिलसिला जारी

डॉ. सिबगतुल्लाह समेत परिवार के सात लोग हज यात्रा पर रवाना

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। (आदिल रशीद) हज यात्रा पर जाने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। बुधवार (21 मई) को राजधानी रांची के प्रख्यात डेंटल सर्जन डॉ.एम सिबगतुल्लाह पत्नी उजमा इब्राहिम और परिवार के सात आजमीन के साथ हज यात्रा के लिए रवाना हुए। इससे पूर्व रांची, चतरा, हंटरगंज के कई गणमान्य एकत्रित होकर डॉ.एम सिबगतुल्लाह और उनके साथ जाने वाले हज यात्रियों को फूलमाला पहनाकर एवं मुसाफा कर रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से रवाना किया। उन्होंने बताया कि हज के लिए मुंबई से 23 मई को फ्लाइट द्वारा मक्का मदीना के लिए रवाना होंगे। हज पर जा रहे डॉ.सिबगतुल्लाह व उनके परिवारजनों को सैकड़ों की संख्या में लोगों ने मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन चैन, भाईचारगी के लिए दुआ की गई। हज यात्रा में जाने वालों में डॉ. एम सिगबतुल्लाह, उजमा इब्राहिम, मो.इकबाल, सलमा खातून, रहमती परवीन, जुल्फिकार, रेशमा खातून, मो. काशिफ शामिल हैं। रांची एयरपोर्ट पर विदाई देने वालों में डॉ. सिबगतुल्लाह की मां सालेहा खातून, डॉ. हम्जा, शबाना परवीन, जैनुल आब्दीन, मो. कुतुबुद्दीन, मो. फिरदौस, अजमत, मौलाना हामिद कासमी, सलमा खातून, मो.फारूक, रिजवाना, मौलाना सलाहुद्दीन, रुखसाना, फरजाना, मो. आरिफ, इज्जत परवीन, शमा नाज, कौसर परवीन, डॉ. कौसर, नाजिया, मो. शाहिद, मो. हामिद, मो. अकरम, पत्रकार आदिल रशीद, अब्दुमजीद, लिवा अहमद, डॉ. हंजला हयात, मो. नईम,फजीलत परवीन, इफ्तेखार, फेमस मो.नईम, मजहर, डॉ.एम हसनैन समेत अन्य शामिल थे।

वीर शहीदों के सम्मान में भाजपा की तिरंगा यात्रा आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता एवं शहीद सैनिकों के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले बड़कागांव प्रखंड के गुरुचट्टी कुशवाहा धर्मशाला से सूर्य मंदिर तक सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने एवं सैनिकों के अभिनंदन के लिए तिरंगा यात्रा निकाला गया। तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से बड़कागांव विधायक का रौशन लाल चौधरी उपस्थित हुए। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि जिस प्रकार से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के वीर जवानों ने जिस पराक्रम के साथ पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर में जो धूल चटाया हैं उसे देश कभी नहीं भूलेगा। हम सभी देशवासियों को हमारे वीर जवान सैनिकों पर अभिमान है और हम गर्व करते हैं कि ऐसे वीर जवान सैनिक हमारे देश में है जिनके जीते जी हम भारतवासियों को कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आगे उन्होंने कहा कि भारत के एक-एक नागरिक अपने देश के प्रति खड़ा है अगर जरूरत पड़े तो हमारा एक-एक नागरिक सैनिक बनकर दुश्मन देश के खिलाफ युद्ध में उतर सकता है। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो,पूर्वी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,भाजपा नेता सह पूर्व जीप सदस्य टुकेश्वर प्रसाद, मंडल सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल शिबू मेहता ,पूर्व महामंत्री इंद्र, अनुज यादव सहित सैकड़ो देश भक्त उपस्थित थे।

ईश्वर की नेमतों का शुक्रिया अदा करना भक्ति की निशानी- मौलाना तहजीबुल हसन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, रांची। जीवन की हर सांस प्रभु का आशीर्वाद है। उपरोक्त बातें झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य और मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कही। मौलाना ने कहा कि आज के दौर में इंसान के लिए सबसे बड़ी नेमत उसका घर मकान और आशियाना है। श्री सैयद अत्ता इमाम रिज़वी 50 वर्षों से इस शहर में हैं। लेकिन उनके पास अपना कोई घर नहीं था। जब ईश्वर ने उन्हें एक घर मकान से नवाजा, तो उन्होंने अपने मकान पर शुक्र परवरदिगार के लिए जिक्र परवरदिगार और जिक्र अहले बैत का आयोजन किया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी शामिल हुए। जश्न अहले बैत को संबोधित किया और अता इमाम रिज़वी के परिवार को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर अंजुमन जाफरिया के अध्यक्ष सैयद निहाल हुसैन सरियावी, शायर सोहेल सईद, पत्रकार आदिल रशीद, इब्राहिम हुसैन, एसएच फातमी, हबीब हैदर, शब्बीर हुसैन, डॉ. नजीर हुसैन, सैयद असगर इमाम, सैयद ओन इमाम, इक़्तेदार हैदरी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर सैयद अत्ता इमाम रिजवी और उनके परिवार को बधाई दी।

छात्रावास प्रारंभ होने की चर्चा से विद्यार्थियों में है उत्साह

बंद छात्रावास के कारण नैक मूल्यांकन में मिले थे कम अंक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में अवस्थित तीनों बंद छात्रावास बहुत जल्द होंगे प्रारंभ।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा इस संबंध में योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ कर दिए है।पहले चरण में उन्होंने उच्च अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय अभियंता के द्वारा सभी छात्रावासों का भौतिक निरीक्षण करवाया।उच्च अधिकारियों से परामर्श उपरांत दूसरे चरण में दोनों महिला छात्रावास परिसरों की साफ सफाई युद्ध स्तर पर करने का निर्देश दे दिया गया है।

महिला छात्रावास भवन के बाहर का परिसर एवं दोनों भवन के अंदर की साफ सफाई के लिए सिर्फ दो दिनों का समय मुकर्रर हुआ है।विश्वविद्यालय में कार्यरत एजेंसी को कहा गया है की परिसर में कार्यरत सभी माली एवं सफाई कर्मचारियों को अपने अपने पदस्थापित केंद्र के कार्य के अतिरिक्त इस कार्य में लगा दे।

बुधवार को एजेंसी के एरिया ऑफिसर मनोज कुमार झा एवं दोनों सुपरवाइजर विकास कुमार हरी एवं मुन्ना यादव स्वयं उपस्थित होकर दोनों महिला छात्रावास की साफ सफाई का कार्य को निर्देशित कर रहे थे।दोनों छात्रावास लगभग दो वर्ष से अधिक समय से बंद तथा उपेक्षित पड़े हुए हैं। दोनों के परिसर में चारों तरफ झाड़ी और लंबे-लंबे जंगली घास हो गए हैं।

लगभग 25 से अधिक की संख्या में पुरुष एवं महिला कर्मियों ने दोनों छात्रावास की साफ सफाई का काम को आज अंजाम दिया। ग्रास कटिंग मशीन के साथ-साथ अन्य साजो समान का उपयोग बखूबी किया गया।

विश्वविद्यालय प्रबंधन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक जून-जुलाई में नए नामांकन के समय से छात्रावास की सुविधा फिर से उपलब्ध कराई जाए।

इधर छात्रावास प्रारंभ होने की खबर से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर के छात्रावास में रहना चाहते हैं। इससे विश्वविद्यालय परिसर भी जीवंत होता है।ज्ञात हो की पूर्व कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव के कार्यकाल में छात्र सरोजिनी नायडू खाली करवा कर बंद कर दिया गया। अन्य छात्रावास तो कभी प्रारंभ नहीं हुए।विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने कई बार पूर्व महिला कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा से छात्रावास चालू करवाने का आग्रह किया।परंतु ऐसा हो ना सका।हाल में डॉ विकास कुमार के डीएसडब्ल्यू बनने के उपरांत सभी छात्रावास प्रारंभ करने की दिशा में ठोस पहल किया जा रहे थे।छात्रावास का बंद रहना विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में कम अंक मिलने के पीछे का एक प्रमुख कारण बना।

संबद्ध महाविद्यालय संघ ने कुलपति से की भेंट

उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन की लंबित राशि शीघ्र जारी करने का कुलपति ने दिया आश्वासन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय,के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा से झारखंड संबद्ध महाविद्यालय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने एक शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और शीघ्र समाधान की मांग की।? संघ के सचिव डॉ. सच्चिदानंद कुमार ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत 15 से अधिक महाविद्यालयों की संबद्धता की प्रक्रिया विगत समय से लंबित है, जिससे वहां की शैक्षणिक गतिविधियाँ बाधित हो रही हैं। साथ ही स्नातक स्तर पर उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य में संलग्न शिक्षकों को अब तक उनकी पारिश्रमिक राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने आग्रह किया कि लंबित राशि का भुगतान यथाशीघ्र किया जाए।

कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मूल्यांकन कार्य की बकाया राशि शीघ्र स्वीकृत की जाएगी तथा लंबित संबद्धता मामलों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादित किया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के प्राचार्यगण सम्मिलित थे,जिनमें प्रमुख रूप से अन्नदा महाविद्यालय के डॉ. नीलमणि मुखर्जी, आर.एन.वाई. महाविद्यालय बरही के डॉ. विमल किशोर, वाणिज्य महाविद्यालय कोडरमा के डॉ. सोहर यादव, डोमचांच महाविद्यालय के डॉ. प्रवीण कुमार,कनपुरा महाविद्यालय के डॉ. कीतिनाथ महतो,सीएन महाविद्यालय के डॉ. बलवंत सिंह तथा होली क्रॉस महाविद्यालय की सिस्टर सायलेट शामिल थीं।

डीजी सेट के संचालन को विनियमित करने की अधिसूचना में संशोधन जरूरी - महेश पोद्दार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। डीजी सेट के संचालन को विनियमित करने के संबंध में झारखंड प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा निर्गत अधिसूचना के आलोक में व्यवसायियों और उनके संघों की ओर से प्राप्त शिकायत के आधार पर पूर्व सांसद राज्यसभा महेश पोद्दार ने पॉल्यूशन बोर्ड के सदस्य सचिव को पत्राचार कर, कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण की मांग की। यह कहा कि इस अधिसूचना के कार्यान्वयन में सभी संबंधितों के लिए उपयुक्त और सुविधाजनक तरीके से संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि बोर्ड को इस संबंध में कुछ प्रतिनिधित्व भी प्राप्त हुए होंगे। यह आवश्यक है कि अधिसूचना में सभी संबंधितों के लिए स्वीकार्य रूप से आवश्यक संशोधन किये जायें। इसे कुछ अन्य राज्यों ने भी व्यवहारिक दृष्टिकोण से लागू किया है। अधिसूचना के अध्ययन के पश्चात् कुछ कमियों की ओर ईशारा करते हुए उन्होंने कहा कि अधिसूचना के बिंदु संख्या 1 में दिनांक 01.07.2004 से पहले निर्मित और स्थापित डीजी सेट को स्क्रैप किया जाना है लेकिन स्क्रैप नीति और प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है। इसी प्रकार बिंदु संख्या 2 में यह 125 केवीए और उससे अधिक क्षमता के डीजी सेट पर लागू है लेकिन पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) जुर्माना 20 किलोवाट (25 केवीए) से शुरू होता है। स्पष्टीकरण की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने कहा कि क्या यह अस्थायी या आपातकालीन उद्देश्यों और दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग किए जानेवाले डीजी सेट पर लागू है? क्या यह औद्योगिक, वाणिज्यिक और घरेलू उद्देश्यों के लिए समान रूप से लागू है? क्या यह अधिसूचना एनजीटी सीपीसीबी दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर आधारित है? उन्होंने यह भी कहा कि क्या यह 01 जुलाई 2025 से निर्मित या स्थापित डीजी सेट के लिए लागू नहीं होना चाहिए?

पत्र के माध्यम से उन्होंने यह भी सुझाया कि बोर्ड द्वारा यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये डीजी सेट केवल स्टैंडबाय के रूप में चलते हैं, इसलिए उम्र उपयोग के घंटों को नहीं दर्शाती है इसलिए वाहनों की तरह, धुंआ, उत्सर्जन परीक्षण किए जा सकते हैं। चूंकि अधिसूचना में दिया गया समय कम है, इसलिए सप्लाई सोर्स सीमित है। उन्होंने यह भी कहा कि कई इकाइयां रूग्ण अवस्था में हैं, वे अधिसूचना के अनुसार अनुलग्नक खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकती हैं, कोई ऋण उपलब्ध नहीं होगा। इसलिए इसे लागू करने से पहले सभी स्टॉकहोल्डर्स के साथ बैठक अवश्य की जाय।

विकसित भारत के अमृत स्टेशन

देश भर में

पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन

जिसमें शामिल हैं

झारखंड के 3 अमृत स्टेशन

राजमहल

शंकर पुर

गोविन्दपुर रोड

लाभ

- सिटी सेंटर के रूप में विकास - रुफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, विश्राम कक्ष, विशाल परिसंचारी क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं
- विरासत भी विकास भी -स्थानीय वास्तुकला से प्रेरित स्टेशन भवन
- अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, लाउंज, प्रतीक्षालय, ट्रैवलेटर, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एकीकरण से ये स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र
- स्टेशनों के डिज़ाइन में ऊर्जा दक्षता और हरित उपायों को प्राथमिकता, जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल , झारखंड

हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री , झारखंड

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री

भारतीय रेल

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम को लाइव देखें www.indianrailways.gov.in हमें फॉलो करें /RailMinIndia

गेंदा की खेती में एक लाख लगाया, ढाई लाख की कमाई

औरंगाबाद में शादियों के सीजन में दूल्हे की गाड़ी सजाते किसान; 15 मजदूरों को दिया रोजगार

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के किसान संतोष मालाकार पिछले 15 सालों से गेंदा और अन्य फूलों की खेती कर रहे हैं। चिल्हकी गांव के किसानों से जमीन लीज पर लेकर उन्होंने पांच बीघा खेत में गेंदा फूल लगाया है। एक लाख 25 हजार रूपए लगाकर ढाई लाख की कमाई हो रही है। ये लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। खेत में दूर-दूर तक फैले पीले-नारंगी फूलों की खुशबू और सुंदरता लोगों को आकर्षित कर रही है। खेत की खूबसूरती देख लोगों को ऐसा लगता है, जैसे कश्मीर की वादियों में आ गए हों। संतोष कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत दधपा गांव के रहने वाले है। संतोष ने बताया कि उन्होंने कोलकाता से दो रुपए प्रति पौधे की दर से गेंदा के पौधे मंगवाए हैं। एक हजार पौधों की कीमत 600 रुपए पड़ी। स्थानीय स्तर पर पौधे तैयार करने के लिए जरूरी संसाधन नहीं हैं। खेती के लिए उन्होंने चिल्हकी गांव के किसान महाराज पांडेय से 15 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से पांच बीघा जमीन लीज पर ली है।

अपनी दुकान से फूलों को बेट रहे

संतोष ने खेत के पास अंबा-नबीनगर पथ पर एक दुकान भी खोल रखी है। यहीं से फूलों की बिक्री कर रहे हैं। अब लोग जानते हैं कि फूल यहीं मिलेगा। गेंदा फूल की बिक्री 250 रुपए कोड़ी यानी 20 लरछा या 60 रुपए प्रति किलो की दर से हो रही है। संतोष लग्न के दिनों में दूल्हे की गाड़ी, जयमाला और स्टेज के सजावट का भी काम करता है। इसके लिए उसे पहले बंगाल से फूल मंगाना पड़ता था। फूल महंगा मिलने के कारण आमदनी कम होती थी। इससे परिवार चलाना मुश्किल होता था। वाराणसी में फूलों की खेती देखकर उन्हें आइडिया आया और इन्होंने अपने गांव में ही फूल की खेती करना शुरू किया। अब खेतों से निकलने वाले फूलों से सजावट का काम करते है। इससे आमदनी भी अच्छी होती है और स्थानीय स्तर पर 15 से 20 मजदूरों को रोजगार भी दे रहे है। बाकी बचे फूलों को दूसरे बाजारों में बेच दिया जाता है।

झारखंड-उत्तर प्रदेश में भी हो रही बिक्री

संतोष के फूलों की मांग बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई बाजारों में है। झारखंड के हरिहरगंज, डाल्टेनगंज, छतरपुर, जपला और बिहार के नबीनगर, अंबा, बारून, देव और औरंगाबाद में व्यापारी यहां से फूल खरीद कर ले जाते हैं। संतोष ने बताया कि एक बीघा खेत में फूल की खेती पर करीब 25 हजार रुपए खर्च आता है। इस बार मौसम अनुकूल रहने से अच्छी आमदनी की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बिना सरकारी सहायता के गुलाब, मोगरा, गुलदावदी जैसे फूलों की खेती करना मुश्किल है। न पॉलीहाउस है, न समय पर आर्थिक मदद मिलती है।संतोष के साथ गांव के किशोरी मालाकार,राहुल मालाकार और सुनील मालाकार भी बड़े पैमाने पर फूलों की खेती कर रहे हैं। सभी का कहना है कि सरकार औषधीय खेती को तो बढ़ावा देती है, लेकिन फूलों की खेती को नजरअंदाज कर रही है। यही कारण है कि गुलाब और अन्य फूल बाहर से मंगवाने पड़ते हैं। अब तक संतोष को उद्यान विभाग से कोई फायदा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार की ओर से समय पर पौधे, पॉलीहाउस और जैविक खाद मिलती तो गुलाब और अन्य फूलों की खेती भी संभव होती।

फूलों की खेती पर अनुदान का प्रावधान

जिला उद्यान पदाधिकारी डॉ. श्रीकांत ने बताया कि फूलों की खेती पर अनुदान का प्रावधान है। इसके लिए किसान को आवेदन करना होता है। आवेदन के अनुसार ही विभाग मदद देता है। किसान विभाग से संपर्क में रहें तो फायदा मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

गांव के चौक-चौराहों पर भी मिलेगी बैंकिंग की सुविधा

■ समस्तीपुर में डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक छोटे बाजारों में खोल रही यूनिट, पैक्स में मिलेगा माइक्रो एटीएम

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के चौक चौराहे भी अब विकसित हो रहे हैं। यहां मार्केटिंग के लिए अब जिला का कोऑपरेटिव बैंक अपनी छोटी शाखा खोलने जा रही है। जहां पर ग्रामीण इलाके के किसान के साथ ही आम लोग भी लेनदेन कर सकेंगे। इसके लिए जिले के सभी 381 पंचायत में स्थल का चयन किया जा रहा है। प्रथम चरण में 12 स्थान पर शाखा खोलने की स्वीकृति दी गई है। जिला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि डिस्ट्रिक कोऑपरेटिव बैंक डिपॉजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोलने जा रही है। जिसमें मिल्क यूनियन को भी शामिल किया गया है। बैंक पैक्सों में माइक्रो एटीएम देने जा रही है। जिससे किसी भी बैंक के एटीएम कार्ड से निकासी की जा सकेगी। गांव के लोगों को अब किसी प्रकार की जमा, राशि निकालना और जमा करने के लिए शहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला सहकारिता बैंक की नजर

पैक्स और मिल्क यूनियन अपने गांव के लोगों का खाता खोल सकेंगे। डिस्ट्रिक कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि अब जिले के पैक्स और मिल्क यूनियन अपने-अपने पंचायत अंतर्गत गांव के लोगों का खाता खुला सकेंगे, जहां से वे लेनदेन कर सकेंगे। पूरी लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला सहकारिता बैंक की नजर रहेगी। पैक्स और मिल्क यूनियन जिला सहकारी बैंक से लोन भी दिलवा सकेंगे।

इन जगहों पर खुलेंगे बैंक

डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के बेझाडीह, सराय रंजन पश्चिम, किशनपुर युसूफ गंगासरा, बिरनामा तुला, सातनपुर , रायपुर बुजुर्ग, मोहम्मदपुर सकरा, जितवारपुर कुंभरा व शिवैसिंहपुर और दिनमनपुर दक्षिणी में डिपॉजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोला जाएगा। इसके अलावा मिल्क यूनियन आधारपुर और सोंगर को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

गया में करोड़ों की प्रतिबंधित दवाइयां बरामद

■ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने की छापेमारी ■ 400 पैकेट नशीली दवाओं की खेप जब्त

गया, एजेंसी। गया शहर में प्रतिबंधित नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीएनबी) ने कार्रवाई की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के रंगबहादुर रोड और रामशिला मोड़ इलाके में सीएनबी की टीम ने छापेमारी की, जिसमें करीब 400 पैकेट नशीली दवाओं की खेप बरामद की गई। इन दवाओं की बाजार में कीमत करोड़ों रुपए में आंकी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सीएनबी को इनपुट मिला था कि गया शहर में बड़े स्तर पर कोडीन सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर तुरंत एक्शन लेते हुए टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई की कमान खुद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीक्षक ने संभाल रखी थी। सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई को नारकोटिक्स डिपार्टमेंट के अधीक्षक विजय शंकर कर रहे थे।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का होगा उद्घाटन

प्रधानमंत्री 29 और 30 मई को पटना को तीन समेत बिहार को चार सौगात देंगे

पटना एयरपोर्ट: यात्रियों की सालाना क्षमता 1 करोड़ होगी

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 30 मई को पटना को तीन समेत बिहार को चार सौगात देंगे। 29 मई को पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्?घाटन और बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम वेटनरी कॉलेज मैदान में होगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मंगलवार को मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बैठक की। इसमें डीजीपी विनय कुमार, डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह, पटना एयरपोर्ट के निदेशक केएम नेहरा, एसएसपी अवकाश कुमार समेत कई प्रशासनिक और एयरपोर्ट के अधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही पटना-गया-डोभी फोरलेन हाईवे का लोकार्पण 30 मई को करेंगे। 30 मई को नवीनगर थर्मल पावर प्लांट में स्टेज-2 परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे।

पटना-गया-डोभी फोरलेन हाईवे होगा चालू

पटना-गया-डोभी फोरलेन हाईवे का 127 किमी हिस्सा बन कर तैयार हो गया है। इसका लोकार्पण 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसे न्यू बाइपास से जोड़ने के लिए 3.9 किमी में निर्माण कार्य जारी है। इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद न्यू बाइपास से पटना-गया-डोभी फोरलेन हाईवे जुड़ जाएगा। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक, 96 करोड़ की लागत से मिसिंग लेन का निर्माण कार्य जारी है। इसमें सिपारा स्थित न्यू बाइपास से नाथुपुर तक फोरलेन सड़क की लंबाई 2.8 किमी है। इसी फोरलेन के बीच में एक वैकुलर

अंडरपास बन रहा है। इसे अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस अंडरपास से बाइपास के पहले 35 फीट रोड की कनेक्टिविटी मिलेगी। 5500 करोड़ की लागत से बनने वाला यह हाईवे तीन जिलों से होकर गुजर रहा है। इनमें पटना, जहानाबाद और गया जिला शामिल हैं। इसके चालू होने से पटना से गया का सफर अधिकतम ढाई घंटे में पूरा होगा।

धूल से बढ़ी परेशानी

बाइपास से नत्थुपुर तक मिसिंग लिंक रोड के हिस्से पर निर्माण कार्य चल रहा है। यहां बन रहे वैकुलर अंडरपास वाले स्थान पर डायवर्सन से रोजाना सैकड़ों गाड़ियां गुजरी रही हैं। यहां पर तय मानक का अनुपालन नहीं होने से आने-जाने वाले यात्री धूल से परेशान हैं। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक, निर्माण एजेंसी को तय मानक का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। इसका अनुपालन नहीं होने पर निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

1.1 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण अभी जारी

पटना-बख्तियारपुर न्यू बाइपास रोड पर सिपारा के पास 1.1 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण जारी है। इसकी पाइलिंग का कार्य चल रहा है। इसका निर्माण कार्य सितंबर तक पूरा होगा। इसके निर्माण के बाद अनीसाबाद से बख्तियारपुर के बीच फ्लाईओवर से गाड़ियों का परिचालन होगा। न्यू बाइपास पर सरिस्ताबाद के पास मिलने वाले स्थान पर बाइपास के सर्विस रोड से गाड़ियां पूरब में बख्तियारपुर और पश्चिम में अनीसाबाद की तरफ जाएंगी। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक पटना-गया-डोभी रोड के चालू होने के बाद न्यू बाइपास पर गाड़ियों का दबाव बढ़ेगा। सरिस्ताबाद के पास फ्लाईओवर का निर्माण होने से जाम की समस्या नहीं होगी।

नवीनगर थर्मल पावर स्टेज-2 : 2400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा

पीएम 30 मई को नवीनगर थर्मल पावर प्लांट में स्टेज-2 परियोजना का शिलान्यास करेंगे। 29 हजार करोड़ की लागत वाली इस परियोजना से 2400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इसमें 1500 मेगावाट बिजली की हिस्सेदारी बिहार की होगी। एनटीपीसी के अफसरों के मुताबिक इसे वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अभी नवीनगर थर्मल पावर प्लांट के स्टेज वन से 1980 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

यात्रियों को यह सुविधा होगी

- यात्रियों की सालाना क्षमता 23 लाख से बढ़कर एक करोड़ होगी।
- 52 चेक इन काउंटर होंगे।
- पांच एयरोब्रिज से सीधे विमान में जाएंगे यात्री।
- पैरेलल टैक्सी ट्रैक की सुविधा होगी।
- 11 विमानों की पार्किंग होगी।
- मल्टीलेवल पार्किंग की क्षमता 750 वाहनों की।
- आधुनिक कार्गो, एटीसी और शयनकक्ष की भी सुविधा।
- दो-दो अराइवल और डिपार्चर हॉल होंगे।
- निर्माण लागत- 1400 करोड़।
- बिहटा एयरपोर्ट : 2027 तक तैयार होगा नया टर्मिनल भवन
- नया टर्मिनल भवन 2027 तक तैयार होगा। लागत- 459.99 करोड़
- रनवे की लंबाई 2200 मीटर से बढ़कर 3700 मीटर होगी।
- पीक ऑवर में 3 हजार यात्रियों की क्षमता होगी।
- सालाना क्षमता एक करोड़ यात्रियों की होगी।
- 10 विमानों की पार्किंग होगी। कार्गो और एटीसी की सुविधा होगी।
- नया एकीकृत टर्मिनल और यूटिलिटी बिल्डिंग होगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा:

2005 से पहले राहत काम ठीक से नहीं, अब खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का

मुख्यमंत्री ने कहा-इस महीने के अंत तक बाढ़ व सुखाड़ से निपटने की तैयारी पूरी की जाए

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से पहले आपदा प्रबंधन व राहत काम ठीक से नहीं होता था। हमने यह सब ठीक किया। खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। वे मंगलवार को संभावित बाढ़ व सुखाड़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बोले- इस महीने के अंत तक बाढ़ व सुखाड़ से निपटने की तैयारियां पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा- 2008 में कोसी त्रासदी के दौरान हमने विश्व बैंक से कर्ज लेकर राहत व पुनर्वास का काम किया। बाढ़ पीड़ित परिवारों को 6-6 हजार अनुग्रह अनुदान दिया गया। इसे बढ़ाकर 7 हजार किया गया। बाढ़ व अन्य आपदा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 4 लाख रुपए दिया जाता है। बैठक में विकास आयुक्त व आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि जून से सितंबर तक सामान्य बारिश की संभावना है। एसओपी के अनुसार तमाम तैयारियां पूरी की जा रही हैं। उन्होंने नाव, पॉलिथीन शीट, राहत सामग्री, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन

पैकेट्स/फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, अनुदान का भुगतान आदि के बारे में जानकारी दी। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने विभाग की तैयारियां बताईं। बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, मंगल पांडेय, रेणु देवी, नितिन नवीन, संतोष कुमार सुमन, विजय कुमार मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार व डॉ.एस. सिद्धार्थ, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, डीजीपी विनय कुमार, ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार व कुमार रवि आदि भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के खास निर्देश

- जिलों के प्रभारी मंत्री व सचिव जिलों के हालात जानें, इस अनुसार काम करें
- जून के पहले हफ्ते तक समस्याओं का आकलन व समाधान का काम हो
- क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हो
- बांध की सुरक्षा की तैयारी रहे
- इलाज व पेयजल का इंतजाम रहे किसानों को सहायता देने की तैयारी पूरी हो
- राहत के पर्याप्त इंतजाम हों
- आपदा प्रबंधन विभाग तैयारियों की लगातार मॉनीटरिंग करे
- डीएम व अफसर क्षेत्र में जाकर स्थिति का आकलन करें
- लोगों से बात कर समस्याओं का समाधान करें

राजगीर में 24 मई से मोरारी बापू की रामकथा

कथा स्थल पर 1500 श्रद्धालुओं की बैठने की व्यवस्था

वातानुकूलित वातावरण में होगा कार्यक्रम

नालंदा, एजेंसी। राजगीर एक बार फिर धार्मिक गतिविधियों के केंद्र में आने वाला है। 24 मई से 1 जून तक राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (आरआईसीसी) में विश्वप्रसिद्ध कथावाचक पूज्य मोरारी बापू की श्रीराम कथा का आयोजन होने जा रहा है। इस आध्यात्मिक महाकुंभ की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आरआईसीसी में श्रीराम कथा का आयोजन शांत और वातानुकूलित वातावरण में किया जाएगा। कथा स्थल पर 1300 श्रद्धालुओं की बैठने की व्यवस्था पहले से ही मौजूद है, जिसमें अतिरिक्त 200 कुर्सियां और लगाई जा सकती हैं। इस प्रकार, लगभग 1500 श्रोता एक साथ मोरारी बापू के मुखारविंद से निकलने वाली श्रीराम कथा का आनंद ले सकेंगे। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि मोरारी बापू की रामकथा महज एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जागृति है जो समाज को प्रेम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि बापू की कथा में राम के जीवन से जुड़े ऐसे प्रसंगों पर विशेष जोर दिया जाता है, जो आज के समय में भी प्रासंगिक हैं और मानव मात्र के लिए अनुकरणीय है।

भोजन की भी रहेगी व्यवस्था

श्रीराम कथा के दौरान उपस्थित होने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की जा रही है। आरआईसीसी के निकट स्थित स्टेट गेस्ट हाउस के मैदान में आम श्रद्धालुओं और विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग-अलग भोजन पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। इन पंडालों में एक साथ एक हजार से अधिक लोगों के भोजन की व्यवस्था होगी। भोजन व्यवस्था के प्रभारी ने बताया कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रत्येक श्रद्धालु को बिना किसी असुविधा के सात्विक और स्वादिष्ट भोजन मिले। विशेष रूप से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्थानीय व्यंजनों का विशेष इंतजाम किया जा रहा है। साथ ही सभी को स्वच्छ पेयजल और आरामदायक बैठने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

नालंदा में 62 परियोजनाओं का शिलान्यास: सभी 14 नगर निकायों में बुनियादी ढांचे होंगे दुरुस्त

सबसे अधिक 25 योजनाएं बिहारशरीफ में स्वीकृत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में सीएम नीतीश कुमार ने नालंदा में शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड की ओर से कार्यान्वित मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत 62 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। योजना के तहत नालंदा जिले के सभी 14 नगर निकायों में विभिन्न प्रकार की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें सड़क निर्माण, नाला निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण और स्ट्रीट लाइट लगाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से स्थानीय नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा, बरसाती पानी की उचित निकासी और सार्वजनिक स्थलों पर उन्नत बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी।

सबसे अधिक 25 परियोजनाएं बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र में स्वीकृत की गई हैं, जिनमें मीरदाद प्राथमिक विद्यालय से पुलिया तक नाला व पथ निर्माण, सोहसराय स्थित सूर्य मंदिर के सामने पंचाने नदी की शाखा पर इंद्रधनुषी पुल का निर्माण और वार्ड संख्या-16 अम्बेर स्थित संगत पर नागरिक सुविधा केंद्र का निर्माण व सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

राजगीर का पर्यटन विकास

राजगीर नगर परिषद अंतर्गत 8 योजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिनमें पर्यटन के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। बिहारशरीफ-राजगीर फोरलेन से गांधी आश्रम होते हुए निचली बाजार मुख्य पथ तक सड़क और नाला का निर्माण, वार्ड संख्या-09 क्षुनकीया बाबा तालाब और वार्ड संख्या-07 पंडितपुर तालाब का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण इनमें प्रमुख हैं।

अन्य नगर निकायों में विकास कार्य

इस्लामपुर नगर परिषद में 3, हिलसा नगर परिषद में 3, सिलाव नगर पंचायत में 3, नालंदा नगर पंचायत में 2, एकंगरसराय नगर पंचायत में 1, परवलपुर नगर पंचायत में 1, हरनौत नगर पंचायत में 3, चंडी नगर पंचायत में 2, रहुई नगर पंचायत में 4, अस्थावां नगर पंचायत में 2, सरमेरा नगर पंचायत में 1, पावापुरी नगर पंचायत में 2 और गिरियक नगर पंचायत में 2 महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

जल निकासी और यातायात सुविधाओं पर विशेष जोर
स्वीकृत परियोजनाओं में सबसे अधिक जोर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने और यातायात सुविधाओं के विकास पर दिया गया है। इनमें से अधिकांश परियोजनाएं नालों के निर्माण और सड़कों के निर्माण या सुधार से संबंधित हैं। इससे बरसात के मौसम में जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।

योजनाओं में स्थानीय समुदायों की जरूरतों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। बिहारशरीफ के वार्ड संख्या-03 में सामुदायिक भवन का निर्माण, अम्बेर में नागरिक सुविधा केंद्र का निर्माण और हरनौत में हाई स्कूल स्टेडियम के विकास जैसी परियोजनाएं इसका उदाहरण हैं।

भारतीय सैनिकों के सम्मान में तिरंगा शोभा यात्रा आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,केरेडारी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर अभियान की सफलता को लेकर बुधवार को केरेडारी के लोगों ने देश के सैनिकों के सम्मान में तिरंगा शोभायात्रा निकाला गया। यह शोभा यात्रा केरेडारी चौक से लेकर केरेडारी बेल चौक होते हुए बंगला बाजार टांड तक संपन्न किया गया यात्रा के दौरान सभी लोगों ने हाथों में तिरंगा लिए जमकर नारे लगाए भारत माता की जय। साथ में देशभक्ति का भी नारे लगाए और केरेडारी मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि कर्मचारी साव एवं आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा ने कहा कि हमारे सैनिक बल दुनिया में सबसे मजबूत है उन्होंने साबित कर दिया। कोई भी भारत में दुश्मन आंख दिखाएगा तो हम घर में घुसकर जवाब देंगे। आज हम अपने घर में सुरक्षित रहे। यह राष्ट्रीय स्वाभिमान और देशभक्ति का प्रतीक है।

मौके पर केरेडारी मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि कर्मचारी साव, भाजपा महामंत्री नरेश महतो, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाल गोविंद सोनी, महेंद्र सिंह , पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष नारायण यादव, प्रखंड उपाध्यक्ष प्रयाग महतो,आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, सचिव मोहन कुमार, कंचन यादव, भाजपा अनुसूचित जनजाति मंडल अध्यक्ष बहादुर राम,चरित्र कुमार महतो, आशेश्वर यादव

आजसू युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष जागेशवर कुमार सह मीडिया प्रभारी एवं एनडीए कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी समस्त सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

रानीक मोड़ में समर कैंप की धूम 20 से 25 मई तक बच्चों के लिए रचनात्मक कार्यक्रमों की रहेगी भरमार

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के हुनर को मंच देने की अनूठी पहल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चौपारण (हजारीबाग)। रानीक मोड़ क्षेत्र में इस बार गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए खास बन गई हैं। 20 मई से 25 मई तक आयोजित समर कैंप में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों की झड़ी लगाई गई है।गर्मी की छुट्टियाँ 19 मई से 14 जून तक घोषित की गई हैं, और 16 जून से स्कूलों में पुनः पठन-पाठन आरंभ होगा। इसी दौरान रानीक मोड़ स्थित संस्थान द्वारा बच्चों की रचनात्मकता, शारीरिक क्षमता और आत्मविश्वास को निखारने के लिए विशेष समर कैंप का आयोजन किया गया है।प्रतिदिन विशेष थीम पर होंगे कार्यक्रम इस कैंप को हर दिन एक नई थीम के साथ सजाया गया है, ताकि बच्चों को अलग-अलग क्षेत्रों में भागीदारी और सीखने का अवसर मिल सके॰20 मई॰ चित्रकला प्रतियोगिता और जनरल नॉलेज क्विज ङ्क बच्चों ने रंगों और बुद्धिमत्ता से मोहित किया।21 मई॰ आर्ट एंड क्राफ्ट ङ्क रचनात्मकता की उड़ान, बच्चों ने बेकार वस्तुओं से बनाए सुंदर सजावटी सामान।22 मई॰ खेलकूद प्रतियोगिता और वृक्षारोपण ङ्क पर्यावरण और फिटनेस का संदेश।23 मई॰ फैंसी ड्रेस, ड्रामा और नृत्य कार्यक्रम ङ्क बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

24 मई॰ योग सत्र और रेन डांस ङ्क स्वास्थ्य और मस्ती का संगम।25 मई॰ फाइनल प्रोग्राम और पुरस्कार वितरण ङ्क शाम 5 बजे से 8 बजे तक भव्य समापन समारोह का आयोजन होगा

समय-सारणी॰

20 से 24 मई तक सभी गतिविधियाँ प्रातः 7॰30 बजे से 10॰00 बजे तक आयोजित हो रही हैं, जबकि 25 मई को समापन समारोह संध्या 5॰00 बजे से रात्रि 8॰00 बजे तक संपन्न होगा।अभिभावकों ने की सराहना, बच्चों में उत्साह चरम पर,कैंप में भाग लेने वाले बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। उनके अभिभावक भी इस पहल की सराहना कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजन बच्चों को पढ़ाई के अलावा जीवन कौशल सीखने का भी मौका देते हैं। समर कैंप बना बच्चों की गर्मी की छुट्टियों का सबसे यादगार हिस्सा।

विद्या विकास समिति के जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा को जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पहुंचाने का कार्य सराहनीयः संतोष कुमार गंगवार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा आचार्य प्रशिक्षण केंद्र, कुदलुंग, नगड़ी, रांची में आयोजित जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय चिंतन, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का यह प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 387 आचार्यों की उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि आपके कार्यों के बारे में पहले भी सुना था व समझता था, किन्तु आज प्रत्यक्ष रूप से देखकर अत्यन्त हर्ष हुआ।

राज्यपाल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं

दीं तथा महिला आचार्याओं की उपस्थिति को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है तो पूरा समाज शिक्षित होता है और यहां का दृश्य जनजातीय समाज में शिक्षा की गहरी जड़ें और महिलाओं की अग्रणी भूमिका का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि विद्या विकास समिति के अंतर्गत झारखंड में 213 औपचारिक विद्यालय और 209 सरस्वती संस्कार केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा सुलभ कराया जा रहा है, नगर की उपेक्षित बस्तियों में संस्कारयुक्त निःशुल्क शिक्षा भी प्रदान की जा रही है, यह अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने इसे सशक्त सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि जनजातीय समाज के शिक्षित युवक-युवतियां अपने गांव और समाज के बच्चों को न केवल अक्षर और अंक ज्ञान, बल्कि उससे भी अधिक महत्वपूर्ण संस्कारों की शिक्षा दे रहे हैं। राज्य के 264 प्रखंडों से आए आचार्यों की सहभागिता को उन्होंने राष्ट्रीय चेतना के जागरण के रूप में रेखांकित किया।उन्होंने प्रधानमंत्री का जनजातीय समाज के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना में झारखंड को प्रमुखता दी जा रही है।

राज्यपाल ने 'विद्या भारती' की उस संकल्पना की सराहना की जिसमें यह स्पष्ट उद्देश्य है कि ÷कोई भी मूल्यपरक शिक्षा से वंचित न रहे।÷ उन्होंने आचार्यगणों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केवल शिक्षक नहीं, बल्कि संस्कारों के संवाहक बनें। उन्होंने कहा कि ÷अपने लिए तो सभी जीते हैं, परंतु जो दूसरों के लिए जीते हैं, वही वास्तव में जीते हैं। समाज ऐसे लोगों को सदैव स्मरण रखता है जो अपने जीवन को समाज के उत्थान हेतु समर्पित करते हैं।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रासंगिकता आज सबके सामने स्पष्ट हो रही है। यह समय की आवश्यकता थी और इसके प्रभाव दूरगामी होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि राज भवन का द्वार सदैव सभी के लिए खुला है। वे राज्य की प्रगति हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। यदि कोई भी व्यक्ति राज्य के विकास के लिए कोई सुझाव देना चाहता है, तो उनका स्वागत है।

प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर राज्यपाल का भव्य स्वागत किया गया। वहीं, स्कूली छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्या भारती/विद्या विकास समिति के रामअवतार नरसरिया, नकुल शर्मा, डॉ.बृजेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

अंचल अधिकारी ने फिर चलाया इटखोरी बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान

नियम संगत होगी निरंतर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध करवाई - अंचल अधिकारी इटखोरी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,इटखोरी(चतरा)। इटखोरी बाजार में फिर एक बार अंचल अधिकारी श्रीमति सविता देवी ने अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चलाया । इस दौरान जेसीबी मशीन से दुकानदारों का एस्बेस्टस सीट कबाड़ा गया। अंचल अधिकारी के इस कार्रवाई से दुकानदारों में आक्रोश का भाव देखा गया। इस कार्रवाई के दौरान अंचल कर्मियों व दुकानदारों में हल्की नोक झोंक भी हुई। आक्रोशित लोगों का कहना था कि अतिक्रमण मुक्त करने में भेद भाव किया जा रहा है। वही अंचलाधिकारी श्रीमति सविता सिंह ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की यह करवाई बिना किसी भेदभाव के नियम संगत पूर्वक की जा रही रही है। कोई भेद भाव नही हो रहा है और न ही होगा। इस दौरान कई दुकानदारों को भी चेतावनी दी गयी कि अविलम्ब अपना एस्बेस्टस सीट हटा लें नही तो जेसीबी मशीन लगाकर अतिक्रमित स्थल के निर्माण को तोड़ा जाएगा। अंचल अधिकारी की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में दहशत का भाव देखा गया।

चतरा पुलिस ने तस्करी के लिए ले जायी जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद की

- **पिकअप वाहन से बिहार ले जाई जा रही अवैध शराब की 22 पेटियां जब्त**
- **एक तस्कर गिरफ्तार**
- **पुलिस को देख भागने के क्रम में बैरिकेटिंग और कार से टकराई थी पिकअप**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हंटरगंज(चतरा)। हंटरगंज थाना पुलिस ने बुधवार को अवैध शराब तस्करों पर कार्रवाई की है। जिसमें एक पिकअप वाहन में भरकर बिहार में खपाने ले जाई जा रही 22 पेटी अवैध शराब को हंटरगंज पुलिस ने जब्त की है। इस शराब को ले जा रहे एक तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसके खिलाफ हंटरगंज थाना कांड संख्या 89/25 धारा 281/324 (4) 274/275 बीएनएस एवं उत्पाद अधिनियम एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत चतरा भेज दिया है। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मंगलवार रात्रि चतरा पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय को गुप्त सुचना मिली थी कि एक बोलेरो पिकअप वाहन में अवैध अंग्रेजी शराब चतरा के रास्ते से बिहार लेकर जाने वाला है। प्राप्त सुचना के आलोक में एसडीपीओ संदीप सुमन के द्वारा एक टीम का गठन किया गया। जिसमें थाना प्रभारी प्रभात कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक राजदेव पाण्डेय एवं सशस्त्र बल के द्वारा चतरा - डोभी मुख्य पथ बारहगावां मोड़ के समीप वाहन चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के दौरान सुबह चतरा की ओर से बोलेरों पिकअप वाहन संख्या बीआर 03जी ए 9337 को आता देख पुलिस के द्वारा रोकने का इशारा किया गया परंतु पुलिस को देखकर वाहन तेजी से भगाने के क्रम में पुलिस बैरिकेटिंग और बारहगांवा की ओर से आ रही एक कार से जा टकराई। जिससे बोलरो पिकअप वाहन का गति धीमी हो गई, इधर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चालक को धर दबोचा। पकड़े गए वाहन चालक से तेजी से भगाने का कारण पूछे जाने पर चालक ने बताया गया कि वाहन में अंग्रेजी शराब है इसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में पुलिस को वाहन से 22 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब, प्रत्येक कार्टून में 750एमएल का 264 पिस बोतल पाया गया । इसके बाद ही पुलिस ने चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। वही अवैध शराब और पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त रामगढ़ जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पानी टंकी रेफर साइड इमलीगाछी निवासी युगल यादव का 22 वर्षीय पुत्र मंजीत कुमार है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चतरा न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

छापेमारी में शामिल पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मी-इस छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक राजदेव पाण्डेय, आरक्षी 219 चरकू कुमार यादव, आरक्षी 946 उपेंद्र कुमार समेत जिला बल के जवान शामिल थे।

चौपारण में चुनावी सफलता के सूत्रधार बने कर्मियों को किया गया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। बरही विधानसभा चुनाव 2024 की निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न प्रक्रिया में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रखंड के चुनाव कर्मियों को बुधवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह चौपारण प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभा कक्ष में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी ने की।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों व गणमान्य लोगों ने सभी चुनाव कर्मियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें लोकतंत्र की सफलता के पीछे की असली शक्ति बताया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा, ÷आप सभी कर्मियों ने जिस तरह प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, वह वास्तव में सराहनीय है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाए रखने में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।÷उन्होंने आगे कहा कि चौपारण प्रखंड, बरही विधानसभा क्षेत्र का एक संवेदनशील हिस्सा

माना जाता है, जहां कई क्षेत्र दुर्गम और दूरस्थ हैं। इसके बावजूद सभी कर्मियों ने कठिन परिस्थितियों में भी सजगता और साहस के साथ मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों में भी शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान कराना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सभी ने पूरी ईमानदारी, निर्भीकता और सामूहिक समन्वय से यह जिम्मेदारी निभाई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि प्रखंड प्रशासन कर्मियों की समस्याओं और आवश्यकताओं के प्रति पूर्णतः संवेदनशील रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷आप सभी ने जिस टीम भावना और अनुशासन के साथ काम किया, वह दूसरों के लिए प्रेरणा है। यह लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने वाला कार्य है। प्रखंड सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सतीश सिंह सहित कई अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन बिराज रविदास द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी ने व्यक्त किया।कार्यक्रम के समापन पर सभी आमंत्रितों एवं कर्मियों के लिए भोज की भी विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

जिला कांग्रेस कार्यलय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री स्वश् राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के अध्यक्षता में देश के पूर्व प्रधानमंत्री व आधुनिक भारत के निर्माता स्वश् राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। जिला अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के फोटो पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश को पूर्व प्रधानमंत्री स्वश् राजीव गांधी ने एक दिशा दिया है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत को एक दिशा देने का कार्य किया तो ग्राम पंचायत को सक्षम ओर विकास के क्षेत्र में आगे लाने के लिए पंचायती राज का गठन किया। शिक्षा के क्षेत्र में कई अहम बदलाव कर प्रगति की ओर ले गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER. MINOR IRRIGATION DIVISION, RANCHI

e-Procurement Tender Notice Two Envelope System

Tender Reference No:- WRD/MID/01 BD(SLI) /2025-26

Letter no- Date-

1	Name of Work:	Construction of Silagai Lift Irrigation Scheme (Solar Pannel System) at Village-Silagain, Block- Chanho, District- Ranchi.
2	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 1,26,36,400.00
3	Cost of tender document (Rs)	Rs. 10,000.00 only (non-refundable).
4	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs. 1,26,500.00 only.
5	Time of Completion	11 Months
6	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in(As per SOP Issued by Information Technology & e- Governance Department,Govt of Jharkhand vide letter no 120 Dated 03.10.2023)
7	Date of Publicationof Tender on website (http://jharkhandtenders.gov.in)	Date: 12.06.2025 Time: 2.00 PM
8	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date:18.06.2025 Time: 5.00 PM
9	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:-12.06.2025 Time:- 2.00 PM Last Date:- 18.06.2025 Time:- 5.00 PM
10	Technical Bid Opening Date	Date: 19 .06 .202 5 Time: 2.00 PM
11	Officer Inviting Bids	Executive Engineer Minor Irrigation Division, Ranchi
12	Contact No. of Procurement Officer e-mail of Procurement Officer	0651- 3512781/Email ID - eemidran - cemr - jhr@nic.in
13	Help line No. of Procurement Cell	0651- 3512781

Note:-
➢BOQ amount may be increase or decrease accordingly earnest money required, Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empaneled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC/DC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
➢Only e-Tender will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Ranchi

PR 353106 (Minor Irrigation)25-26*D

एफजेसीसीआई की आईटी उप समिति द्वारा एआई पर कार्यशाला आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आईटी उप समिति द्वारा बुधवार को चैंबर भवन में एआई पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. संतोष कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता व्यापार में एआई का उपयोग, ऑटोमेशन, कंटेट निर्माण और प्रोडक्टिवीटी बढ़ाने के तरीकों पर गहन जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को नवीनतम एआई तकनीकों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कैसे एआई व्यापार को सुव्यवस्थित करने, उत्पादकता बढाने और इनोवेशन को गति देने में सहायक हो सकता है। कार्यशाला में मुख्य रूप से व्यवसाय संचालन में वृद्धि, बिना डिजाईन कौशल के एनिमेशन बनाने, टेक्स्ट को शानदार वीडियो में बदलने, परियोजनाओं और विचारों को आसानी से प्रबंधित करने,

व्यवसाय, कंटेंट, मार्केटिंग और ऑटोमेशन के लिए नवीनतम एआई टूल्स पर अपने विचार साझा किये।

आईटी उप समिति के चेयरमेन मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन व्यापार और उद्योग जगत में एआई जागरूकता बढाने और नवीनतम तकनीकों को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यशाला में पूर्व सांसद (राज्यसभा) महेश पोद्दार की उपस्थिति ने कार्यशाला को विशेष गरिमा प्रदान की। उन्होंने आईटी कमिटी के इन प्रयासों की सराहना करते हुए अधिकाधिक संख्या में लोगों को एआई के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में काफी संख्या में व्यापारियों और विद्यार्थियों की भागीदारी रही। चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा और कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कार्यशाला में अपना निबंधन कर, अपनी भागीदारी सुनिश्चित की जिससे यह स्पष्ट हुआ कि एआई का व्यापार जगत में कितना महत्वपूर्ण प्रभाव है। चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि एआई आज हर क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। ये तकनीक प्रक्रियाओं को तेज व सटीक बनाती है। धोखाधडी से बचाव में भी मददगार है। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि चिकित्सा, व्यवसाय, शिक्षा या हमारे रोजमर्रा के जीवन में एआई अभिन्न अंग बनता जा रहा है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए चेंबर द्वारा ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन राज्य के प्रत्येक प्रमंडलों में कराने का प्रयास किया जायेगा।

कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि एआई एक उपयोगी तकनीक जरूर है, लेकिन यह कभी भी एक्कुअल इंटेलिजेंस की जगह नहीं ले सकता। आज के समय में हमें तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है लेकिन यह भी ध्यान रखना है कि तकनीक को अंधाधुंध अपनाने से हम अपनी मौलिक सोच, रचनात्मकता और विवेक को खो सकते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि एआई को सहयोगी मानें, संचालक नहीं। कार्यशाला में चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य शैलेष अग्रवाल, पूर्व सांसद (राज्यसभा) महेश पोद्दार, आईटी उप समिति चेयरमेन मनोज कुमार मिश्रा, सदस्य प्रकाश हेतमसरिया निलेट से सचिन द्विवेदी के अलावा प्रतिभागियों में अमित कुमार, प्रभात कुमार, सुभम सिन्हा, स्वाती बरनवाल, सुमित कच्छप, रिया तयाल, आदर्श हेंब्रम, स्नेहा चक्रवर्ती, अंजली शर्मा, दीपक कुमार, प्रतीक मोदी, कनक, अभय आनंद के अलावा कई विद्यार्थी भी उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

संपादकीय

सैनिक मोर्चे के बाद अब कूटनीतिक वार

पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सच दुनिया के सामने उजागर करने के मकसद से सरकार ने संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख देशों की यात्रा पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है। इसके लिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधि प्रमुख देशों के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाने का प्रयास करेंगे। हालांकि पाकिस्तान की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देश उसे आतंकवाद का गढ़ मानते हैं। विश्व आतंकवाद की ताजा सूची में भी उसे शीर्ष पर रखा गया है। फिर भी भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष में कुछ देश उसके साथ खड़े नजर आए।यह तब है, जब भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद को समाप्त करने के मकसद से चलाया गया। इसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश कर दिए गए कि हवाई हमले में भारत ने केवल उन नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जहां आतंकी शिविर चल रहे थे। दुनिया के तमाम देश आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध का समर्थन करते हैं, फिर भी पाकिस्तानी दहशतगर्दों के खिलाफ भारत के अभियान पर कुछ देशों ने अपने स्वार्थ ऊपर रखे। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को पूरी दुनिया से अलग-थलग करने का यही कारगर तरीका हो सकता है कि जमीन पर तो उसकी आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब दिया ही जाए, सारे विश्व को बताया-दिखाया जाए कि वह किस तरह दहशतगर्दों को पालता-पोसता रहा है। भारत के पास इसके पुख्ता सबूत हैं। हवाई हमले में मारे गए एक दहशतगर्द के जनाजे में जब वहां की सेना के अधिकारी और राजनेता शरीक हुए, तो वे तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखीं। फिर भी ऐसे दस्तावेज जब भारतीय संसद के प्रतिनिधि खुद पेश करेंगे, तो उसका असर कई गुना बढ़ जाएगा। सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन हमेशा अपनी वीटो शक्ति का उपयोग कर पाकिस्तान को बचाता रहता है। अमेरिका भी पाकिस्तान की हकीकत से वाकिफ है। विश्व व्यापार संगठन की इमारत पर हमला और फिर उस हमले के सरगना ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में छिपे होने का तथ्य उसी का उजागर किया हुआ है। इसके बावजूद अमेरिका का रुख पाकिस्तान की तरफ नरमी का ही देखा जा रहा है। ऐसे में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के जरिए पाकिस्तान के रवैये का सच दुनिया को बताना कारगर साबित हो सकता है। यह भी अच्छी बात है कि इस मौके पर सभी राजनीतिक दलों ने सकारात्मक रुख दिखाया और सहयोग किया है। सरकार के इस फैसले पर सभी दलों ने उत्साह दिखाया है। हालांकि प्रतिनिधियों के चुनाव को लेकर कुछ राजनीतिक हलचलें दिखीं, पर अच्छी बात है कि इसे किसी दल ने तूल नहीं दिया है और सहयोग का ही रुख अपनाए रखा है। इससे दुनिया भर में सकारात्मक संदेश जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का विश्व राजनीति में विशेष महत्त्व होता है। जब ये प्रतिनिधिमंडल निर्धारित देशों में जाएंगे और पाकिस्तान प्रायोजित दहशतगर्दी के तथ्य पेश करेंगे, तो उसका दस्तावेजी और कूटनीतिक महत्त्व होगा। निस्संदेह इस पर वे देश पाकिस्तान के बारे में नए ढंग से सोचने का प्रयास कर सकते हैं। इसके बाद जब भी विश्व बिरादरी में पाकिस्तान को लेकर कोई प्रस्ताव पेश होगा, तो यह पहल प्रभावकारी साबित होगी।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि थरूर की सहानुभूति से केरल भाजपा और चिदंबरम की दरियादिली से तमिलनाडु भाजपा को आशातीत बढ़त मिल सकती है। क्योंकि कांग्रेस के जो वफादार पुराने प्रहरी हैं उनमें से चिदंबरम-थरूर का नाम राजनीतिक हलकों में बड़ी ही साफगोई पूर्वक लिया जाता है। इसके एक नहीं, बल्कि सैकड़ों वजहें हैं। आखिर तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जमाने से ही चिदंबरम कांग्रेस का झंडा मजबूती से पकड़े हुए हैं। हालांकि कई बार उनके बयानों में भी कांग्रेस को कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ जाता है।

क्या कद्दावर कांग्रेसी नेता चिदंबरम और थरूर की परिवर्तित सियासी निष्ठा से भाजपा बनेगी अजेय?

(कमलेश पांडे)

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि थरूर की सहानुभूति से केरल भाजपा और चिदंबरम की दरियादिली से तमिलनाडु भाजपा को आशातीत बढ़त मिल सकती है। क्योंकि कांग्रेस के जो वफादार पुराने प्रहरी हैं उनमें से चिदंबरम-थरूर का नाम राजनीतिक हलकों में बड़ी ही साफगोई पूर्वक लिया जाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा भले ही अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने में असमंजस के दौर से गुजर रही हो, लेकिन भारत राष्ट्र के प्रति उसके समर्पण का ही यह तकाजा है कि अब वह अजेय पार्टी बनने जा रही है, खासकर आम चुनाव 2029 में! और यदि ऐसा हुआ तो फिर भाजपा को हराना भारतीय विपक्षी पार्टियों और उनके तथाकथित इण्डिया गठबंधन के लिए बेहद मुश्किल हो जायेगा। दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि दिग्गज कांग्रेस रणनीतिकार रहे पी चिदंबरम ने खुद कहा है। इसलिए सियासी हल्के में यह सवाल उठाया जा रहा कि क्या एक और कांग्रेस दिग्गज भी एक अन्य कांग्रेस दिग्गज शशि थरूर की राह पर चल रहे हैं, जो पहले से ही कांग्रेस लाइन से बे-लाइन चल रहे थे। क्योंकि उनके बयानों से तो यही जाहिर होता है कि वे कांग्रेस के वरिष्ठ राजनेता नहीं बल्कि बीजेपी के वरिष्ठ राजनेता हैं। ऐसा इसलिए कि अब चिदंबरम ने भी कुछ शशि थरूर जैसे ही बयान देने शुरू कर दिए हैं!

ऐसे में सवाल है कि कांग्रेस नेताओं के लिए यह महज संयोग है या फिर वैचारिक भूलभुलैय्या वाला कोई अभिनव प्रयोग! समझा जाता है कि सत्ता जाने के बाद बड़े नेताओं द्वारा इधर उधर गुंजाइश तलाशना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन जब गाँधी परिवार के विश्वासपात्र नेता ही ऐसा करने लगें तो राहुल-प्रियंका गाँधी का चिंतित होना स्वाभाविक है, जबकि वे दोनों बेफिक्र लग रहे हैं और इन बडबोले नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस में हो रहे पीढ़ी परिवर्तन से ये नेता अनफिट घोषित किए जा चुके हैं, इसलिए वो अपने-अपने बयानों से भाजपा को पटाने में जुटे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि थरूर की सहानुभूति से केरल भाजपा और चिदंबरम की दरियादिली से तमिलनाडु भाजपा को आशातीत बढ़त मिल सकती है। क्योंकि कांग्रेस के जो वफादार पुराने प्रहरी हैं उनमें से चिदंबरम-थरूर का नाम राजनीतिक हलकों में बड़ी ही साफगोई पूर्वक लिया जाता है। इसके एक नहीं, बल्कि सैकड़ों वजहें हैं। आखिर तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जमाने से ही चिदंबरम कांग्रेस का झंडा मजबूती से पकड़े हुए हैं। हालाँकि कई बार उनके बयानों में भी कांग्रेस को कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ जाता है। वो भी बिलकुल वैसे ही कुछ करते हुए दिखाई दे जाते हैं, जैसे शशि थरूर करते रहते हैं। हालाँकि कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं की फितरत भी यही रहती है, लेकिन वो उतने बड़े और प्रभावी नहीं हैं, जितने कि ये दोनों।

अब ताजा मामला ही देखिए कि चिदम्बरम ने पाकिस्तान वाले ऑपरेशन सिंदूर के मसले पर भारत सरकार की पहले ही तारीफ की थी और अब इंडिया गठबंधन को भी जो सही आइना दिखाते हुए खरी खोटी सुना दी है, उसके अपने सियासी मायने हैं जिन्हें भुनाने में भाजपा और इसका राजग गठबंधन कतई पीछे नहीं रहेगी। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सांसद चिदंबरम सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब 'कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट' के विमोचन अवसर पर बोल रहे थे। इस किताब में, सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय यादव ने पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस

के पुनरुद्धार के प्रयासों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया है कि कैसे कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा और विपक्षी दलों के साथ मिलकर इंडिया ब्लॉक का गठन किया, जिससे भारत में लोकतंत्र को बचाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक से जुड़े कुछ मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए।

वहीं, इसी ऐन मौके पर चिदंबरम ने भी इंडिया गठबंधन को आईना दिखा दिया और साफ-साफ कह दिया कि ऐसा नहीं लगता कि इंडिया गठबंधन अब भी पूरी तरह से एकजुट है। यह लगभग बिखरता हुआ दिखाई देता है और इसका भविष्य उज्ज्वल नहीं दिखता। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इंडिया ब्लॉक का भविष्य उतना उज्जवल नहीं है, जैसा कि मृत्युंजय यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। इसका उत्तर केवल सलमान खुर्शीद ही दे सकते हैं, क्योंकि वे इंडिया ब्लॉक के लिए वार्ता करने वाली टीम का हिस्सा थे। ऐसे में अगर गठबंधन पूरी तरह बरकरार रहता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन आए दिन उजागर होने वाली कमजोरियों से पता चलता है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि गठबंधन अभी भी बच सकता है। अभी भी समय है। वहीं, चतुर सियासी खिलाड़ी रहे चिदंबरम ने आखिरी में यह उम्मीद भी जता दी कि इंडिया गठबंधन का अब भी जोड़ा जा सकता है। अगर समय रहते इस पार काम हुआ तो कुछ हो सकता है।

समझा जा रहा है कि यह राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर तो सवाल है ही, कांग्रेस के सहयोगी दलों के नेताओं की निष्ठा पर उससे भी बड़ा सवाल पैदा कर जाता है। इसलिए यह शब्द सुनकर शायद ही कांग्रेस आलाकमान और इस गठबंधन में मौजूद पार्टियों को अच्छा लगेगा। बता दें कि इससे पहले भी चिदंबरम ने एक अंग्रेजी दैनिक में अपने एक लेख में पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा और कहा कि सरकार ने सीमित सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनकर एक बड़ा युद्ध टाल दिया। भारत ने जो कार्रवाई की वो बेहद सीमित और सुनियोजित थी, जिसका उद्देश्य आतंकी संगठनों की बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। वहीं उन्होंने इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समझदारी भरा कदम बताया है।

यही वजह है कि उनके इस परिवर्तित दृष्टिकोण ने कांग्रेस आलाकमान को सकते में डाल दिया है। कहने का तात्पर्य यह कि चिदंबरम ने महज एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार कांग्रेस की कोर टीम को अपने बयानों से बेचैन कर दिया है। लिहाजा राजनीतिक जानकार उनके बयान को बड़ी ही करीबी से देख रहे हैं, क्योंकि इससे पहले कांग्रेस के बड़े नेताओं में शशि थरूर ऐसा करते हुए पाए गए हैं। जो लंबे समय से पीएम मोदी के अंदाज के मुरीद रहे हैं। इसलिए अब देखना यह होगा कि चिदंबरम के बयानों के मायने क्या निकलकर आते हैं! हालाँकि फ़िलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्योंकि चिदंबरम कई बार अपने बयानों से चौंकाते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया है7 ऐसा करके वो शायद अपने बेटे के लिए कोई बड़ी जिम्मेदारी चाहते हों। तमिलनाडु भाजपा को अभी ऐसे ही नेताओं के नेटवर्क की जरूरत भी है, ताकि दक्षिण भारत में भाजपा की पैर जमे!

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम का भाजपा को लेकर यह कहना कि विपक्षी गठबंधन एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने भाजपा को लेकर भी विपक्षी गठबंधन को चेतावनी दी और साफगोई पूर्वक कहा कि विपक्षी गठबंधन एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है, जिसे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे अनुभव और इतिहास के मेरे अध्ययन में, भाजपा जितनी मजबूत संगठित कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रही है। यह सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक मशीनरी की तरह है, और इस मशीन के पीछे एक और मशीन है, जो चुनाव आयोग से लेकर देश के सबसे निचले पुलिस स्टेशन तक को नियंत्रित करती है और कभी-कभी उन पर कब्जा करने में सक्षम है। यह एक दुर्जेय मशीनरी है।

केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने कहा कि चुनाव परिणामों ने दिखाया है कि कोई भी भारत में चुनावों को कमजोर नहीं कर सकता, जो अभी भी एक चुनावी लोकतंत्र है। आप भारत में चुनावों में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आप उनमें छेड़छाड़ कर सकते हैं, लेकिन आप चुनावों से बच नहीं सकते। आप ऐसे चुनाव नहीं कर सकते जहां सत्ताधारी पार्टी 98 फीसदी वोट ले जाए। भारत में ऐसा संभव नहीं है। इसलिए कांग्रेस नेता चिदंबरम ने चेताया कि अगर 2029 का आम चुनाव भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से चला गया, तो फिर शायद लोकतंत्र को बचाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। इसलिए 2029 के चुनाव महत्वपूर्ण हैं और हमें पूर्ण लोकतंत्र में वापस लाना चाहिए।

वहीं दिलचस्प बात तो यह भी है कि एक अन्य कांग्रेसी दिग्गज सलमान खुर्शीद ने चिदंबरम की बात पर सहमति जताई और स्पष्ट कहा कि हमें 2029 में एक बहुत बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा। इस बात पर विचार करना होगा कि गठबंधन के सहयोगियों को कैसे एक साथ लाया जाए। अगर विपक्षी दलों को चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करना है, तो उन्हें बड़े पैमाने पर सोचना होगा। केवल यह सोचने से बात नहीं बनेगी कि कौनसी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी और नतीजे आने के बाद क्या होगा। अगर हम ऐसा करते हैं तो हम देश में चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करने से चूक जाएंगे।

भाजपा के लिए यह शुभ घड़ी है कि अब विपक्षी नेता ही उसकी रणनीति को सराह रहे हैं। ऐसे में पार्टी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब तो उसके नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन से ही पता चलेगा कि आत्ममुग्ध भाजपा का भविष्य का दांव-प्रतिदाव कैसा और कितना सार्थक होगा। शायद इसलिए कद्दावर कांग्रेसी नेता पी. चिदंबरम और शशि थरूर की परिवर्तित सियासी निष्ठा से भाजपा के अजेय होने की चर्चा जोर पकड़ चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उसकी जनसाख भी बढ़ी है। मिशन 2029 में वह अभी से जुट गई है। जबकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 और उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कथित इंडिया गठबंधन भाजपा नीत एनडीए को टक्कर दे पाएगा या नहीं! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीत के साये में उपजे सवाल

(शशि शेखर)।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद सीमावर्ती इलाकों में अमन की वापसी हो चुकी है। यही वह वक्त है, जब हमें जीत के जोश और जज्बे के पीछे दुबकी परछाइयों पर ध्यान देना होगा। इनके सीने में गौरतलब सवाल कसमसा रहे हैं।

भारतीय इतिहास के हाशियों में दर्ज पुरागाथाएं गवाह हैं कि उनकी शताब्दियों तक अनदेखी की गई। ईसा पूर्व 326 से 1962 तक विदेशी आक्रमणकारी इसीलिए हमारे जान-माल की कीमत पर जीत का जश्न मनाते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति के आलोक में हमें अब पराक्रम और सामरिक सफलता के फर्क को सदा-सर्वदा के लिए मिटाने की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं?

याद करें। वर्ष 1971 में हमने पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटने में सफलता अर्जित की। इस महाविजय के 28 साल बाद भारत ने नया कीर्तिमान रचा। इस बार कारगिल की प्राणलेवा ऊंचाइयों पर पाक फौज को परास्त कर पर्वतीय युद्ध के नए कौशल ने दुनिया को अचरज में डाल दिया था। इसके बावजूद न दहशतगर्द रुके और न दहशत। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये नए सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। अब हर आतंकवादी हमला युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और हम कार्रवाई करते वक्त किसी परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेंगे। भारत-पाकिस्तान के जन्मजात रिश्तों में यह अहम मुकाम है।

यहां अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समूचा देश नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा था, तब कुछ विघ्न संतोषी बाज नहीं आ रहे थे। अपनी बात समझाने के लिए एक पुराने अनुभव का हवाला देना चाहूंगा।

वह ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा दिन था। अपने प्रांतीय संपादकों से रोजमर्रा की कामकाजी चर्चा के दौरान मैंने उन्हें सलाह दी कि वे हर स्टेशन पर पता करें कि जिन ट्रेनों में हमारे फौजी सीमा की ओर कूच कर रहे हैं, उनके प्रति आम आदमी की भावना क्या है, मगर इसकी नौबत नहीं आई। साथियों का जवाब था कि अब अगर विशेष ट्रेनें चल भी रही हैं, तो उन्हें सिर्फ जरूरत पड़ने पर स्टेशन पर रोका जाता है। उस समय किसी सामान्य व्यक्ति का उस प्लेटफॉर्म पर प्रवेश वर्जित होता है। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा और अभियान की गोपनीयता के लिए किया जा रहा है।

मेरी स्मृतियों में 1965 और 1971 का जंगी माहौल समूचे रोमांच के साथ सरसब्ज हो उठा। उन दिनों मेरे माता-पिता मिर्जापुर या इलाहाबाद के स्टेशनों पर बड़ी मात्रा में भोजन और पानी लेकर पहुंचते। हम उसे कृतज्ञतापूर्वक जवानों को सौंप खुद को धन्य महसूस करते। सैकड़ों लोग वहां उमड़ पड़ते थे। मैंने महिलाओं को उन जवानों को राखी बांधते और रो-रोकर दुआएं देते देखा है। मेरे पिता घर छोड़ने से पहले हर बार ताकीद करते, हाथ जोड़कर प्रणाम बोलना और जोर से 'जय हिंद' कहना मत भूलना। स्टेशन और उसके आस-पास उस समय गर्जना थिरक रही होती, आगे-आगे तुम बढ़ो, पीछे तुम्हारे साथ हैं।

वह कोरी भावुकता नहीं थी। देशवासियों का वह जज्बा हमारे पराक्रमियों को पराजय के ऐतिहासिक सिलसिले से बाहर निकालने के लिए प्रेरित कर रहा था। आज क्या हाल है?

क्या यह बदले वक्त का तकाजा है कि हमारी खोखली भावुकता अब सिर्फ की-बोर्ड पर थिरकती उंगलियों तक सीमित रह गई है?? सोशल मीडिया पर बजबजाते हुए तमाम भारतवंशी भूल जाते हैं कि हमारे कुछ हमवतन उनके शब्दबाणों से आहत हो रहे हैं। खुद को सेलिब्रिटी मानने और संविधान की शपथ लेकर मंत्री पद तक पहुंचने वाले भी इस उन्माद के शिकार हैं।

कुछ शर्मनाक उदाहरण – संघर्ष के 'सस्पेंस' भरे दिनों में कर्नल सोफिया कुरैशी प्रतिदिन सैन्य कार्रवाई की जानकारी दिया करती थीं। यह मोदी सरकार का समझदारी भरा फैसला था। इसके जरिये समूची दुनिया को संदेश जा रहा था कि भारत के 140 करोड़ लोग मुट्ठी बांधे एक साथ खड़े हैं। इसी दौरान मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह का लिजलिजा बयान मीडिया में उभरा। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी की थी। उनकी इस हरकत से न केवल देश आहत हुआ, बल्कि यह आशंका भी उत्पन्न हो गई कि भारत के दुश्मन इसका नाजायज उपयोग कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के आला नेतृत्व के हस्तक्षेप से उन्हें क्षमा मांगनी पड़ी, लेकिन उनका करा-धरा यहीं समाप्त नहीं हुआ। जबलपुर उच्च न्यायालय ने स्वत~संज्ञान लेते हुए उनके ऊपर मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया। इंदौर पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। देश की आला अदालत ने भी उनकी लानत-मलामत की है।

इसी तरह, खुद को राष्ट्रभक्तों का अगुआ बताकर सीना ठोकने वाले एक अवकाश प्राप्त मेजर साहब की करतूत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें रक्षात्मक बनने के लिए विवश कर गई। उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री के महत्वपूर्ण भारतीय दौरे के अवसर पर उनके लिए एक ऐसा शब्द कह डाला, जो अनुचित और अनैतिक था। ईरान ने इसका तत्काल संज्ञान लिया, लेकिन भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए मामले को बिगड़ने से बचा लिया।

और तो और, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी सोशल मीडिया के इन आततायियों के शिकार हुए। वह ऐसे अधिकारी हैं, जिन पर देश की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायम रखने की जिम्मेदारी है। खुद को देशभक्त बताने वाले लोग खुल्लमखुल्ला उनको सपरिवार लांछित कर रहे थे। पहलगाम के नरमेध में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल भी इस वैचारिक बर्बरता की शिकार बनीं। उन्होंने सिर्फ यही तो कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, मुसलमानों से नहीं। उस समय तक हिमांशी का दुख और हाथों की मेंहदी ताजा थी। दुर्भाग्य से सोफिया कुरैशी, विक्रम मिसरी और हिमांशी नरवाल जैसे हजारों हमवतन इस नफरती फौज के शिकार बने।

अब एक बार फिर सीमाओं की ओर लौटते हैं। पाकिस्तान ने इस दौरान कई ऐसे हथियारों का प्रयोग किया, जो चीन में बने थे। उनकी सफलता के दावे यकीनन अतिरंजित हैं, लेकिन तमाम प्रतिरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन द्वारा उपलब्ध कराया गया साजो-सामान नई चुनौती खड़ी करता है। वह भी तब, जब चीन अगली पीढ़ी की जंगी सामग्री पाक को देने की तैयारी कर रहा है। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के साथ खुल्लमखुल्ला खड़े होकर उसने हमारे देश की सामरिक संवेदनशीलता को और बढ़ा दिया है। पूर्वोत्तर सीमा पर उसके सैनिक हैं और पश्चिमी सीमा पर उसके हथियार। दोनों देशों के बीच संघर्ष-विराम के ऐन बाद यह खबर भी आई कि उसने अरुणाचल प्रदेश के कई गांवों, कस्बों और शहरों के नाम बदल दिए हैं। बीजिंग का सत्ता-सदन 2017 से ऐसी अनाधिकार हरकतें करता आया है, पर भारत-पाक तनाव के बीच ऐसा करने की जरूरत क्या थी?

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था।

(ललित गर्ग)

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इस स्कॉलरशिप के जरिए लड़कियों को मिलेंगे 1 लाख रुपये

भारत में कई सारी स्कॉलरशिप का विकल्प मिलता है। ऐसे में अगर आप भी स्कॉलरशिप के जरिए पढ़ाई करना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंफोसिस फाउंडेशन के जरिए आसानी से स्कॉलरशिप ले सकते हैं। ऐसे में यह बैचलर कर रही लड़कियों को मौका दिया गया है।

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

इंफोसिस फाउंडेशन ने इंफोसिस फाउंडेशन स्टेम स्टार्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है जिसका जरिए ग्रेजुएशन के पहले वर्ष की लड़कियों को आर्थिक सहायता मिल सकता है। इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के जरिए फाउंडेशन उन छात्राओं की मदद करना चाहती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक हैं। इस पहल से छात्राओं को न केवल शिक्षा का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके करियर के विकास में भी मदद मिलेगी।

किसको मिलेगा यह लाभ

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप उन छात्रों को दिया जाएगा जिसके घर के इंकम 8 लाख से कम है। ऐसे में यह स्कॉलरशिप देने से पहले छात्रों का एजुकेशनल क्वालिफिकेशन के साथ ही उनका एक इंटरव्यू भी होगा। इस इंटरव्यू के आधार पर यह तय किया जाएगा कि छात्र को स्कॉलरशिप मिलना चाहिए या नही।
किन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

प्रमाण-पत्र
जेईई/ सीईटी/नीट का स्कोरकार्ड
इनकम सर्टिफिकेट

कैसे बनें फायर सेफ्टी इंजीनियर

अगर आप बैचलर डिग्री के बजाय डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, तो फायर इंजीनियरिंग या फायर सेफ्टी में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। डिप्लोमा के बाद, आप बैचलर कोर्स में लेटरल एंट्री से प्रवेश ले सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर एक ऐसा पेशा है, जिसमें आप आग लगने की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए काम करते हैं। यह एक बहुत ही जरूरी और चुनौती भरा काम है। अगर आप भी फायर सेफ्टी इंजीनियर बनना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए इन योग्यताओं का होना जरूरी है

- 12वीं कक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री, या गणित विषयों में पास होना
- फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष परीक्षा पास करना
- फायर टेक्नोलॉजी और सेफ्टी इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस परीक्षा पास करना।
- शारीरिक योग्यता का होना। पुरुषों की लंबाई कम से कम 165 सेंटीमीटर और वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए। महिलाओं की लंबाई कम से कम 157 सेंटीमीटर और वजन 46 किलोग्राम होना चाहिए। आंखों की नजर दोनों आंखों में 6/6 होनी चाहिए। उम्र 19 साल से ज्यादा होनी चाहिए।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के फायदे

- फायर सेफ्टी इंजीनियरों को अच्छा वेतन मिलता है।
- आप लोगों की जान और माल बचाने में योगदान दे सकते हैं।
- इस क्षेत्र में करियर ग्रोथ के बहुत सारे अवसर हैं।
- आप समाज में एक सम्मानित व्यक्ति बन सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए ये भी कर सकते हैं

कॉलेज में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा लेना। इससे आपको प्रशिक्षु इंजीनियर के तौर पर नौकरी मिलने में मदद मिल सकती है। आईटीआई फायर और सेफ्टीकोर्स करना। यह कोर्स दो साल का होता है और इसमें चार सेमेस्टर होते हैं। चार सेमेस्टर में से एक सेमेस्टर में लाइव वातावरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण होता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करनी होगी। फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, कई तरह के कोर्स कराए जा सकते हैं

बैचलर ऑफ साइंस

इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग में फायर और सेफ्टी में तीन साल का बीएससी कोर्स कराया जाता है। इसमें 15 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 60,000 रुपये है।

बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर में अग्नि इंजीनियरिंग में बीई कोर्स कराया जाता है। इसमें 60 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 96,000 रुपये है। यह कोर्स चार साल का होता है। यह कोर्स 3-4 साल का होता है और इसमें फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, फायर प्रिवेंशन, इमरजेंसी मैनेजमेंट, और रेस्क्यू टेक्निक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, बारहवीं कक्षा पास करने के बाद फायर और सेफ्टी प्रबंधन में डिप्लोमा किया जा सकता है। यह कोर्स 1-2 साल का होता है और इसे पूरा करने के बाद आप असिस्टेंट फायर ऑफिसर या टेक्निशियन के रूप में नौकरी शुरू कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर कहां काम कर सकते हैं

आप सरकारी विभागों जैसे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, डिफेंस, और रेलवे में फायर सेफ्टी इंजीनियर के रूप में नौकरी पा सकते हैं। या फिर आप प्राइवेट सेक्टर में फायर सेफ्टी कंसल्टेंट, फायर इंजीनियर, सेफ्टी मैनेजर या डिजास्टर मैनेजमेंट के पदों पर काम कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए लाइसेंस

कुछ देशों में, फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको लाइसेंस प्राप्त करना होगा। आप स्थानीय अधिकारियों से लाइसेंस पा सकते हैं।

सीए और सीएफए में क्या होता है अंतर

सीए और सीएफए दोनों फाइनेंस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर हैं। आइए इन प्वाइंट्स में समझते हैं।

सीए (Chartered Accountant) और सीएफए (Chartered Financial Analyst) दोनों ही हाई लेवल की प्रोफेशनल डिग्री हैं, लेकिन ये अलग-अलग एरिया में विशेषज्ञता देती हैं। यहां 7 प्रमुख बिंदुओं में दोनों के बीच का अंतर समझाया गया है। आइए इससे पहले जानते हैं कि क्या सीए और सीएफए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) दोनों फाइनेंस से जुड़े पेशे हैं।

सीए

सीए, जिन्हें सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट भी कहा जाता है, अकाउंटेंसी फर्मों या उससे जुड़ी कंपनियों के लिए काम करते हैं। वे फाइनेंस के कई क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे कि ऑडिटिंग, टैक्सेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, और मैनेजमेंट कंस्लटिंग। सीए की जिम्मेदारियों में कर दाखिल करना और फाइनेंशियल स्टेटमेंट का ऑडिट करना भी शामिल हो सकता है। भारत में, सीए एक लोकप्रिय विकल्प है, खासकर उन लोगों के लिए जो अकाउंट्स और टैक्सेशन में रुचि रखते हैं।

सीएफए

सीएफए कोर्स, सीएफए संस्थान द्वारा ग्लोबल लेवल पर चलाया जाता है। यह कोर्स खास तौर से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट और मनी मैनेजमेंट एनालिसिस पर केंद्रित है। सीएफए प्रोग्राम का मकसद, इन्वेस्ट और मैनेजमेंट में काम के लिए जरूरी ज्ञान और विशेषज्ञता देना है। सीएफए चार्टरहोल्डर के पास निवेश विश्लेषण में विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के कौशल होते हैं। भारत में, सीएफए पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं, खासकर एमएनसी और स्टार्टअप्स में अगर आपको फाइनेंस के बारे में जुनून है, तो सीएफए आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। भारत में, सीए और सीएफए दोनों की ही बहुत मांग है। निगमों, निवेश फर्मों, बैंकों, और दूसरे संगठनों में वरिष्ठ वित्तीय भूमिकाओं के लिए अक्सर सीए और सीएफए दोनों वाले पेशेवरों की मांग होती है। सीए और सीएफए दोनों वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूर योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर है
सीए कोर्स के लिए आपकी 12वीं पास होना अनिवार्य है, तो वहीं सीएफए प्रोग्राम के लिए ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया सीए कोर्स करवाती है, तो वहीं ष्टस्न प्रोग्राम सीएफए इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा करवाया जाता है।

कोर्स की अवधि

सीए कोर्स की अवधि 4.5 साल है, जिसमें 3 साल की ट्रेनिंग शामिल है, जबकि सीएफए कोर्स की अवधि 3-4 साल है, जिसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।

फीस

सीए कोर्स की फीस 1-2 लाख रुपये है, जबकि सीएफए कोर्स की फीस 2-2.5 लाख रुपये है।
सीए और सीएफए कोर्स का दायरा सीए कोर्स भारतीय अकाउंट सिस्टम, टैक्सेशन और कंपनी कानूनों पर केंद्रित है, जबकि सीएफए एक वैश्विक योग्यता है, जो निवेश प्रबंधन में माहिर है।

कैरियर के अवसर

सीए कोर्स के बाद आप अकाउंटेंट, ऑडिटर या फाइनेंस मैनेजर बन सकते हैं, जबकि सीएफए कोर्स के बाद आप निवेश बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर या फाइनेंशियल एनालिस्ट बन सकते हैं।

सीए और सीएफए में चुनौती का स्तर

- दोनों कोर्स चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन सीएफए कोर्स को थोड़ा अधिक कठिन माना जाता है, क्योंकि इसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।
- सीए और सीएफए के लिए योग्यता
- सीए कोर्स के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए और सीएफए कोर्स के लिए आपको ग्रेजुएट होना चाहिए।
- सीए और सीएफए में वैश्विक मान्यता
- सीएफए कोर्स को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जबकि सीए कोर्स को मुख्य रूप से भारत में मान्यता प्राप्त है।

छोटे निवेश के शुरू कर सकते हैं पापड़ उद्योग

अगर छोटे निवेश के साथ आप अपना कोई काम शुरू करना चाहती हैं तो आपको पापड़ उद्योग पर गौर करना चाहिए। आइए जानें, इस उद्योग से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।
अगर आप घर बैठे और कम निवेश में कोई कारोबार शुरू करना चाहती हैं तो आप पापड़ उद्योग के बारे में सोच सकती हैं। अगर आप में काबिलियत है तो घर से शुरु हुए पापड़ के छोटे से कारोबार को आप सफलता के शिखर पर पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी पृष्ठभूमि गांव है और आप कम पढ़ी-लिखी हैं तब भी इस उद्योग को शुरू करने में आपको कोई परेशानी नहीं होगी। लगभग सभी घरों में पापड़ का इस्तेमाल स्नेक्स के रूप में किया जाता है इसलिए मार्किट में इसकी काफी मांग है। पापड़ की मांग देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस उद्योग में संभावनाएं अपार हैं।

वैसे पापड़ उद्योग के इतिहास की बात करें तो यह काफी पुराना है। हमारे देश में यह व्यवसाय महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के मकसद से किया जा रहा है। इस व्यवसाय से ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हुई हैं। यह व्यवसाय जरूरतमंद महिलाओं को कमाई का जरिया प्रदान करता है। इससे जुड़ी महिलाएं अच्छा मुनाफा भी कमा रही हैं। तो चलिए जानते हैं इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको क्या करना होगा।
पापड़ का इस्तेमाल भारत के अलावा एशिया के कई देशो में भी किया जाता है। भारत अन्य देशो में पापड़ निर्यात करता है लेकिन हमारे देश में ही पापड़ की आपूर्ति सही तरीके से नहीं पाती है। अगर इस लिहाज से देखा जाए तो इस बिजनस (हाउस वाइफ से कैसे बनें बिज़नेस वुमेन) का फ्यूचर बहुत अच्छा है। वैसे तो कुछ कंपनियों के पापड़ हर राज्य में मिल जाते हैं लेकिन हमारे देश में लगभग साठ फीसदी पापड़ की आपूर्ति लोकल पापड़ उद्योगों द्वारा ही किया जाता है।
पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए क्या करें- अगर आपके पास पैसे की कमी है तो आप बैंक से लोन भी ले सकती हैं। इस उद्योग के लिए बैंक कम दर पर लोन देती है। इसके अलावा आप कई महिलाओं को साथ जोड़कर स्वयंसेवी संस्था के रूप में भी काम कर सकती हैं, जैसा की लिज्जत पापड़ (लिज्जत पापड़ से लें प्रेरणा) कर रहा है। ऐसी संस्थाओं को भारत सरकार सहायता प्रदान करती है।

लाइसेंस लेना जरूरी

किसी भी फूड आइटम वाले बिजनस को शुरू करने के लिए आपको लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। खाद्य पदार्थों से जुड़ा व्यवसाय होने के कारण इसे BIS (Bureau of Indian Standards) के तय मानकों पर खरा उतरना होगा। पापड़ उद्योग में आपको BIS, FSSAI जैसे लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, Business Entities रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। अगर आप अपने उद्योग में 20 से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती हैं तो आपको Compliance EPF, ESIC पर भी ध्यान देना होगा।

जगह का रखें ध्यान

पापड़ उद्योग चलाने के लिए आपको लगभग साठ से अस्सी वर्गमीटर जगह की जरूरत पड़ती है, जिसमे पापड़ (पापड़ खाने की आदत अच्छी है या बुरी) बनाने से लेकर सुखाने और पैक करने तक का काम होगा। अगर आप ड्रायर मशीन द्वारा पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको कम जगह यानी चालीस वर्गमीटर की ही जरूरत होगी।

कच्चे माल की जानकारी

वैसे तो पापड़ कई तरह से बनाए जाते है लेकिन आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले मटेरियल हैं- दाल, मिर्च या मसाले, तेल, सोडियम बाई कार्बोनेट, हिंग, पिसी हुई काली मिर्च इत्यादि।
पापड़ उद्योग के लिए जरूरी मशीन-

- ग्राइंडिंग मशीन
- मिक्सर मशीन
- पापड़ प्रेस मशीन
- ड्राईंग मशीन
- पेकिंग मशीन

अगर आप धूप में पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको ड्राईंग मशीन की जरुरत नहीं पड़ेगी। वहीं, अगर हाथ से पेकिंग करना चाहती हैं तो पेकिंग मशीन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए लागत

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए आपको कम से कम एक लाख रूपयों की जरूरत होगी। लेकिन यह काफी हद तक आपके बजट पर निर्भर करता है कि आप इस पर कितना खर्च करना चाहती हैं। क्योंकि पापड़ बनाने की मशीने दस हजार से लेकर दस लाख तक की आती हैं।

कमाई कितनी

कमाई भी आपके बजट पर निर्भर करती है, अगर आप ज्यादा पैसे खर्च करती हैं तो आप ज्यादा मुनाफा कमा सकती हैं। वहीं, कम निवेश करने पर कमाई भी कम होगी। वैसे हमेशा ऐसा हो यह जरूरी नहीं, ऐसा भी हो सकता है कि कम निवेश पर भी आपकी अच्छी कमाई हो। यह सारी बातें मार्किट पर आपकी पकड़ पर निर्भर है। लेकिन पापड़ की क्वालिटी का हमेशा ध्यान रखें तभी आप मार्किट में पकड़ बना पाएंगी। वैसे आमतौर पर इसमें निवेश की गई पूंजी से दस से बीस प्रतिशत तक कमाई हो जा सकती है, मतलब अगर आप एक लाख रूपये खर्च करती हैं तो इससे आप लगभग बीस हजार रूपये कमा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बस में एक भारतीय ने दूसरे की हत्या की, आरोपी ने कहा- चाचा जैसा दिखता था, इसलिए मारा चाकू

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक दर्दनाक घटना में एक भारतीय युवक ने सार्वजनिक बस में सवार दूसरे भारतीय नागरिक अक्षय गुप्ता (30) की छुरा घोंपकर हत्या कर दी। ऑस्टिन पुलिस विभाग (एपीडी) के अनुसार, हत्या की घटना 14 मई की शाम को बस में सफर के दौरान हुई। चाकू हमले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने गुप्ता को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया। उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी दीपक कंडेल (31) ने बिना किसी उकसावे के अक्षय गुप्ता की गर्दन में छुरा घोंप दिया। कंडेल ने हमले के बाद शांति से बस से उतरकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कंडेल ने पुलिस को बताया कि उसने गुप्ता को इसलिए मारा क्योंकि वह उसके चाचा जैसा दिखता था। उस पर प्रथम दर्जे की हत्या का आरोप लगाया गया है।

संदिग्ध ड्रोन हमले में चार बच्चों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम में एक संदिग्ध ड्रोन हमले में चार बच्चों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके बाद हजारों लोगों ने न्याय की मांग के लिए बच्चों के शवों को मुख्य सड़क पर रखकर विरोध जताया। स्थानीय निवासियों ने कहा, मीर अली में हुए हमले के पीछे कौन था, अभी पता नहीं चला है। पाकिस्तानी तालिबान का गढ़ रहे इस क्षेत्र की घटना पर सेना ने चुप्पी साध रखी है। आदिवासी बुजुर्ग मुफ्ती बैतुल्लाह ने कहा, सरकार बताए कि हमारे बच्चों को किसने मारा।

जापान के कृषि मंत्री ने दिया इस्तीफा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कृषि मंत्री ने बुधवार को कहा कि उन्होंने चावल पर अपनी अनुचित टिप्पणी पर अपना इस्तीफा दे दिया है जिसने जनता को नाराज कर दिया है। ताकु इटो ने बताया कि प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। ईटीओ इस सप्ताह के शुरू में यह कहते हुए आग में आ गया कि उसे अपने समर्थकों के उपहारों के लिए चावल खरीदने के लिए कभी नहीं खरीदना पड़ा, एक समय में एक हंगामे को ट्रिगर किया जब उपभोक्ता चावल की कमी और आसमान छूने की कीमत से जूझ रहे थे।

टॉम फ्लैचर ने की ग़ाज़ा में मानवीय सहायता बहाली की मांग

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ़्लैचर ने युद्धग्रस्त फ़लस्तीनी क्षेत्र ग़ाज़ा में, मानवीय सहायता की आपूर्ति बहाल किए जाने की अपनी प्रबल मांग दोहराते हुए कहा है कि मानवतावादी एजेंसियाँ ग़ाज़ा पट्टी तक पहुँच की मांग करते हैं और वहाँ लोगों को जीवन रक्षक सहायता पहुँचाने के लिए पहले से ही एक योजना तैयार है। ध्यान रहे कि इसराइल ने ग़ाज़ा में प्रवेश के लिए तमाम सीमा चौकियों को 2 मार्च बन्द कर दिया था, जिसके बाद ग़ाज़ा में बिल्कुल भी मानवीय सहायता सामग्री दाख़िल नहीं हो सकी है और वहाँ की पूरी लगभग 21 लाख की आबादी अकाल के ख़तरे में है।टॉम फ़्लैचर ने शुक्रवार देर रात जारी एक वक्तव्य में कहा है, जैसा कि हमने इस वर्ष युद्धविराम के दौरान दिखाया है - और हर बार जब हमें पहुँच प्रदान की गई है, संयुक्त राष्ट्र और हमारे मानवीय भागीदारों के पास ग़ाज़ा में जीवन बचाने के लिए आवश्यक पैमाने पर सहायता प्रदान करने के लिए विशेषज्ञता, संकल्प और नैतिक स्पष्टता है।

आगे बढ़ने के लिए तैयारउन्होंने कहा कि सहायता सामग्री के वितरण के लिए वैकल्पिक तौर-तरीक़ों का प्रस्ताव करने वालों को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि एक योजना पहले से ही मौजूद है.यह दस्तावेज़ मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता और स्वतंत्रता के ग़ैर-परक्राम्य सिद्धान्तों पर आधारित है.इसके अलावा, इसे दानदाताओं के गठबन्धन के साथ-साथ, अधिकांश अन्तरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन प्राप्त है, और यदि मानवतावादियों को अपना काम करने की अनुमति दी जाती है, तो ये सक्रिय होने के लिए तैयार है. टॉम फ़्लैचर ने कहा, हमारे पास लोग मौजूद हैं. हमारे पास वितरण नैटवर्क है. हमारे पास ज़मीन पर समुदायों का भरोसा है. और हमारे पास सहायता सामग्री भी मौजूद है, भारी मात्रा में, जो अभी आपूर्ति किए जाने के लिए तैयार है.'चलें काम पर लगें'यूएन आपदा राहत समन्वयक टॉम फ़्लैचर ने दोहराते हुए कहा कि मानवतावादी समुदाय ने अतीत में भी ऐसा किया है और फिर से कर सकता है.हम जानते हैं कि हमारी सहायता सामग्री आपूर्ति को कैसे पंजीकृत, निरीक्षण, वाहनों में लादना, वाहनों से उतारना, फिर से निरीक्षण, फिर से लादना, परिवहन, भंडारण, लूट से सुरक्षित रखना।

पाकिस्तानी आतंकी आमिर हमजा के घायल होने का दावाः मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती

हाफिज सईद का करीबी है, भारत में हमले की साजिश रची थी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का को-फाउंडर आमिर हमजा एक हादसे में घायल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उसे उसे पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की सुरक्षा में लाहौर के एक मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक घर में हुए एक हादसे में उसे चोट लग गई थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए ले जाया गया। वहीं, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में यह दावा किया गया है कि आमिर हमजा पर हमला हुआ है और उसे गोली मारी गई है। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 2 दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह के मारे जाने की जानकारी आई थी।

लश्कर की पत्रिकाओं का संपादक था

आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक है। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एक्टिव रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था।

हमजा ने सोवियत के खिलाफ जंग लड़ी थी

हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकियों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। अमेरिका ने साल 2012 में हमजा को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हमजा को भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों से जोड़ा गया है। उसे जम्मू के सुंजवां में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया जाता है।

8 साल पहले संगठन से अलग हुआ था

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2018 में फंड की कमी की समस्या की वजह से लश्कर-ए-तैयबा में फूट पड़ गई थी। इसके बाद आमिर हमजा ने खुद को संगठन से अलग कर लिया था। उसने अपना नया संगठन बनाया था। इसका नाम जैश-ए-मनकफा रखा गया था।

आतंकवादी आमिर हमजा कौन है?

आतंकवादी आमिर हमजा पाकिस्तान के पंजाब के गुजरांवाला का रहने वाला है। वह लश्कर-ए-तैयबा का सह-संस्थापक है और हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। यह वही आतंकवादी है जो वर्षों से कश्मीर समेत पूरे भारत में आतंक फैला रहा है।

लश्कर में क्या था आमिर हमजा का काम?

लश्कर आतंकियों के लिए धन जुटाने की जिम्मेदारी आतंकी आमिर हमजा के कंधों पर है। हमजा लश्कर-ए-तैयबा की केंद्रीय समिति का सदस्य भी है। वह भारत में घुसपैठ, आतंकवादी वित्तपोषण जैसी गतिविधियों में शामिल रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के साथ मिलकर 1990 के दशक में लश्कर संगठन की नींव रखी थी। उन्होंने अक्सर अपने भाषणों में हिंसा को धार्मिक जिहाद बताया है। 2018 में उसने अपना खुद का आतंकी संगठन जैश-ए-मंक्फा बनाया। कहा जाता है कि लश्कर पर दबाव पड़ने के बाद उसने अपना आतंकी संगठन बना लिया। हाफिज सईद के साथ उनके मतभेद की भी खबरें थीं। वह आतंकवाद फैलाने के लिए लश्कर की तर्ज पर धन इकट्ठा करता था। कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क फैलाने में हमजा की प्रमुख भूमिका रही है।

आतंकवादी आमिर हमजा कैसे घायल हुआ?

अगर हमजा पर हमले की बात सच है तो यह पहली बार नहीं है जब किसी अज्ञात हमले में कोई आतंकवादी घायल हुआ हो। पाकिस्तान में आतंकवादियों को पहले भी अज्ञात हमलावरों द्वारा निशाना बनाया गया है। 18 मई को लश्कर के शीर्ष कमांडर सैफुल्लाह की एक अज्ञात बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। अब आमिर हमजा को निशाना बनाया गया है।

ओबामा के घर के पास हथियार समेत पकड़ा गया अमेरिकी सेना का पूर्व जवान दोषी करार, पहले ट्रंप से मिली थी माफी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पूर्व नौसेना अधिकारी टेलर टारेंटो को मंगलवार को अदालत ने हथियार रखने और सरकारी इमारत को उड़ाने की झूठी धमकी देने के मामले में दोषी करार दिया है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश कार्ल निकोल्स ने यह फैसला सुनाया। टारेंटो को जून 2023 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के घर के पास गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त उसकी वैन से दो बंदूकें, लगभग 500 गोलियां और एक लंबी छुरी बरामद की गई थी। टारेंटो के खिलाफ मुकदमा बिना जूरी के चला और इसका ट्रायल पिछले हफ्ते शुरू हुआ था। बता दें कि टारेंटो 2023 में टारेंटे की गिरफ्तारी के दिन डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ओबामा के घर का पता शेयर किया था। टारेंटो ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा था कि हमने इन हारे हुए लोगों को घेर लिया है। पोस्ट में उसने ये भी कहा कि नरक में मिलते हैं जॉन पोडेस्टा और ओबामा। साथ ही टारेंटो यूट्यूब पर लाइव वीडियो में कह रहा था कि वह भूमिगत सुरंगों के रास्ते ढूंढ रहा है और एक अच्छा शूटिंग एंगल लेना चाहता है। टारेंटो पर ओबामा या जॉन पोडेस्टा को धमकाने का मामला दर्ज नहीं हुआ, लेकिन उसे मैरीलैंड के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी (एनआईएसटी) को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देने का दोषी पाया गया। टारेंटो का दावा था कि वह सिर्फ मजाक कर रहा था और खुद को पत्रकार व कॉमेडियन मानता है। हालांकि न्यायाधीश निकोल्स ने कहा कि वीडियो में कही गई बातें कुछ लोगों को मजाक लग सकती हैं, लेकिन एक सामान्य व्यक्ति इसे गंभीर धमकी मान सकता है, खासकर जब वक्ता असंतुलित लग रहा हो। हालांकि जज ने अभी सजा का एलान नहीं किया है लेकिन टारेंटो के वकील ने उसे बेल पर रिहा करने की अपील की है। इस पर फैसला इस हफ्ते के अंत तक लिया जाएगा। टारेंटो करीब दो साल से जेल में है क्योंकि कोर्ट ने उसे समाज के लिए खतरनाक माना था। गौरतलब है कि टारेंटो उन कुछ लोगों में से है जिन्हें 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल हमले में शामिल होने के बाद ट्रंप की तरफ से माफी मिली थी। उस हमले के दौरान टारेंटो स्पीकर लॉबी के पास मौजूद था, जहां ऐशली बैबिट नामक एक दंगाई महिला को पुलिस ने गोली मारी थी।

कितने सेक्सुअल पार्टनर हैं? सिडनी में महिला मरीज से अश्लील सवाल पर भारतीय डॉक्टर को सजा

बेलिंग्टन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक डॉक्टर पर ऑस्ट्रेलिया में एक महिला मरीज से अश्लील सवाल पूछने और बिना सहमति के शारीरिक जांच करने के मामले में ऐक्शन हुआ है। न्यू साउथ वेल्स सिविल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव ट्राइब्यूनल ने उनका तीन साल के लिए प्रैक्टिस प्रतिबंधित कर दिया गया है। उधर, डॉक्टर ने खुद को बेकसूर बताते हुए 20 मिलियन डॉलर (करीब 110 करोड़ रुपए) मानहानि की याचिका दायर की है।

क्या है आरोप?: डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 में एक महिला पेट दर्द और पीरियड मिस होने की शिकायत लेकर सिडनी के मेरिलैंड्स में स्थित क्लिनिक गई थी, जहां डॉक्टर मोहनदास बालासिंघम ने उसका इलाज किया। महिला का आरोप है कि डॉक्टर ने उससे कई अश्लील सवाल पूछे। डॉक्टर ने पूछा- तुम्हारे कितने सेक्सुअल पार्टनर रहे हैं?, तुम पहली बार कब यौन रूप से सक्रिय हुईं? और तुम्हारे कितने बॉयफ्रेंड नेपाली थे और कितने ऑस्ट्रेलियाई?

महिला ने रोते-रोते सुनाई आपबीती: इसके अलावा, डॉक्टर पर आरोप है कि उन्होंने बिना महिला की स्पष्ट सहमति के शारीरिक जांच की। महिला ने क्लिनिक से बाहर निकलने के बाद अपने साथी के साथ रोते हुए इस घटना का जिक्र किया और दो दिन बाद हेल्थ केयर कंप्लेंट्स कमीशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

अमेरिका में अब ऑनलाइन अश्लील तस्वीरों को साझा करना होगा अवैध, ट्रंप ने टेक इट डाउन एक्ट पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन एजेंसी। ऑनलाइन अश्लील सामग्रियों पर अंकुश लगाने एवं बच्चों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के उद्देश्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक महत्वपूर्ण कानून टेक इट डाउन एक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह कानून अमेरिका के पहले नए संघीय कानूनों में से एक: यह कानून अमेरिका के पहले नए संघीय कानूनों में से एक है, जिसका उद्देश्य एआइ-जनित सामग्री से होने वाले संभावित नुकसान को दूर करना है क्योंकि यह तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है।

मेलानिया ट्रंप द्वारा समर्थित है यह कानून: अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप द्वारा समर्थित इस कानून को ऐतिहासिक माना जा रहा है। इसके तहत अब बिना सहमति के अश्लील तस्वीरें प्रसारित करना अवैध माना जाएगा।

48 घंटों के भीतर अश्लील वीडियो हटाना जरूरी होगा: सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कानून के अनुसार अगर कोई किसी को बिना उसकी सहमति के ऑनलाइन - रीयल अथवा एआइ जनित अश्लील तस्वीरें साझा करता है या ऑनलाइन पोस्ट करता है तो इसे

अवैध माना जाएगा तथा ऐसी तस्वीरों के बारे में अधिसूचित किए जाने के 48 घंटों के भीतर तकनीकी प्लेटफार्म को इन्हें हटाना जरूरी होगा।

हमें अपने बच्चों की सुरक्षा करनी चाहिए- व्हाइट हाउस: इस आशय के बाबत व्हाइट हाउस ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, आज रोज गार्डन में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने टेक इट डाउन एक्ट पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया - प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप द्वारा समर्थित एक ऐतिहासिक कानून। हमें अपने बच्चों की सुरक्षा करनी चाहिए!

मेलानिया ने भी अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, आज, टेक इट डाउन एक्ट के माध्यम से हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारे बच्चों की भलाई हमारे परिवारों और अमेरिका के भविष्य के लिए अति महत्वपूर्ण है। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि बी बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ बनो) के मूल्य देश के कानून में परिलक्षित होंगे।

अश्लील डीपफेक के मामले बढ़ रहे: गौरतलब है कि हाल के वर्षों में मशहूर पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट से लेकर एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज और देश भर की हाई स्कूल की लड़कियां भी गैर-सहमति वाले अश्लील डीपफेक की शिकार हुई हैं। अश्लील डीपफेक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके किसी व्यक्ति के चेहरे को नग्न शरीर पर के साथ जोड़ दिया जाता है। सीएनएन के अनुसार, इस कानून से जहां एक ओर पोर्न और गैर-सहमति वाले एआइ-जनरेटेड यौन चित्रों से पीड़ितों को राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर उन तकनीकी प्लेटफार्म के लिए जवाबदेही भी बढ़ेगी जहां इस तरह की सामग्री साझा की जाती है।

बच्चों की रीयल, एआइ-जनरेटेड तस्वीरों पर बैन: साथ ही, इस तरह की गतिविधियों के लिए मुकदमा भी चलाया जाएगा। पहले, संघीय कानून ने बच्चों की रीयल, एआइ-जनरेटेड तस्वीरों को बनाने या साझा करने पर रोक लगा दी थी। लेकिन, वयस्क पीड़ितों की सुरक्षा के लिए राय के अनुसार कानून अलग-अलग थे और पूरे देश में मौजूद नहीं थे।

टाइम पत्रिका की शीर्ष दानदाताओं की सूची में अंबानी दंपती शामिल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंबानी दंपती दुनिया के शीर्ष परोपकारियों में शामिल हैं। मंगलवार को जारी की गई परोपकार के क्षेत्र की 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक चेयरपर्सन नीता अंबानी, विप्रो के पूर्व चेयरमैन अजीम प्रेमजी और जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत के नाम हैं।

अंबानी दंपती ने 2024 में 407 करोड़ रुपये का दान दिया: टाइम पत्रिका के अनुसार यह सूची बयां करती है कि कैसे ये लोग उन जरूरतमंदों को मदद कर रहे हैं, जिन्हें मदद की सबसे अधिक जरूरत है।मुकेश अंबानी और नीता अंबानी की प्रशंसा करते हुए लिखा गया है कि दंपती ने लाखों भारतीयों के हित के लिए सामाजिक पहल में बढ़-चढ़ कर दान दिया है। अंबानी दंपती ने 2024 में 407 करोड़ रुपये का दान दिया।

रिलायंस फाउंडेशन ने लाखों विद्यार्थियों की मदद की: रिलायंस फाउंडेशन ने लाखों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए धन मुहैया कराया। महिलाओं के कौशल को निखारने के लिए मदद पहुंचाई। मुकेश और नीता अंबानी करोड़ों लोगों को सशक्त बना रहे हैं। टाइम पत्रिका ने कहा कि प्रेमजी भारत के सबसे परोपकारी लोगों में से एक हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थित सुधार के लिए दान दिया है। प्रेमजी गिविंग प्लेज यानी अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान देने की प्रतिबद्धता पर हस्ताक्षर करने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने 2013 में अपनी कंपनी विप्रो के 29 अरब डॉलर से अधिक के शेयर के साथ उस फाउंडेशन को दान कर दिया, जिसे उन्होंने लगभग 25 साल पहले शुरू किया था। टाइम ने कहा कि प्रेमजी 2023-2024 में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों से संबंधित 940 संगठनों को 109 मिलियन अमरीकी डॉलर दिए गए। इस सूची में जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत भी शामिल हैं, जो 2023 में 36 साल की उम्र में गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने।

विदेश मंत्री जयशंकर ने की डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन से मुलाकात, पीएम मोदी का दिया संदेश

कोपेनहेगन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं और भारत-डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, कोपेनहेगन में मेरा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन का धन्यवाद। मैंने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। आतंकवाद से लड़ने में डेनमार्क के समर्थन और एकजुटता के लिए आभार। हमारी ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने और सहयोग को विस्तार देने के लिए पीएम फ्रेडरिक्सन के मार्गदर्शन की सराहना करता हूं। यह मुलाकात मंगलवार शाम को हुई। इस साल के अंत में नॉर्वे में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से पहले की मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण रही। इस शिखर सम्मेलन में पहले पीएम मोदी के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करने आए हैं। बैठक के दौरान जयशंकर और फ्रेडरिक्सन ने आतंकवाद विरोधी सहयोग सहित आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

यूरोपीय यूनियन ने रूस पर फिर प्रतिबंध लगाए:200 रूसी कंपनियां बैन

पुतिन के यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल नहीं होने पर एक्शन

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने 20 मई को रूस पर नया प्रतिबंध लगा दिया है। ईयू की शीर्ष अधिकारी काजा कैलास ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर हमले नहीं रोके हैं। इस वजह से रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर और भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले 14 मई को ईयू डिप्लोमेट्स ने रूस के खिलाफ 17वें प्रतिबंध पैकेज पर सहमति जताई थी। इसमें रूस के शैडो फ्लीट (तेल टैंकरों के बेड़े) को निशाना बनाने की बात की गई थी। एक सीनियर ईयू अधिकारी ने मीडिया को बताया था कि रूस के लगभग 200 जहाज, 30 कंपनियां और रूसी मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स से जुड़े 75 व्यक्तियों और संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। ईयू ने पुतिन के यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल नहीं होने पर एक्शन लेने की धमकी दी थी।

रूसी प्रॉपर्टी जब्त करने का भी विचार कर रहे: मर्तज ने कहा- हम कानून के दायरे में रहते हुए रूसी संपत्तियों को जब्त करने पर भी विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा किया जा सकता है, तो हम करेंगे। हालांकि हमें यूरोपीय मार्केट पर इससे होने वाले असर को भी ध्यान रखना होगा। ईयू और जी7 देशों के पास रूस की करीब 300 अरब डॉलर की प्रॉपर्टी फ्रीज है। इसमें से रूसी सेंट्रल बैंक के 198 अरब डॉलर रिजर्व बेल्जियम में जमा हैं। यूरोपीय नेता रूसी प्रॉपर्टी को जब्त करने से हिचक रहे हैं, क्योंकि इससे यूरो और ईयू की बैंकिंग प्रणाली पर दूसरे देशों का भरोसा कम हो सकता है।

कल पुतिन और ट्रम्प ने फोन पर दो घंटे बात की: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार रात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और फिर उसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। रूस और यूक्रेन जंग पर ट्रम्प और पुतिन के बीच करीब 2 घंटे चर्चा हुई। पुतिन ने इस बातचीत को बहुत अच्छा बताया था। उन्होंने कहा कि अगर सही समझौते हो जाएं तो रूस-यूक्रेन में कुछ समय के लिए युद्धविराम मुमकिन है। रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक पुतिन ने कहा कि वे यूक्रेन के साथ शांति समझौते का मसौदा (ड्राफ्ट) बनाने के लिए तैयार हैं। संघर्ष की

असल वजह को खत्म करना होगा। वहीं जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच कुछ मिनट की ही बातचीत हुई, अभी तक इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

16 मई को तुर्किये में रूस-यूक्रेन ने बात की थी: तुर्किये के इस्तांबुल में 16 मई को रूस और यूक्रेन के बीच जंग रोकने को लेकर बातचीत हुई थी। बातचीत में दोनों देशों का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ, जिसकी मध्यस्थता तुर्किये के अधिकारियों ने की थी। यह बातचीत लगभग 2 घंटे से भी कम समय तक चली थी। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पुतिन के सहयोगी व्लादिमिर मेडिंस्की ने किया था। इसमें दोनों देशों में जंग रोकने को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। यूक्रेनी अधिकारी के मुताबिक बातचीत के लिए कम से कम अस्थायी सीजफायर की शर्त रखी गई थी, रूस ने इसे मानने से इनकार कर दिया था।

देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत

आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं होगी।

इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन खरीद- सरकारी खरीद में गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। चोपड़ा ने कहा कि जबकि सरकारी खरीद का लक्ष्य 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का रखा गया था। इसमें पंजाब में निजी कंपनियों और उत्तर प्रदेश से कम सरकारी खरीद के कारण तय लक्ष्य से कुछ कम रह गया है।

राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद

राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद हुई है। जबकि गेहूं उत्पादन वाले अन्य राज्यों से कोई खरीद नहीं हो पा रही है। सरकार ने गेहूं के लिए 2425 रुपये प्रति क्विंटल सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है, लेकिन बाजार में सभी राज्यों में यह काफी ऊपर चल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय मिसाइलों की बढ़ी डिमांड, उछलेगा डिफेंस एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जो अपनी ताकत दिखाई है, उससे हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट और अधिक बढ़ जाएगा। भारत में लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। केंद्र सरकार ने साल 2024-25 के लिए रक्षा बजट के लिए 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94

लाख करोड़ रुपये से 4.3 प्रतिशत अधिक है। भारत डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के प्रयास में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों से लेकर तोपखाने व बंदूकों तक विभिन्न प्रकार के हथियारों के अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है। यह विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली के प्रयास के हिस्से के रूप में आता है। भारत ने 2024-25 तक वार्षिक रक्षा निर्यात को 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

शुद्ध निर्यातक देश बनने की राह पर भारत- भारत रक्षा उपकरणों का शुद्ध निर्यातक देश बन जाने की राह पर अग्रसर हो चुका है। आज भारत से रक्षा उपकरण ले रहे देशों की सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्काडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं, जिन्हें भारत बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण भी

पाकिस्तान का कर दिया बुरा हाल, अब भारत से भी बाहर होगा चीनी माल!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए संघर्ष में चीन में बने सामान की गुणवत्ता एक बार फिर जगजाहिर हो गई है। पाकिस्तान ने इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर चीन के हथियारों और रक्षा साजोसामान का यूज किया लेकिन ये किसी काम के नहीं निकले। इसमें पाकिस्तान का साथ देने वाले चीन के खिलाफ भारत ने अब अपना रुख कड़ा कर दिया है। सरकार चीन से आने वाले छोटे घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने सुरक्षा नियमों को और सख्त कर दिया है।

हाल ही में पता चला था कि चीन से आने वाले कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण घटिया क्वालिटी के हैं। अब कुछ खास तरह के उपकरणों पर बीआईएस का मार्क होना जरूरी होगा। इनमें इलेक्ट्रिक रिक्लाइनर, फर्नीचर, व्हर्लपूल बाथ, स्पा, इलेक्ट्रिक टॉयलेट, कपड़े सुखाने की मशीन, तौलिया गरम करने वाले उपकरण और इलेक्ट्रिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स शामिल हैं। ये सभी उपकरण बिजली या बैटरी से चलते हैं।

कबसे लागू होगा आदेश

ईटी की एक खबर के मुताबिक चीन से आयात पर सख्ती का एक मकसद यह भी है कि सरकार देश में ही इन चीजों का उत्पादन बढ़ाना चाहती है। इससे घरेलू उद्योगों को फायदा होगा और उपभोक्ताओं को घटिया किस्म के सामान से बचाया जा सकेगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने इस बारे में 19 मई को एक आदेश जारी किया है। डीपीआईटी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आता है। यह आदेश 19 मार्च, 2026 से लागू होगा।

- **किन-किन पर होगी सख्ती-** उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चीफ इवेंजेलिस्ट सलिल कपूर ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे छोटे घरेलू उपकरणों के लिए भारत में ही उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह आत्मनिर्भर उपकरण उद्योग के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उपभोक्ताओं को भी बहुत फायदा होगा, क्योंकि छोटे उपकरणों की गुणवत्ता और स्पेसिफिकेशन्स तय हो जाएंगे। यह आज की जरूरत है। अभी तक लगभग 23 बिजली के उत्पादों को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर में शामिल किया गया है। इनमें मिक्सर ग्राइंडर, सीलिंग फैन, गीजर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन और इंडक्शन स्टोव जैसे उपकरण शामिल हैं। नए आदेश के अनुसार बड़ी कंपनियों को 19 मार्च 2026 से नियमों का पालन करना होगा। छोटी कंपनियों को 19 जून, 2026 से और सूक्ष्म उद्यमों को 19 सितंबर 2026 से इन नियमों का पालन करना होगा।
- **वोकल फॉर लोकल-** हालांकि सभी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा लेकिन सरकार ने कुछ उत्पादों की एक लिस्ट भी दी है। इस लिस्ट में इलेक्ट्रिक शेवर, हेयर क्लिपर, इलेक्ट्रिक फ्राइंग पैन, स्टीम कुकर, कीट नाशक, कॉफी मेकर, इलेक्ट्रिक कैन ओपनर, इलेक्ट्रिक सिट्रस फ्रूट स्क्वीजर, एगबीटर, आउटडोर बारबेक्यू, बैटरी से चलने वाले मसाजर, फुट वार्मर, हीटिंग पैड, टूथब्रश और शेवर शामिल हैं।

जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू एलमंड्स: बादाम की श्रेणी में नया इनोवेशन

भोपाल। पिछले कुछ सालों में लोग अपने आहार को लेकर काफी सावधान हो गए हैं। बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के बीच बादाम की श्रेणी में भी इनोवेशन हो रहा है। नए लॉन्च किए गए बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स की लोकप्रियता ग्राहकों के बीच बढ़ रही है क्योंकि ये स्नैक्स का एक माइंडफुल विकल्प हैं। बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स में पेस्टिसाईड के अवशेष प्रति किलोग्राम 0.01 मिलीग्राम से कम या 0.01 पीपीएम हैं, जो एक स्वतंत्र यूरोपियन लैब द्वारा प्रमाणित मानक है। ग्राहक इसकी पुष्टि पैक पर दिए गए एक क्यूआर कोड को स्कैन करके कर सकते हैं। बैच नंबर डालने पर उन्हें सर्टिफिकेट मिल जाता है। बोर्जेस इंडिया ने भारत में ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए जैडपीआर एलमंड्स बाजार में उतारे हैं। स्वच्छ और पोषक आहार की बढ़ती मांग के साथ बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में स्नैक का अद्वितीय विकल्प प्रदान करके इस मांग को पूरा कर सकते हैं। ये बादाम स्पेनिश ओरिजिन के है और अपनी नेचुरल मिठास के लिए विख्यात है। साथ ही ये बादाम हल्के भुने हुए और कुरकुरे हैं और इनका स्वाद बहुत ही अच्छा है।

बोर्जेस ऐसे उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्राहकों के लिए उपयोगी हों, ऐसे उत्पाद, जो क्वालिटी, स्वास्थ्य और सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता देते हों। जैडपीआर एलमंड्स सहित बोर्जेस के सभी उत्पाद लोगों को अपने दैनिक जीवन में ज्यादा समझदार और सेहतमंद विकल्प चुनने में मदद करने के लिए बनाए गए हैं। बोर्जेस के उत्पाद स्वच्छ, पोषक और सर्वोच्च क्वालिटी के हैं, जो विश्व में सेहतमंद और सुविधाजनक आहार की मांग को पूरा करते हैं।

बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स इतने लोकप्रिय क्यों हैं, इसका कारण है कि ये एलमंड्स माइंडफुल स्नैकिंग और स्वस्थ जीवनशैली के लिए उत्तम हैं। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स अपने भरपूर पोषण के लिए मशहूर हैं। ये ग्लूटेन-फ्री हैं, इनमें फाईबर भरपूर मात्रा में हैं और ये प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। ये कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस-फैट फ्री हैं। इसलिए ये दिन में किसी भी वक्त खाने के लिए एक स्वस्थ आहार हैं। जैडपीआर एलमंड्स की बढ़ती मांग प्राकृतिक और स्वच्छ उत्पादों की ओर ग्राहकों का झुकाव प्रदर्शित करती है। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में पूरी पारदर्शिता और विश्वास के साथ उपलब्ध हैं। उत्पाद की विश्वसनीयता जाँचने के लिए ग्राहक पैक के पीछे दिया गया क्यूआर कोड स्कैन करके जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू के लिए सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं। स्नैकिंग के ज्यादा विकल्प प्रदान करने के लिए बोर्जेस द्वारा जैडपीआर एलमंड बाजार में दो वैरिएंट में पेश किए गए हैं।

धोखाधड़ी रोकने के लिए बहुत जल्द हर बैंक का होगा अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत जल्द ही हर बैंक को अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर देने की मंजूरी दे सकता है, जिसमें इनकमिंग कॉल की सुविधा भी शामिल होगी। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए बैंकों के कॉल और मैसेज को पहचानना आसान बनाना और धोखाधड़ी रोकना है। बैंकिंग उद्योग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बैंकों ने सरकार के सामने 1600×× सीरीज में प्रत्येक के लिए एक अलग नंबर का प्रस्ताव रखा है। इस पर जल्द ही अमल होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने कहा, प्रत्येक बैंक का अपना राष्ट्रीय नंबर होने और उस पर इनकमिंग कॉल की सुविधा से ग्राहकों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। हमने इस मुद्दे पर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ चर्चा की है। जल्द ही स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा फायदा

एक बड़ा सवाल यह है कि क्या तीसरे पक्ष के रिकवरी एजेंटों को भी इन नंबरों का उपयोग करना होगा एक अधिकारी ने कहा, इस पर आरबीआई और टेलीकॉम नियामक ट्राई से स्पष्टीकरण जरूरी है। इस पहल से न केवल ग्राहकों को विश्वसनीय कॉल की पहचान करने में मदद मिलेगी, बल्कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में भी कमी आने की संभावना है।

द जायंट व्हील फेस्टिवल वापस आ गया है आपके शहर में

मुंबई। अब आम जिंदगी पर ब्रेक लगाने का समय आ गया है – क्योंकि शहर का सबसे वाइब्रंट उत्सव फिर लौट आया है। द जायंट व्हील फेस्टिवल का 5वां संस्करण 30 मई से 1 जून तक आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित होने जा रहा है, और ये लेकर आ रहा है मस्ती, कल्पना और आपके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स की एक जादुई दुनिया।

शिन चेन, ओगी, हनी बनी, नारुतो हां – ये सभी एक ही छत के नीचे आ रहे हैं। हर उम्र के फैंस से मिलने के लिए तैयार हैं। चाहे आप हमेशा से कार्टून के दीवाने रहे हों या अब अपने बच्चों का इनसे परिचय करा रहे हों – यही वो जगह है जहाँ जादू हकीकत बनता है। यहां आप एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) से भरपूर रोमांचक एडवेंचर्स, मजेदार और रचनात्मक वर्कशॉप्स, हैरान कर देने वाले मैजिक शोज़ और और हर कोने में छिपे ढेरों सरप्राइज़ की उम्मीद कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग की घोषणा की; कीमत 109,999 रुपये से शुरू

गैलेक्सी एस25 एज का प्री ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को 12 हजार रुपये मूल्य का फ्री स्टोरेज अपग्रेड मिलेगा

ग्राहक डिवाइस पर 9 महीने तक की नौ-कॉस्ट ईएमआई का भी लाभ उठा सकते हैं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने श्रेणी को परिभाषित करने वाले गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह गैलेक्सी एस सीरीज़ का सबसे स्लिम स्मार्टफोन है। स्टाइल और ताकत को ध्यान में रखकर बनाया गया, गैलेक्सी एस25 मजबूत टाइटेनियम बॉडी में प्रीमियम, प्रो-लेवल परफॉर्मेंस का नया बैलेंस प्रदान करता है। एस25 एज स सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ाता है, इसमें एक आइकॉनिक गैलेक्सी एआई-इनेबल्ड कैमरा दिया गया है और यह एक पोर्टेबल डिवाइस में रचनात्मकता के नये द्वार खोलता है।

असाधारण रूप से पतला और मजबूत डिज़ाइन- गैलेक्सी एस25 एज, 5.8 द्व्व के पतले चेसिस के साथ, इंजीनियरिंग की दुनिया में एक शानदार उपलब्धि है। यह स्मार्टफोन डिज़ाइन के लगभग हर तत्व को फिर से परिभाषित करता है। इसका हल्का महज 163 ग्राम वजन वाला फ्रेम स्टाइल और कार्यक्षमता दोनों में अव्वल है। यह स्लिम स्मार्टफोन्स को नए स्तर पर ले जाता है और गैलेक्सी स सीरीज़ की एकजैसी डिज़ाइन को बनाए रखता है। अपनी खूबसूरत, स्लिम डिज़ाइन के साथ यह फोन बेजोड़ मजबूती भी लेकर आता है। इसके घुमावदार किनारे और मज़बूत टाइटेनियम फ्रेम रोज़मर्रा के इस्तेमाल में शानदार सुरक्षा देते हैं। फ्रंट डिस्प्ले में इस्तेमाल हुआ नया कॉर्निंग0 गोरिल्ला0 ग्लास सिरैमिक 2 न सिर्फ बेहतरीन चमक देता है, बल्कि असाधारण मजबूती भी प्रदान करता है।

पॉकेट में आने वाले 200एमपी कैमरे के साथ रचनात्मकता

गैलेक्सी एस25 एज का पतला और हल्का डिज़ाइन यूजर्स के लिए कभी भी, कहीं भी यादगार पल कैप्चर करना और अपनी क्रिएटिविटी दिखाना आसान बनाता है। 200एमपी का वाइड लेंस गैलेक्सी स सीरीज़ के शानदार कैमरा अनुभव को बरकरार रखता है और नाइटोग्राफी को नए स्तर पर ले जाता है। इसकी अल्ट्रा-हाई रेजोल्यूशन से तस्वीरें बेहद शार्प और कम रोशनी में 40त्न बेहतर चमक के साथ स्पष्ट रहती हैं। यह स्मार्टफोन 12एमपी के अल्ट्रा-वाइड सेंसर ऑटोफोकस के साथ आता है, जो मैक्रो फोटोग्राफी को और रचनात्मक बनाता है जिससे और अधिक रचनात्मक लचीलापन मिलता है।

पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने यूपी के निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस प्रोजेक्ट पर 24 घण्टे में सड़क निर्माण का विश्व रिकॉर्ड बनाया

हरदोई और उन्नाव के बीच रिकॉर्ड तोड़ समय में 6 लेन का एक्सप्रेसवे तैयार किया

इस रिकॉर्ड को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया 34.24 किलोमीटर लम्बा एक्सप्रेसवे बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के निर्माण क्षेत्र में योगदान देने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पटेल), गुजरात ने 6 लेन के गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट का सबसे तेज़ निर्माण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जो एक राज्य के स्वामित्व का भारत का सबसे लम्बा एक्सप्रेसवे है, तथा उत्तर प्रदेश राज्य के प्रगतिशील एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

इस विश्व रिकॉर्ड के तहत 24 घण्टे के भीतर बिना रुके कार्य करते हुए 20,105 मीट्रिक टन बिटुमिनस कॉन्क्रीट के इस्तेमाल से 171,210 वर्गमीटर को कवर कर 34.24 किलोमीटर का बिटुमिनट कॉन्क्रीट बिछाया गया तथा पटेल एंसीलरी कंपनी रोड शील्ड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10 किलोमीटर के मैटल बीम क्रैश बैरियर का इंस्टॉलेशन किया गया। इस उपलब्धि को तीन मुख्य प्रतिष्ठित संस्थानों - गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ

रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्रदान कर आधिकारिक रूप से प्रमाणीकृत किया गया है।

यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के सीईओ श्री मनोज कुमार सिंह की दूरदर्शिता एवं निगरानी में यह विश्व रिकॉर्ड संभव हो पाया। स्थानीय एवं राज्य अधिकारियों के पूर्ण सहयोग से इस प्रोजेक्ट का पूरा होना स्थानीय क्षेत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

रिकॉर्ड बनाने का प्रयास प्रतिष्ठित गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट (ग्रुप 3) पर किया गया, जो अदानी ग्रुप की कंपनी अदानी रोड एण्ड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड (एआरटीएल) का एक प्रोजेक्ट है। जिसका नेतृत्व हरदोई एवं उन्नाव ज़िलों के बीच यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा किया गया है। यह काम 17 मई 2025 सुबह ठीक 5 बजे शुरू हुआ और लक्ष्य के मुताबिक 18 मई 2025 को सुबह 5 बजे पूरा हो गया। महज 24 घण्टे के भीतर इसे सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए इंजीनियरों, आधुनिक मशीनरी, मटीरियल एवं कुशल श्रमिकों ने अद्भुत समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। श्री अरविंद पटेल, मैनेजिंग डायरेक्टर, पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कहा, ''हमें गर्व है कि हम इस तरह की उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड ही नहीं है बल्कि हमारी टीम के दृढ़ इरादे और भारतीय इंजीनियरों की क्षमता का प्रमाण है।''

बांग्लादेशी अभिनेत्री नुसरत फारिया को भेजा गया जेल

हत्या की कोशिश के आरोप में हुई गिरफ्तार

बांग्लादेश की चर्चित अभिनेत्री और मुझिब बायोपिक में प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभा चुकीं नुसरत फारिया को ढाका एयरपोर्ट पर उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह थाईलैंड के लिए रवाना हो रही थीं। गिरफ्तारी के पीछे जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में उनका कथित रूप से शामिल होना बताया जा रहा है। इस मामले में नुसरत को अदालत के आदेश के बाद सोमवार को जेल भेज दिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नसरिन अख्तर ने नुसरत फारिया को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जाहंगीर आलम चौधरी ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री के खिलाफ जांच चल रही है और सरकार न्याय प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

किस मामले के तहत हुई गिरफ्तारी?

बताया जा रहा है कि जुलाई 2024 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एनामुल हक नामक व्यक्ति को गोली लगी थी। वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा और ठीक होने के बाद उसने इस साल 3 मई को मामला दर्ज करवाया। इस केस में कुल 283 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 17 कलाकारों के नाम शामिल हैं। इसी लिस्ट में नुसरत फारिया का नाम भी शामिल है।

शेख हसीना के किरदार से बनाई पहचान

मुझिब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन नामक फिल्म में शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद नुसरत फारिया देश-विदेश में चर्चा में आई थीं। अब उनकी गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेशी इंडस्ट्री और राजनीतिक गलियारों में बवाल मच गया है।

कलाकारों ने की आलोचना

बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरों ने भी इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

मेजर जनरल पुनिया का निभाएंगे रोल

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा अब पर्दे पर भारतीय सेना के शौर्य और साहस को दर्शाने के लिए एकदम तैयार हैं। रणदीप की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है जिसमें वो भारतीय जवान के किरदार में नजर आने वाले हैं।

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

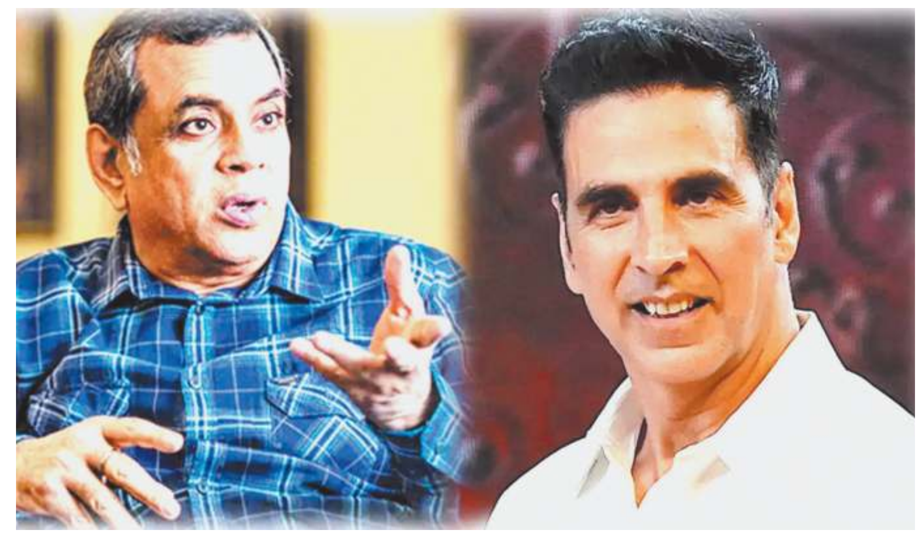

अक्षय कुमार ठोकेंगे परेश रावल पर 25 करोड़ का हर्जाना ! प्रोडक्शन हाउस बोला- बर्दाश्त नहीं करेंगे

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 से बाहर होने पर अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को 25 करोड़ रुपये का हर्जाना भरने का नोटिस भेजा है। यह मामला अब कानूनी हो चुका है।

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 एक बार फिर से विवादों में घिर गई है। फ्रेंचाइजी में बाबूराव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता परेश रावल ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उनके इस एलान ने सभी को चौंका दिया। साथ ही उनके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। अब इस मामले ने एक कानूनी मोड़ ले लिया है। अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को नोटिस भेजकर हर्जाने की मांग की है।

परेश रावल से 25 करोड़ रुपये की मांग

रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल को कानूनी नोटिस भेजकर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। प्रोडक्शन हाउस का दावा है कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और शूटिंग शुरू करने के बाद रावल ने काम छोड़कर गैर-पेशेवर तरीके से काम किया है।

तीन गुना ज्यादा फीस ले रहे थे परेश रावल

रिपोर्ट में प्रोडक्शन हवाले से यह भी बताया गया कि इस प्रोजेक्ट के लिए परेश रावल को उनकी सामान्य फीस से तीन गुना ज्यादा भुगतान किया जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'परेश ने पेशेवर नैतिकता और व्यावसायिक आचरण के प्रति घोर उपेक्षा दिखाई। अगर उनका फिल्म को पूरा करने का कोई इरादा नहीं था, तो उन्हें कॉन्ट्रैक्ट साइन करने, एडवांस स्वीकार करने और निर्माता को शूटिंग में भारी निवेश करने से पहले ऐसा कहना चाहिए था।'

प्रोजेक्ट से बाहर होना निर्माता नहीं करेंगे बर्दाश्त

रिपोर्ट की माने तो मेकर्स ने आगे कहा, 'अब समय आ गया है कि बॉलीवुड अभिनेता यह समझें कि हॉलीवुड की तरह ही यहां भी निर्माता कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने वाले और अपनी मर्जी से प्रोजेक्ट से बाहर निकलने वाले अभिनेताओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

परेश रावल ने कहा- कोई रचनात्मक भेद नहीं

फ्रेंचाइजी से खुद को बाहर करने के बाद परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने को लेकर सफाई दी। अभिनेता ने यह साफ किया कि किसी रचनात्मक मतभेदी की वजह से उन्होंने फिल्म नहीं छोड़ी है।

अभिनेता ने एक्स पर लिखा, 'मैं यह रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं कि 'हेरा फेरी 3' से दूर रहने का मेरा फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। मैं दोहराता हूं कि फिल्म निर्माता के साथ कोई रचनात्मक असहमति नहीं है। मैं फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के प्रति अपार प्रेम, सम्मान और विश्वास रखता हूं।

' हेरा फेरी सीरीज बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक है। इसका एक बहुत बड़ा फैन बेस है। फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्में बड़ी हिट रही थीं।

एक्शन मोड में राशि खन्ना

अभिनेत्री ने अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर किया स्टंट लुक

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना अब ऐक्शन की दुनिया में एक और बड़ा कदम रखने जा रही हैं, और उनके हाल ही में शेयर किए गए बिहाइंड-द-सीन्स लुक से साफ है कि वह इस बार कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर की गई एक आकर्षक तस्वीर में राशि चोटिल, खून से लथपथ और पूरी तरह से किरदार में डूबी नजर आ रही हैं, जो एक ऐसे किरदार को दर्शाती हैं जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण लग रहा है। एक सादे टी-शर्ट और काले पैंट में नजर आ रहीं राशि की नाक और हाथ पर साफ़ चोटों के निशान दिख रहे हैं। वह एक गंभीर और तनावपूर्ण सीन में बैठी हैं, और उनका एक्सप्रेशन, मेकअप और लाइटिंग मिलकर इस तस्वीर को बेहद प्रभावशाली बना देते हैं। यह लुक उनके अब तक के ग्लैमरस और पॉलिश्ड लुक्स से बिल्कुल अलग है - जो उनके अभिनय के नए, और कहीं ज़्यादा रॉ पहलू की ओर इशारा करता है। राशि ने सोशल मीडिया पर छवि साझा की, और इसके कैप्शन में लिखा, ÷कुछ किरदार पूछते नहीं।वे मांगते हैं।तुम्हारा शरीर। तुम्हारी साँसें। तुम्हारे ज़ख्म।और जब तुम तूफ़ान बन जाते हो, तो आप बिजली की गड़गड़ाहट से नहीं घबराते। जल्द आ रही है. इंटरनेट पर इस लुक को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फैंस और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स राशि के इस लुक की गंभीरता और उनके समर्पण की जमकर सराहना कर रहे हैं। हर किरदार में खुद को पूरी तरह से झोंक देने वाली राशि ने इस प्रोजेक्ट के लिए कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग और स्टंट प्रैक्टिस की है।यह रोल न केवल एक्शन से भरपूर है बल्कि इसमें इमोशनल गहराई की भी मांग है - और राशि इन दोनों को बेहतरीन ढंग से पेश करती दिख रही हैं। हाल ही में उन्होंने द साबरमती रिपोर्ट में एक जुझारू पत्रकार का किरदार निभाया था, जिससे यह साबित होता है कि वह जटिल और विविध किरदारों को बखूबी निभा सकती हैं। इनवेस्टिगेटिंग ड्रामा से लेकर जबरदस्त एक्शन तक, राशि एक कलाकार के रूप में अपने अभिनय की रेंज और गहराई को दर्शा रही हैं।और अब इस नई फिल्म के साथ, वह अपने करियर के सबसे कठिन शारीरिक किरदार में कदम रखने जा रही हैं - जो उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे दमदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में शामिल कर रहा है।

कुछ इस तरह की कुणाल शर्मा ने मकाम के लिए तैयारी

बॉलीवुड एक्टर कुणाल शर्मा अपनी आने वाली एक्शन-ड्रामा फिल्म मकाम में विक्रम रानवाल का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। फिल्म की शूटिंग कोलकाता, मुंबई, पुणे और हैदराबाद में की गई। कुणाल लगभग हर शूटिंग शेड्यूल का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, मैं विक्रम रानवाल का किरदार निभा रहा हूं, जिसे अंडरग्राउंड फाइटिंग सर्किट में किंग ऑफ द रिंग के नाम से जाना जाता है। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं बहुत खुश हुआ... लेकिन थोड़ा डर भी लगा। इस किरदार के लिए बड़ी और मजबूत बॉडी चाहिए थी। लेकिन, मेरे पास ज्यादा समय और पैसे नहीं थे, इसलिए पर्सनल ट्रेनर रखना मुश्किल था।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे में मेरे इंजीनियरिंग दिमाग ने बहुत मदद की। मैंने खुद ही फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशन का कोर्स किया। मैं थ्योरी पढ़ता और फिर उसे अपने शरीर पर आजमाता था। कुणाल ने खुद से सीखकर, बिना किसी ट्रेनर के अपनी बॉडी बनाई। उन्होंने पढ़ाई और मेहनत दोनों का इस्तेमाल किया और खुद को किरदार के रूप में ढाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, विक्रम के अंदर की दुनिया को समझना, उसके जज्बात, सोच और दर्द को महसूस करना। मैं असल में एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) फाइटर नहीं हूं और फिल्म के क्लाइमेक्स में 10-12 मिनट लंबी रिंग फाइट है। कुणाल ने कहा कि एमएमए को पूरी तरह सीखने का वक्त नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने शरीर की मुद्रा, खड़े होने का तरीका और दुनियाभर की फिल्मों में दिखाए गए एमएमए को ध्यान से देखा और सीखा। इसमें उन्होंने टीम की भी मदद ली। लेकिन, ये सब करते हुए उनके शरीर पर काफी असर पड़ा, बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी। एक्टर ने कहा, मुझे चोटें आईं, कुछ हड्डियां भी टूट गईं और क्लाइमेक्स की फाइट के बाद मुझे ठीक होने में 4 से 6 हफ्ते लगे। लेकिन, जब फिल्म का ट्रेलर आया और लोगों ने मेरी तारीफ करनी शुरू की, तो सारा दर्द गायब हो गया। कुणाल ने हवाई फाइव-0, प्रिजन ब्रेक जैसी फिल्मों और शोज में काम किया है।

कमल हासन के साथ किसिंग सीन से चर्चा में तृषा

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ का हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में एक सीन देख कर नेटिजंस भड़क गए हैं। इस सीन में अभिनेत्री तृषा कृष्णन और अभिनेता कमल हासन के बीच रोमांटिक सीन दिखाया गया है, जिसमें दोनों के बीच किसिंग सीन को फिल्माया गया है। इस कारण से सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं तृषा कृष्णन के बारे में कि वो कब-कब चर्चाओं में रहीं।

दलपति विजय के साथ अफेयर

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन और साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अफेयर्स की खूब चर्चाएं हुई थीं। विजय और तृषा को पहली बार साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म घिल्ली में देखा गया था, जो एक शानदार फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। साल 2008 के बाद दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें सामने आईं। इसी के बाद लगभग 15 सालों तक दोनों ने साथ में कोई फिल्में नहीं कीं। इसके बारे में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा के साथ काम करने के लिए मना किया था। हालांकि, 15 सालों बाद 2024 में दोनों लियो फिल्म में फिर एक साथ नजर आए। इसके अलावा अभिनेत्री ने उन्हें 2024 में अलग अंदाज में बर्थडे विश किया था, जिसने कई अफवाहों को फिर से तूल दे दी थी।

राणा दग्गुबाती के साथ चली थी लव स्टोरी

अभिनेता और फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ भी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। यह अफवाह इतनी फैली कि उनके फैंस को लगा कि ये दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की थीं, लेकिन सार्वजनकि तौर पर उनकी गतिविधियां बहुत कुछ बयां कर देती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर के साथ एक इंटरव्यू में करण ने राणा दग्गुबाती से तृषा कृष्णन के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा, तो अभिनेता ने स्वीकार किया कि वे डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, उनके बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, इस वजह से वो अलग हो गए थे।

चेन्नई के एक व्यवसायी से की सगाई

कहा जाता है राणा दग्गुबाती से ब्रेकअप के बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने साल 2015 में चेन्नई के एक व्यवसायी वरुण मनियन से सगाई कर ली थी। हालांकि, बाद में अभिनेत्री की सगाई टूट गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कहा गया कि वरुण के पिता अपने बेटे की शादी तृषा से करने के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि वह चाहते थे कि उनके परिवार में समान पृष्ठभूमि से कोई बहू आए। हालांकि, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी सगाई इसलिए टूटी, क्योंकि वरुण उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए कह रहे थे।

तृषा कृष्णन के बारे में

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अभिनेता कमल हासन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

बांग्लादेश टी20 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित; बाबर, रिजवान और अफरीदी बाहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी शामिल नहीं हैं। पीसीबी ने कहा कि टीम का चयन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर, रिजवान और अफरीदी को टी20 सेटअप से बाहर किया गया है। इससे पहले अप्रैल में, तीनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन वे वनडे मैचों का हिस्सा थे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाली तीन मैचों की सीरीज, कोच के तौर पर माइक हेसन की पहली सीरीज होगी, जिसका शेड्यूल आने वाले दिनों में घोषित किया जाएगा। बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे और ऑलराउंडर शादाब खान उनके डिप्टी होंगे, जबकि अनुभवी सफेद गेंद के खिलाड़ी फखर जमान, हारिस रऊफ और नसीम शाह भी टीम में शामिल हैं। चोट से जूझने के बाद आक्रामक बल्लेबाज सैम अयूब की वापसी से पाकिस्तान को मजबूती मिलेगी। फरवरी में दूसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय टखने में फ्रैक्चर होने के बाद अयूब इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच में ही बाहर हो गए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मौजूदा पीएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है।

इस बीच, 29 वर्षीय बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीएसएल में उनके प्रदर्शन के लिए 2018 के बाद पहली बार टी20 सेटअप में वापसी का इनाम मिला है। उन्होंने पीएसएल में अब तक अपने 10 मैचों में 154.50 की स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए हैं और इवेंट में रन बनाने वाले चार्ट में सबसे आगे हैं।

पाकिस्तान टीम- सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के लिए रवाना

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के लिए रवाना हुई। वहां वे चार देशों के एक दोस्ताना हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट टीम की दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा है। इसमें भारत के अलावा अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे के साथ मुकाबला करेंगी और अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से 2 जून (भारतीय समयानुसार) तक चलेगा। इस दौरान भारतीय टीम इन तीनों देशों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इसका उद्देश्य टीम की तैयारी को परखना, सही टीम संयोजन बनाना और रणनीतियां सुधारना है। इस टीम के कोच तुषार खांडेकर हैं। गोलकीपर निधि टीम की कप्तान होंगी और फॉरवर्ड खिलाड़ी हीना बानो उप-कप्तान होंगी। भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली से, दूसरा 26 मई को उरुग्वे से और तीसरा 28 मई को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

टीम के रवाना होने से पहले कप्तान निधि ने कहा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। हम प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हमारे प्रयास मैचों में दिखेंगे। मजबूत विरोधियों के खिलाफ खेलने से हमें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और हम आगामी खेलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कोच तुषार खांडेकर ने कहा, हम इस दौरे से अपने सबसे अच्छे खिलाड़ियों को पहचानने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि जूनियर वर्ल्ड कप अब सिर्फ छह महीने दूर है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देगा और आगे चलकर उन्हें सीनियर टीम में शामिल होने में मदद करेगा।

आईपीएल 2025:

23 मई को बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

लखनऊ, एजेंसी। 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में खेला जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की टीम रोक ली गई है। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।

विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रसंशकों के लिए बोनस है।

मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है। मुकाबले के लिए बंगलूरू टीम बुधवार को लखनऊ आ जाएगी। टीम का बृहस्पतिवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल भी है। इस दिन हैदराबाद की टीम भी अभ्यास कर सकती है।

प्लेऑफ नहीं तो एक अतिरिक्त लीग मैच ही सही

पिछले तीन साल से आईपीएल के मुकाबलों की मेजबानी करने वाले लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहली बार आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजायंट्स के घरेलू मैदान में सात-सात लीग चरण के मुकाबले खेले गए थे। हालांकि इस सत्र में आईपीएल के मुकाबलों को लेकर उमड़ी भीड़ को देखकर लगा था कि शायद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) लखनऊ को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी दे दे, लेकिन ऐसा हो न सका। इसके बाद यहां एक अतिरिक्त मैच आने से स्टेडियम प्रबंधन भी उत्साहित है।

बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद

हम प्लेऑफ के मुकाबले की मेजबानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है, क्योंकि अब प्रशंसक अपने पसंदीदा विराट कोहली को इकाना स्टेडियम एक नहीं, दो बार खेलते दिखेंगे। उम्मीद है कि इन मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अपनी उपस्थित दर्ज कराएंगे।

धर्मशाला में होंगे अंतर जिला टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मैच

धर्मशाला, एजेंसी। प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। वर्तमान में ऊना के संतोषगढ़ और पेखुबेला क्रिकेट मैदानों में अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसमें पूल के मुकाबले भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव से पूर्व ही करवा लिए थे। कांगड़ा, मंडी, सोलन, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के बीच मैच खेले गए। इस पूल में कुल्लू की टीम अंकतालिका में पहले और कांगड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही। टूर्नामेंट में कांगड़ा और कुल्लू ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, पूल बी के मुकाबले टूर्नामेंट की तिथि बदलने के चलते 17 मई से शुरू हुए हैं। पूल-बी में ऊना, हमीरपुर, शिमला, बिलासपुर, किन्नौर और सिरमौर के बीच लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। पूल बी में टॉप टू में रहने वाले टीमें 25 मई को धर्मशाला स्टेडियम में पूल-ए में टॉप पर रही कांगड़ा और कुल्लू के साथ सेमीफाइनल मुकाबले खेलेगी। सेमीफाइनल मुकाबलों में विजेता रहने वाले टीमों के बीच 26 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

शिखर धवन ने गुरुग्राम में खरीदा लग्जरी फ्लैट, कीमत है करोड़ों में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने गुरुग्राम में 69 करोड़ रुपए में एक लग्जरी फ्लैट खरीदा है। यह फ्लैट गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अत्यधिक भव्य परियोजना 'द डहलियाज' में है। इस अपार्टमेंट का साइज 6,040 वर्ग फुट है। रियल एस्टेट क्षेत्र में आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक पंजीकृत समझौता चार फरवरी, 2025 को हुआ था। धवन ने गुइस संपत्ति का मूल्य 65.61 करोड़ रुपए है। स्टाम्प शुल्क 3.28 करोड़ रुपये है, जिससे कुल कीमत लगभग 69 करोड़ रुपए हो जाती है। पिछले साल अगस्त में हरियाणा के गुरुग्राम में शुरू हुए 'द डहलियास' परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सीआरई मैट्रिक्स के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार यहां प्रति स्क्वायर फीट अपार्टमेंट की कीमत 1,14,068 रुपए है। भारतीय क्रिकेट में 'गब्बर' नाम से के मशहूर शिखर धवन ने अगस्त 2024 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और भारत के लिए उनका अंतिम मैच भी 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 50 ओवर का खेल था। अपने करियर के दौरान, धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले।

CSK की 10वीं हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा...

शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह लगभग तय है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2025 में आखिरी स्थान पर समाप्त होगी, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स से छह विकेट से हारने के साथ उनका पतन जारी रहा। मंगलवार को बड़ी संख्या में भीड़ - जिसमें बच्चे, वयस्क और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे - ने कोटला में कड़ी गर्मी और कामकाजी सप्ताह के दिन का सामना किया और पीली जर्सी पहनकर और हर छोटे अवसर पर सीटी बजाकर एमएस धोनी एंड कंपनी के लिए जोरदार समर्थन दिखाया।

लेकिन सीएसके के उलझे हुए दृष्टिकोण - जैसे कि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे से आगे बढ़ाना - और गेंदबाजी में कोई भी पैनापन नहीं होना, ने उन्हें फिर से निराश किया।

मंगलवार के मुकाबले से पहले, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि सीजन को अच्छी तरह से खत्म करने का अवसर उनके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। लेकिन आरआर से हार, जो इस सीजन की उनकी दसवीं हार थी, ने सीएसके को टी20 तालिका में काफी पीछे रहने की याद दिला दी। इसलिए, फ्लेमिंग को यह कहते हुए सुनना आश्चर्यजनक नहीं था कि सीएसके का अंक तालिका में सबसे नीचे रहना 'संभवतः उचित' है। हमें यहां नीचे रहना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह कोई प्रेरणा नहीं है। हम बस एक अच्छा प्रदर्शन चाहते थे। हम कुछ प्रदर्शनों को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य दो अच्छे प्रदर्शन करना था। अब बस एक अच्छा प्रदर्शन खत्म करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं। हमने उस तरह का क्रिकेट खेला है, इसलिए आप इससे दूर नहीं रह सकते। लेकिन हम जो करना चाहते हैं, वह यह है कि मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करें, जो टीम की क्षमता को दर्शाता है।

हालांकि सीएसके द्वारा 78 रन पर अपनी आधी टीम गंवाने के बाद 187/8 का स्कोर बनाना सराहनीय था, लेकिन यह स्कोर हमेशा ही आरआर की प्रेरित टीम को चुनौती देने के लिए अपर्याप्त था, जिसने अपने युवाओं के दम पर जीत हासिल की। कुछ खिलाड़ियों ने चेन्नई में भी ट्रेनिंग की थी। बस इसमें थोड़ी यात्रा शामिल थी। बाकी सब अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि यह तालिका में हमारी स्थिति के हिसाब से अधिक है, अगर आप शीर्ष चार या पांच के आसपास हैं, तो वापस आकर प्रेरित होना और खेल में उतरना बहुत आसान है। फ्लेमिंग ने कहा, हम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। इन दो मैचों के लिए हमारी प्रेरणा बहुत अधिक रही है। ट्रेनिंग अच्छी रही है। तीव्रता ठीक थी। हम फिर से बीच में प्रदर्शन करने में कमी कर रहे हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच, सीएसके इस बात से खुश होगी कि आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को किस तरह से प्रदर्शन किया, जिन्होंने क्रमशः 43 और 42 रन बनाते हुए कुछ बेहतरीन शॉट दिखाए। हालांकि सीएसके ने पावर-प्ले में 68 रन बनाए, एक ऐसा चरण जो उनके पतन का आधार रहा है, के बाद उन्होंने म्हात्रे सहित तीन विकेट खो दिए, और इससे 200 तक पहुंचने की उनकी इच्छा को चोट पहुंची।

मलेशिया मास्टर्स: एचएस प्रणय और करुणाकरन की शानदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचे; सिंधू पहले ही दौर में बाहर

कुआलालंपुर, एजेंसी। प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरन ने पुरुष एकल मुकाबलों में उलटफेर करते हुए जीत हासिल की और मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बुधवार को महिला एकल मुकाबले के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। पुरुष एकल में भारतीयों का जलवा

प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। भारत के एक अन्य पुरुष खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। आयुष ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से मात दी।

सिंधू की खराब फॉर्म जारी

पुरुष एकल वर्ग में जहां भारत के लिए अच्छा दिन रहा, वहीं, महिलाओं के वर्ग में सिंधू की खराब फॉर्म यहां भी बरकरार रही और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट का शुरुआती दौर ही पार नहीं कर सकीं।

सिंधू को वियतनाम की नगुयेन थियू लिंथ के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हार मिली।

चुराह की चंपा ठाकुर कबड्डी वर्ल्ड कप शिविर के लिए चुनीं

चंबा, एजेंसी। चंबा जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। हिमाचल प्रदेश के चंबा

जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। प्रशिक्षण शिविर सोनीपत में चल रहा है। यह 30 मई तक चलेगा। शिविर में देशभर से करीब 35 कबड्डी खिलाड़ी भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के आधार पर ही विश्व कप की टीम घोषित की जाएगी। चंपा के पिता रमेश ठाकुर पेशे से पहलवान हैं, बेटा कुश्ती में अपना भविष्य संवार रहा है। इसके अलावा बेटी चंपा ठाकुर भी कबड्डी में जिले का नाम देशभर में रोशन कर रही हैं।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने कहा-

अगला साल निश्चित रूप से हमारा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के लीग मैचों के समाप्त होने में अभी एक सप्ताह बाकी है, लेकिन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 14 लीग मैचों का कोटा पूरा होकर उनके आईपीएल 2025 का सफर समाप्त हो चुका है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनने वाली आरआर अभी भी सीएसके से ठीक ऊपर और अंक तालिका में अंतिम से दूसरे स्थान पर है, जबकि पिछले साल आरआर ने प्ले ऑफ तक का सफर पूरा किया था। टीम के इस प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा, इस सीजन कई मैच ऐसे रहे, जहां हमने जीतते-जीतते कई करीबी मुकाबले गंवाए। हमने तीनों विभागों, खासकर फील्डिंग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसके अलावा हमने पांच बल्लेबाज रिटेन किए थे तो हमें बल्लेबाजों से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन कई मौके ऐसे आए, जहां हमने अच्छी शुरूआत नहीं की। वहीं गेंदबाजी में भी हमने अधिकतर बार 10 से 15 रन अधिक दिए, जो बाद में हार का अंतर साबित हुए। कई मौकों पर हम मैच को अपने पक्ष में समाप्त कर सकते थे, लेकिन हम दुर्भाग्यशाली रहे कि हम ऐसा नहीं कर पाए। यह निराशाजनक है और इससे तकलीफ होती है, लेकिन यह आपको अगले सीजन के लिए उम्मीद भी देती है। मुझे लगता है कि हम इससे बुरा और नहीं कर सकते और अगले सीजन हम निश्चित रूप से वापसी करेंगे। ये सभी लड़के एक साल और अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट खेलकर और भी बेहतर होंगे, खासकर हमारी बल्लेबाजी इकाई और भी मजबूत होगी। गौरतलब है कि आरआर ने इस साल चार ऐसे करीबी मुकाबले गंवाए, जिसमें जीत-हार का अंतर 11 रन से भी कम था, वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मुकाबला भी सुपर ओवर में जाने के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अगर इन मुकाबलों में से आधे के परिणाम भी आरआर के पक्ष में जाते तो वे प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहते। हालांकि राठौड़ ने कहा कि उन्हें इस सीजन से कई सकारात्मक चीजें मिलीं, जो कि अगले सीजन को बेहतर बनाने के काम आएंगी। वैभव सूर्यवंशी के लिए पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा, सूर्यवंशी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके पास निरंतरता है और वह लगभग हर मैच में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी अच्छी पारी खेली थी और बार-बार ऐसा करना दिखाता है कि वह अलग और अनूठे हैं। उनके बल्ले का डाउनस्विंग उन्हें एक विशेष खिलाड़ी बनाता है।

राठौड़ ने कहा, हमने टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी की, जैसे आज सीएसके के खिलाफ मैच में आकाश मधवाल ने अच्छा स्पैल डाला। उनको ऐसे गेंदबाजी करते देखना निश्चित रूप से सुखद था। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। आज, वनिंदु हसरंगा ने भी वापसी करते हुए अच्छी गेंदबाजी की। हम दुर्भाग्यशाली रहें कि सैंडी (संदीप शर्मा) बीच टूर्नामेंट में चोटिल हो गए, लेकिन वह ऐसे गेंदबाज हैं, जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं। तो गेंदबाजी में ये सभी सकारात्मक चीजें हैं। उन्होंने कहा, वहीं बल्लेबाजी में तो बहुतों ने उम्मीद जगाई है। हमारी बल्लेबाजी जिस तरह की है, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए जितना बेकार सीजन हो सकता था, हो चुका है। यहां से चीजें बेहतर ही होंगी। चाहे वैभव (सूर्यवंशी) हों या ध्रुव जुरेल, सब यहां से बेहतर ही होंगे। वहीं रियान पराग एक विशेष खिलाड़ी हैं। संजू (सैमसन) दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस सीजन अधिकतर समय चोटिल रहें, हम उम्मीद करते हैं कि वह अगले सीजन पूरी तरह फिट होकर हमारे लिए पूरा सीजन खेलेंगे। वह न सिर्फ एक अच्छे बल्लेबाज, बल्कि बेहतरीन कप्तान और नेतृत्वकर्ता हैं। वहीं (शिमरॉन) हेटमायर के लिए यह निराशाजनक सीजन रहा, लेकिन जिस तरह के वह खिलाड़ी हैं, वह भी निश्चित रूप से कोशिश करेंगे कि आगे ऐसा ना हो।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में दर्दनाक सड़क हादसा, 6 लोगों की मौके पर ही मौत

विजयपुर, एजेंसी। कर्नाटक में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मंगोली के पास एक कार और बस के बीच जोरदार टक्कर होने से यह हादसा हो गया। एसयूवी कार सोलापुर जा रही थी, इस दौरान वह मुंबई-बल्लारी बस से जा टकराई। एसयूवी में सवार पांच यात्री और बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक मरने वालों की पहचान नहीं हो पाई थी। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। धमाके सी आवाज सुनकर लोग इकट्ठे हो गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद लोगों की काफी भीड़ जुट गई। ट्रैफिक जाम की स्थिति हो गई, जिसके बाद पुलिस ने सड़क से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाकर जाम खुलवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद वहां लोग जुटना शुरू हो गए।

हाल के महीनों में कर्नाटक में सड़क हादसों में कई लोगों ने अपनी जान गंवानी पड़ी है। 8 मई को हावेरी जिले में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। यह हादसा ब्यादगी तालुक के मोटेबेन्नूर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर हुआ था, जब एक कार ने ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मारी थी। इसके अलावा, 4 जनवरी को कर्नाटक के गडग में एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा गडग जिले के हुलाकोटी गांव के पास हुआ था।

अटारी-वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी फिर शुरू, भारत माता की जय के नारों से गूंजी भारतीय गैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव होने के बाद से पंजाब के अमृतसर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर और फिरोजपुर के हुसैनीवाला व सादकी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी, जो आज से दोबारा शुरू हो गई। लेकिन इस बार पहले की तरह न तो दोनों तरफ के गेट खोले गए और न ही बीएसएफ जवानों और पाक रेंजर्स ने हाथ मिलाए। अटारी बॉर्डर पर भारत की ओर से करीब 1500 सैलानी पहुंचे और वंदे मातरम व भारत माता की जय के नारे लगाए। लेकिन, पाकिस्तानी की गैलरी पूरी तरह से खाली थी। पाकिस्तानी रेंजर्स ने औपचारिकता के तौर पर अपनी तरफ से झंडा फहराने की रस्म तो अदा की, मगर उनका हौसला बढ़ाने वाले दर्शक नहीं थे। मंगलवार शाम 6:30 बजे बीएसएफ जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच रिट्रीट सेरेमनी हुई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 7 मई से रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर की तरफ से एक्स पर पोस्ट की गई थी, जिसमें कहा गया कि हाल ही में पहलगाम में हुए दुखद आतंकी हमले के मद्देनजर फैसला लिया गया है। इसके तहत पंजाब स्थित अटारी, हुसैनीवाला और सदकी बॉर्डर पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी के दौरान प्रतीकात्मक प्रदर्शन को सीमित कर दिया गया है। रिट्रीट सेरेमनी भारत के सीमा सुरक्षा बल और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच होती है। यह आमतौर पर शाम को सूरज ढलने के साथ शुरू होती है। इसमें भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों की परेड होती है, जिसमें दोनों देशों के कमांडर हाथ मिलाते हैं। इसका समापन राष्ट्रीय ध्वज को एक साथ नीचे उतारने के साथ किया जाता है। इसे रोजाना हजारों दर्शक देखने के लिए आते हैं।

पोस्टमार्टम के लिए मांगे 10 हजार, नहीं दिया शव वाहन, बच्चे की लाश बाइक से लेकर घर पहुंचा मजबूर पिता

सरगुजा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा से दिल को झकझोर देने वाली वीडियो सामने आई है। यहाँ एक पिता अपने मासूम बच्चे की लाश बाइक से गोद में रखकर घर ले जाते दिखाई दिया, घटना की किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी, जिसे लोग खूब शेयर कर रहे हैं। वीडियो सामने आने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस का भी रिएक्शन सामने आया है।

दरअसल सरगुजा में रविवार को दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचे तो कथित तौर पर डॉक्टरों ने उनसे पोस्टमार्टम के लिए 10-10 हजार रुपये मांगे। परिजनों को शव घर तक ले जाने के लिए शव वाहन भी नहीं दिया। इस कारण मजबूरन पिता को अपने बच्चे की लाश गोद में रखकर बाइक से घर ले जाना पड़ा। हालांकि इस मामले में बीएमओ ने परिजनों द्वारा पैसे मांगने के आरोप को खारिज किया है। साथ ही साथ उनका कहना है कि परिजन जल्दबाजी में थे, इसलिए उन लोगों ने शव वाहन नहीं लिया था।

आगरा में रेलवे के 122 साल बाद अब मेट्रो ने बनाई टनल

14 किमी में बनेंगे 13 स्टेशन

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) शहर के बीचों-बीच करीब सात किलोमीटर लंबी मेट्रो टनल बना रही है। आधुनिक तकनीक से लैस टीबीएम मशीन टनल का निर्माण कर रही हैं। ताजमहल मेट्रो स्टेशन से लेकर आरबीएस कॉलेज तक लगभग टनल तैयार है। इसी सप्ताह में मेट्रो मनकामेश्वर मंदिर पर अप लाइन के कॉरिडोर में पहला ब्रेक थ्रू लेने की तैयारी में है। लेकिन, ये शहरवासियों के लिए नया नहीं है। 122 साल पहले रेलवे की टनल बनी थी। ब्रिटिशकाल में बेलनगंज व सेंट जोंस के पास 323 मीटर लंबी रेलवे टनल बनाई गई थी।

बता दें कि यूपीएमआरसी आगरा में 29.4 किलोमीटर लंबे दो कॉरिडोर का मेट्रो नेटवर्क तैयार कर रहा है। पहला कॉरिडोर ताजमहल पूर्वी गेट से सिकंदरा के बीच 14 किमी लंबा निर्माणाधीन हैं, जिसमें 13 स्टेशनों का निर्माण होगा। छह एलिवेटेड और सात भूमिगत स्टेशन होंगे। ताजमहल मेट्रो स्टेशन से लेकर आरबीएस कॉलेज तक करीब सात किलोमीटर की टनल है। आगरा में ये दूसरी रेलवे टनल है। इससे पहले 1903 में ब्रिटिश सरकार ने आगरा सिटी रेलवे स्टेशन और राजा की मंडी रेलवे स्टेशन के बीच में बेलनगंज और सेंट जोंस के पास 323 मीटर मीटर लंबी रेलवे सुरंग बनाई गई थी, जिसमें आज भी अप और डाउन में ट्रेन चलती हैं।

जानकार बताते हैं कि फ्रेंच और ब्रिटिश इंजीनियरों के नेतृत्व में गुजरात के कर्मचारियों ने डाट पद्धति से ईंटों से बनाया था। इस पर आज पूरी तरह से शहर बसा हुआ है। 122 साल बाद आगरा मेट्रो टीबीएम और पूरे स्ट्रेक्चर के साथ टनल निर्माण कर रही है। मनकामेश्वर मंदिर पर इसी सप्ताह में अप और डाउन की दोनों टीबीएम ब्रेक थ्रू करेंगे। इसके बाद टनल में सिग्नल का कार्य शुरू होगा। पूर्व में 11 महीने के अंदर तीन किलोमीटर टनल निर्माण का रिकार्ड मेट्रो बना चुकी है।

इसलिए बनाई गई थी बेलनगंज टनल

वर्ष 1911 में यूनाइटेड प्राविंस ऑफ आगरा एंड अवध के गजेटियर में दर्ज है कि आगरा में वर्ष 1900 की शुरुआत से ही औद्योगिकीकरण शुरू हो गया था। वायसराय लार्ड कर्जन ने आगरा में उद्योग, व्यापार के प्रोत्साहन के लिए गधापाड़ा में मालगोदाम, सिटी स्टेशन, बेलनगंज में सुरंग, यमुना नदी पर स्ट्रेची ब्रिज के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। नार्थ वेस्ट प्राविंस के लेफ्टिनेंस गवर्नर रहे स्ट्रेची ने आगरा की औद्योगिक इकाइयों के उत्पादों को देशभर में पहुंचाने के लिए रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल किया था। यहां जोंस मिल समेत दरी उद्योग, चमड़ा, आटा, दाल मिल, प्रिंटिंग और जूट का बड़ा काम था।

जुलाई में यात्रियों के लिए शुरू होगी मेट्रो

यूपीएमआरसी जुलाई-2025 तक आईएसबीटी तक मेट्रो सेवा यात्रियों के लिए शुरू करने की तैयारी में है। तेजी से कार्य भी हो रहा है। भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हैं। करीब 150 मीटर फाइनल ब्रेक थ्रू रह गया है। इस सप्ताह में इसे भी करने का दावा मेट्रो के अधिकारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रायोरिटी दावा क कॉरिडोर के बाद मेट्रो सेवा आईएसबीटी तक शुरू की जाएगी। ये भाग काफी अहम है।

यूपी में अब बीएसए पर फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी पाने का आरोप, अपर प्रमुख सचिव से शिकायत

भदोही, एजेंसी। यूपी के अब भदोही जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह पर फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी पाने का आरोप लगा है। यह आरोप गोपीगंज क्षेत्र में जखांव गांव निवासी अशोक कुमार मिश्र ने लगाया है। उन्होंने अपर प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा विभाग) समेत कई अफसरों को पत्र भेजकर मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

शिकायतकर्ता के मुताबिक भूपेंद्र नारायण सिंह पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से बीएड का फर्जी मार्कशीट लगाकर 16 जनवरी, 1991 को शिक्षक बने। श्री भगवंत मान इंटर कॉलेज अहिमित, केराकत (जौनपुर) में उनकी सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति हुई। वह 25 अक्तूबर, 2010 तक वहां कार्यरत रहे। फर्जी मार्कशीट के जरिए उन्होंने 26 अक्तूबर, 2010 को बांदा में सीनियर लेक्चरर की नौकरी हासिल की। वर्ष 1987 में जारी किए गए उनके बीएड मार्कशीट का अनुक्रमांक 18587 है। शिकायतकर्ता का दावा है कि भूपेंद्र नारायण सिंह ने कूटरचित ढंग से मार्कशीट तैयार की। सच्चाई यह है कि वह 1987 में बीएड में फेल हो गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भूपेंद्र नारायण सिंह करीब 35 वर्ष से फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी कर रहे हैं। वह इतने साल से वेतन ले रहे हैं। सबसे बड़ा खेल यह है कि उनकी बीएड की मार्कशीट सन् 1985 में गाजीपुर एवं सन् 1987 डोभी (जौनपुर) से है। भदोही बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि औराई ब्लॉक क्षेत्र में बंजारी प्राथमिक विद्यालय में अशोक कुमार मिश्र सहायक अध्यापक थे। उनके खिलाफ शिकायत की गई। जांच में उनकी बीएड मार्कशीट और डिग्री फर्जी मिली। पिछले वर्ष 28 जून को उनकी सेवा समाप्त कर दी गई।

महाराष्ट्र में कोविडः स्वास्थ्य विभाग सतर्क, मुंबई में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 10 के पार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में कोविड ने दस्तक दे दी है। प्रदेश की राजधानी मुंबई में ही मंगलवार को कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 15 बताई गई। स्वास्थ्य विभाग ने 20 मई को इसकी जानकारी दी साथ ही लोगों से अपील की कि वो किसी भी स्थिति में घबराएं नहीं। इसके मुताबिक ऐहतियातन वर्तमान में महाराष्ट्र में कोविड के लिए आईएलआई (इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी) और एसएआरआई (गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) को लेकर सर्वे चल रहा है। टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए संक्रमितों का उपचार किया जा रहा है। विभाग के मुताबिक फिलहाल मामले ज्यादा भयावह नहीं हैं, मरीजों में लक्षण बेहद सामान्य या हल्के हैं। इसके साथ ही जनता से अपील की गई है कि वो डरे नहीं, घबराएं नहीं। किसी भी तरह के लक्षण दिखें तो तुरंत पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के माध्यम से कोविड परीक्षण कराएं। उपचार की सुविधा उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जनवरी से अब तक कोरोनावायरस के लिए 6,066 स्वैब नमूनों की जांच की गई है, जिनमें से 106 मरीजों के नतीजे पॉजिटिव आए। इनमें से 101 मुंबई से और शेष 1 पुणे, 1 ठाणे और 3 कोल्हापुर से थे। मुंबई में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 101 पाई गई। राज्य में 52 मरीज हल्के लक्षणों के कारण उपचार करा रहे हैं, जबकि 16 मरीज अस्पतालों में उपचार करा रहे हैं। वहीं, जनवरी से अब तक कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 2 रही है।

अहमदाबाद नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण को हटाकर 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली कराई

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में चंडोला तालाब के किनारे एक साथ गरजे करीब 50 बुलडोजरों ने एक ही दिन में करीब 8500 मकानों/ढांचों को पत्थर-पत्थर कर डाला। अब कुछ धार्मिक ढांचे ही बचे हैं। पुलिस का कहना है कि इन्हें सम्मान के साथ हटाया जाएगा। अहमदाबाद नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण को हटाकर 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली कराई है।

अहमदाबाद के जॉइंट कमिश्नर (क्राइम ब्रान्च, सेक्टर 2) जयपाल सिंह राठौड़ ने कहा कि कल चंडोला तालाब के किनारे अवैध अतिक्रमण को हटाने का दूसरे चरण का काम शुरू हुआ था। जितना अतिक्रमण हटाना था, उसमें से 99.9 फीसदी ध्वस्तीकरण पूरा हो चुका है। 2.25 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली करा ली गई है। अब कुछ धार्मिक ढांचे ही बचे हैं जिन्हें सम्मान के साथ हटाया जाएगा। हमारी अपील है कि कोई अफवाह पर ध्यान ना दें। नगर निगम की नीति के मुताबिक जिन्हें मकान मिलना है उनके फॉर्म लिए जा चुके हैं।

पहलगाम हमले के बाद अहमदाबाद में यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिये पकड़े गए थे। 29 और 30 अप्रैल को अहमदाबाद नगर निगम ने पहले चरण के बुलडोजर ऐक्शन में बड़ी संख्या में ढांचों को गिरा दिया था। 20 मई से शुरू हुए दूसरे चरण में नगर निगम की 50 टीमों को सात जोन में बांटकर काम पर लगाया गया था। 350 स्टाफ सदस्यों के साथ सुबह 7 बजे ही ध्वीस्तीकरण का काम शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। 50 से ज्यादा बुलडोजर/अर्थमूवर से अवैध ढांचों को मिट्टी में मिला दिया गया। कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए 3000 पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया था।

तालाब किनारे एक बेहद सघन बस्ती थी

जॉइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने मंगलवार को पीटीआई को बताया था कि पहले चरण में हमारा मुख्य लक्ष्य असामाजिक तत्व और अवैध बांग्लादेशी निवासी थे जो यहां रह रहे हैं। हमने अतिक्रमण विरोधी अभियान के पहले चरण से पूर्व यहां अवैध रूप से रह रहे 202 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। दूसरे चरण में हम शेष अवैध अतिक्रमण को हटा देंगे। जब तक सभी अवैध ढांचे हटा नहीं दिए जाते, तब तक अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रहेगा।

किन्हें मिलेगा घर

अहमदाबाद नगर निगम ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि 2010 या उससे पहले से यहां रहने वाले लोग वैकल्पिक आवास के लिए पात्र होंगे और कई लोग पहले ही अपना घरेलू सामान वहां ले जा चुके थे। इससे पहले 29 और 30 अप्रैल को बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण किया गया था। इसकी शुरुआत तब की गई जब इन बस्तियों से बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया था। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अहमदाबाद पुलिस ने 26 अप्रैल को चंदोला झील क्षेत्र में छापा मारा और लालू पठान उर्फ लल्लू बिहारी की मदद से क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे 150 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। चंदोला झील में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के पीछे के 'मास्टरमाइंड' लालू पठान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सांसदों को विदेश भेजने को लेकर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर उठाए सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सर्वदलीय सांसदों के समूह विदेश जाने की तैयारी में हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी दलों के सांसदों को विदेश भेजने के फैसले के बारे में इसलिए सोचा ताकि वह उन कठिन सवालों का जवाब देने से बच पाएं, जिनके लिए उन्हें वहां बुलाया जा रहा है। बकौल रमेश वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रमेश ने लिखा, 1950 के दशक के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों को हर अक्तूबर-नवंबर में संयुक्त राष्ट्र में भेजा जाता रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में ही इस परंपरा को बंद कर दिया था। लेकिन अब जबकि वह हताश हैं, तो अचानक से उन्हें सभी पार्टियों के सांसदों की याद आई। कांग्रेस नेता ने कहा, पीएम मोदी ने यह फैसला लिया क्योंकि वह वैश्विक और घरेलू स्तर पर पूछे जाने वाले सवालों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की छवि को धक्का लग चुका है। जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी का एक वीडियो साझा करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा। इस वीडियो में अटल बिहारी बता रहे हैं कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया, जिससे विदेश में उनका इलाज हो सके। वीडियो के कैप्शन में जयराम ने लिखा, मनुष्य के प्रमुख गुण अच्छाई, शालीनता और मानवता होते हैं.. यह गुण नरेंद्र मोदी में उपस्थित नहीं है। इस वीडियो के जरिए हम किसी प्रधानमंत्री के मार्मिक और सुलझे हुए रूप को समझ सकते हैं, जो कि उनके धुर-विरोधी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने खुद बताए थे। शनिवार को कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि सरकार ने उससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए प्रतिनिधिमंडलों में शामिल करने के लिए चार सांसदों के नाम भेजने के लिए कहा था।

शादी के नाम पर 25 पुरुषों को ठगने वाली महिला पकड़ी गई

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान पुलिस ने भोपाल से एक 23 साल की महिला को गिरफ्तार किया है। महिला पर आरोप है कि उसने शादी के बहाने लगभग 25 पुरुषों को ठगा था। महिला की पहचान अनुराधा पासवान के रूप में हुई है,जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के महाराजगंज की रहने वाली है। राजस्थान के सवाई माधोपुर में विष्णु शर्मा और उनके परिवार को कथित तौर पर धोखा देने के बाद वह कुछ समय से भोपाल में रह रही थी।

सवाई माधोपुर के मानटाउन पुलिस स्टेशन के अनुसार, विष्णु शर्मा सवाई माधोपुर में ठेला चलाते हैं और वह शादी करना चाहते थे। तबी एक पप्पू मीणा नाम का व्यक्ति संपर्क में आया। उसने उन्हें अनुराधा की तस्वीर दिखाई। विष्णु शर्मा ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि मीणा लड़कियों को मैचमेकिंग के लिए एक स्थानीय पार्क में लाते थे और वहीं उनकी मुलाकात अनुराधा से हुई और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। यह शादी 19 अप्रैल को स्थानीय अदालत में हुई थी। शर्मा ने

बताया कि उन्होंने मीणा को 2 लाख रुपये नकद दिए थे,जिसमें उधार लिए गए पैसे भी शामिल थे। पप्पू मीणा ने ही यह रिश्ता तय करवाया था।

शादी के बाद वह और अनुराधा पति-पत्नी के रूप में साथ रहने लगे। विष्णु शर्मा ने बताया,उनकी कार्यप्रणाली के अनुसार,गिरोह के सदस्य शादी के 5-7 दिनों के भीतर आधी रात को अनुराधा को उठा ले जाते थे। विष्णु शर्मा ने आगे कहा कि हालांकि,मेरा फास्ट-फूड का ठेला है और इसलिए मैं रात 10.30 बजे तक ही लौट पाता था, फिर खाना खाता था और आधी रात के बाद तक टेलीविजन देखता था। इस दौरान कोई न कोई देर रात तक जागता रहता था, इसलिए हमें धोखा देने में उसे 13 दिन लग गए।

2 मई को,अनुराधा ने कथित तौर पर अपने ससुराल वालों को दिए गए खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। शर्मा ने कहा कि हमने छोले-भटूरे बनाए थे लेकिन मुझे शक है कि उसने पानी में कुछ मिलाया था। उस रात भी मैंने उससे पूछा था कि मेरी आंखें इतनी भारी क्यों लग रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह थोड़ा अजीब व्यवहार कर रही थी। हालांकि, वह सो गए। पुलिस ने बताया कि जब वे अगली सुबह जागे,तो उन्हें पता चला कि वह गहने,नकदी और एक मोबाइल फोन लेकर घर से भाग गई थी। सहायक उप-निरीक्षक मीठा लाल यादव ने बताया कि 3 मई को विभिन्न धाराओं के तहत एपफआईआर दर्ज की गई थी,जिसमें धोखाधड़ी से संबंधित धाराएं भी शामिल हैं।

उप-निरीक्षक मीठा लाल यादव ने बताया कि हमने मैरिज एग्रीमेंट देखा,जिसमें उसका पता लिखा था और भोपाल में उस जगह पहुंचे। हमें पता चला कि उसके द्वारा दिया गया पता झूठा था।

आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है', राजीव गांधी को याद कर राहुल गांधी ने शेयर किया भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उन्हें याद किया है। राहुल गांधी ने अपने पिता के नाम एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों को शेयर किया। एक तस्वीर में वह अपने पिता के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर राजीव गांधी की समाधि स्थल की है, जहां राहुल अपने पिता को हाथ जोड़कर श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने इन तस्वीरों के साथ एक भावुक संदेश भी साझा किया। उन्होंने लिखा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इससे पहले कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने लिखा, स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व ने हमारे राष्ट्र की नींव को बदल दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। उनकी स्थायी विरासत हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती रहती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी राजीव गांधी को याद किया।